संपादकीय जागरण

गुरुवार, 4 दिसंबर, 2025 : मार्गशीर्ष शुक्ल-14, पूर्णिमा वि. 2082

संबंध जोड़ना यदि कला है तो उन्हें निभाना एक साधना

# भारत-रूस दोस्ती

**रूसी राष्ट्रपति** पुतिन की भारत यात्रा के संभावित नतीजों का आकलन करना भले ही कठिन हो, लेकिन इसमें कोई संदेह नहीं कि उनकी इस यात्रा पर सारी दुनिया की निगाह होगी। सबसे अधिक निगाह अमेरिका और यूरोपीय देशों की होगी। निःसंदेह रूसी राष्ट्रपति की भारत यात्रा पर चीन भी नजर रखेगा, क्योंकि यूक्रेन युद्ध के चलते रूस की उस पर निर्भरता बढ़ गई है। रूसी राष्ट्रपति एक ऐसे समय भारत आ रहे हैं, जब अमेरिका यूक्रेन युद्ध खत्म कराने के लिए हाथ-पैर मार रहा है। इसके लिए वह रूस के साथ-साथ भारत पर भी दबाव बना रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने भारतीय आयात पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ इसीलिए थोप रखा है कि भारत रूस से तेल खरीद रहा है। जैसे अमेरिका की यह चाहत है कि भारत रूस से तेल खरीद बंद कर दे, वैसे ही यूरोपीय देश भी यह चाहते हैं कि भारत रूस से दूरी बनाकर रखे। कुछ यूरोपीय देशों ने तो भारत को रूस की निकटता से आगाह भी किया है। यह बात और है कि वे स्वयं रूस से ऊर्जा की आपूर्ति कर रहे हैं। यह तो तय है कि भारत रूस से अपने संबंधों को आगे बढ़ाने के क्रम में अमेरिका और यूरोपीय देशों की चिंताओं की अधिक परवाह नहीं करने वाला, लेकिन इस तथ्य की अनदेखी भी नहीं की जा सकती कि उसे अमेरिका के दबाव में रूस से तेल खरीद में कटौती करनी पड़ी है। स्पष्ट है कि भारत और रूस, दोनों के ही सामने यह चुनौती है कि तेल खरीद के मामले में अमेरिका के अनुचित दबाव का प्रतिकार कैसे किया जाए। भारत को यह प्रतिकार करते समय इसका ध्यान रखना होगा कि इससे अमेरिका के साथ होने वाले व्यापार समझौते में कोई बाधा न खड़ी होने पाए।

चूंकि रूसी राष्ट्रपति अपने कई मंत्रियों के साथ भारत आ रहे हैं और वे दो दिन प्रवास करेंगे, इसलिए यह तो स्पष्ट है कि दोनों देशों के बीच विभिन्न क्षेत्रों में बड़े समझौते होने वाले हैं। ये समझौते दोनों देशों को और निकट लाने का काम करेंगे, लेकिन भारत को एक ओर जहां यह ध्यान रखना होगा कि वह अपनी रक्षा जरूरतों पर एक सीमा से अधिक रूस पर निर्भर न होने पाए, वहीं दूसरी ओर उसे उसके साथ अपने व्यापार घाटे में कमी लाने के उपाय भी करने होंगे। यह ठीक है कि दोनों देश आपसी व्यापार को सौ अरब डालर तक ले जाना चाहते हैं, लेकिन यह ठीक नहीं कि भारत का रूस से आयात लगभग 65 अरब डालर का है, जबकि उसे निर्यात पांच अरब डालर ही है। ऐसा इसलिए है, क्योंकि भारत ऐसी वस्तुओं का निर्माण करने में सक्षम नहीं, जिनकी रूस को जरूरत है। वास्तव में यह भारत की एक बड़ी कमजोरी है कि उसके पास ऐसे उत्पाद नहीं, जिनके बगैर दूसरे देशों का काम न चल सके। भारत को अपनी इस कमजोरी को प्राथमिकता के आधार पर दूर करना होगा।

# सख्ती जरूरी

**दिल्ली में** वायु प्रदूषण गहराने के बीच प्रदूषण नियंत्रण के प्रयासों में लापरवाही पर संबंधित विभागों के अधिकारियों पर मुख्यमंत्री की नाराजगी सर्वथा उचित है। यह वास्तव में चिंता की बात है कि दिल्ली में प्रदूषण की स्थिति गंभीर बनी हुई है और प्रदूषण के स्रोतों पर प्रभावी नियंत्रण नहीं हो पा रहा है। मुख्यमंत्री ने विभागों से पूछा है कि प्रदूषण फैलाने वालों पर सख्त कार्रवाई क्यों नहीं हो रही है। उन्होंने प्रदूषण फैलाने वालों का चालान करने के साथ ही उनपर एफआइआर दर्ज करने और सड़कों के सभी गड्ढों को 72 घंटे के भीतर भरने के निर्देश दिए हैं।

दिल्ली में वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए सभी उपाय पूरी गंभीरता से किए जाने चाहिए और प्रदूषण फैलाने वालों पर सख्ती बरती जानी चाहिए

मुख्यमंत्री ने एक उच्चस्तरीय विशेषज्ञ समिति भी गठित की है, जो प्रदूषण नियंत्रण पर काम करेगी, लेकिन आवश्यकता इस बात की भी है कि प्रदूषण नियंत्रण के लिए किए जा रहे कार्यों की सघन निगरानी की जाए। इसके लिए दिल्ली सरकार को एक निगरानी प्रणाली भी विकसित करनी चाहिए। दिल्ली में गहराए वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए सभी तात्कालिक उपाय पूरी गंभीरता से किए जाने चाहिए और प्रदूषण फैलाने वालों पर सख्ती बरती जानी चाहिए। इसके साथ ही, प्रदूषण नियंत्रण के लिए दीर्घकालिक उपायों का रोडमैप भी तैयार किया जाना चाहिए, ताकि राजधानी में प्रदूषण को स्थायी रूप से नियंत्रित किया जा सके।

## कह के रहेंगे

माधव जोशी

## जागरण जनमत

कल का परिणाम

**क्या तंबाकू उत्पादों पर और टैक्स बढ़ाने से उनकी खपत घटेगी?**

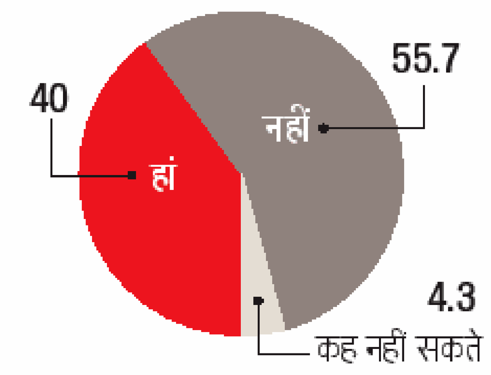


### आज का सवाल

क्या सरकार ने संचार साथी एप को प्री-इंस्टाल करने का फैसला वापस लेकर सही किया?

परिणाम जागरण इंटरनेट संस्करण के पाठकों का मत है।
सभी आंकड़े प्रतिशत में।

# सदाबहार मित्र के साथ शिखर वार्ता

हर्ष वी. पंत

**कोई भी साझेदारी परस्पर हितों को सम्मान देने पर ही समृद्ध होती है और इस मामले में मास्को ने दिल्ली को कभी निराश नहीं किया**

आज से दो दिवसीय भारत-रूस शिखर सम्मेलन आरंभ होने जा रहा है। इसमें अन्य अनेक मुद्दों के साथ ही रक्षा सहयोग पर गहन चर्चा की उम्मीद है। इस दौरान दोनों देशों के रक्षा मंत्रियों के बीच भी बैठक होगी। दोनों रक्षा मंत्रियों के बीच यह इस साल की दूसरी बैठक है। इस दौरान कई समझौतों पर मंथन होगा। समझौतों के लिए वार्ता के इस क्रम में सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल प्रणाली एस-400, पांचवीं पीढ़ी के सुखोई विमानों की खरीद और विभिन्न रक्षा उपकरणों के साझा उत्पादन जैसे प्रमुख पहलू शामिल होंगे। शीत युद्ध के दौर से ही रूस भारत का सबसे प्रमुख रक्षा साझेदार बनकर उभरा है, जिसने समय-समय पर भारत को प्रमुख हथियारों की आपूर्ति अनवरत बनाए रखी। प्रगाढ़ होते द्विपक्षीय रक्षा सहयोग को कई पहलुओं ने प्रेरित किया है। मास्को ने नई दिल्ली के साथ सैन्य तकनीक साझा करने और भारत में निर्माण की मंशा से 1962 में मिग-21 के उत्पादन की दिशा में पहल की थी। उसी दौर में अमेरिका सैन्य साजोसामान की आपूर्ति पर प्रतिबंध लगाने में लगा हुआ था। अमेरिका द्वारा 1965 में लगाए गए ऐसे प्रतिबंधों के उलट पूर्ववर्ती सोवियत संघ ने 1967 में भारतीय वायु सेना को सुखोई-7 बमवर्षक विमानों की आपूर्ति करके उसे सशक्त बनाया। ये विमान प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के पास उस समय उपलब्ध विमानों की तुलना में कहीं अधिक उन्नत थे।

उसके अगले दशक में सोवियत संघ ने रक्षा विविधीकरण से जुड़ी भारत की संवेदनशीलता एवं आवश्यकताओं को समझते हुए उसे उन्नत हथियारों एवं तकनीक से लैस करने के प्रयास तेज किए। इनमें टैंक, लड़ाकू विमानों, मिसाइल की आपूर्ति के साथ ही युद्धपोतों को उन्नत बनाया गया। दोनों देशों के बीच विश्वास का ऐसा भाव बढ़ा कि सोवियत संघ ने 1987 में भारत को परमाणु संचालित पनडुब्बी भी लीज पर दी। इसके बाद एक ऐसा समय आया कि सोवियत संघ स्वयं आंतरिक उथल-पुथल से ग्रस्त हुआ और उसका स्वाभाविक असर भारत के साथ रक्षा सहयोग पर भी पड़ा। हालांकि इस सदी के पहले दशक में नवीन स्वरूप में रूस ने इस साझेदारी को नए सिरे से आगे बढ़ाना शुरू किया। इस अवधि में रूस द्वारा उपलब्ध कराए गए हथियारों और उपकरणों में विमान, हेलीकाप्टर, युद्धक टैंक, मिसाइलें, फ्रिगेट और पनडुब्बियां शामिल थीं। रूस ने एक नई परमाणु संचालित पनडुब्बी लीज पर देने के अलावा विमान वाहक पोत के स्तर पर भी सहयोग किया। दोनों देशों के बीच रक्षा संबंधों की मजबूती का आकलन इसी से किया जा सकता है कि तमाम आवश्यकताओं के लिए भारत आज भी रूसी प्लेटफार्म की ओर देखता है। टी-72 और टी-90 जैसे युद्धक टैंक भारतीय सेना के टैंक बेड़े की बुनियाद बने हुए हुए हैं। इसी तरह सुखोई एसयू-30 विमान को भारतीय वायु सेना की रीढ़ माना जाता है। ब्रह्मोस मिसाइल को अगर दोनों देशों के सामरिक सहयोग एवं संयुक्त उत्पादन क्षमताओं का शिखर कह दिया जाए तो कहीं गलत नहीं होगा। इस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल ने आपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान पर ऐसा कहर बरपाया कि दुनिया के तमाम देश इसे खरीदने की कतार लगाए हुए हैं। ब्रह्मोस को और उन्नत एवं मारक बनाने की प्रक्रिया भी प्रगति पर है।

अवधेश राजपूत

भारत-रूस रक्षा साझेदारी की निरंतरता एवं स्थायित्व में कोई आश्चर्य की बात नहीं है। यह साझेदारी हर कसौटी पर खरी उतरी है। इसमें कभी गतिरोध या अविश्वास का भाव नहीं रहा। यही कारण है कि दूसरे देशों से रक्षा खरीद के साथ ही आज भी भारत के लिए रूसी सैन्य उपकरणों के लिए रखरखाव और पुर्जों की आवश्यकता बनी हुई है। अच्छी बात है कि भारत अब टैंकों और लड़ाकू विमानों के लिए नए इंजनों को अपनाने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। रूस द्वारा नए इंजनों के विकास से भारत को भी अपना बेड़ा उन्नत बनाने का अवसर मिल रहा है। मास्को द्वारा सुखोई एसयू-30एमकेआइ बेड़े के लिए उन्नत एएल-41 इंजनों की आपूर्ति का प्रस्ताव इसी पहल से जुड़ा है।

कोई भी साझेदारी परस्पर हितों को सम्मान देने पर ही समृद्ध होती है और इस मामले में मास्को ने कभी निराश नहीं किया। तकनीकी हस्तांतरण और स्थानीय उत्पादन के भारत के आग्रह को समझते हुए रूस की प्रतिक्रिया बहुत सकारात्मक रही है। सुखोई एसयू-57 विमानों के हालिया सौदे में इसके संकेत भी मिले हैं। सामुद्रिक मोर्चे पर भारत की सामरिक चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए आधुनिक पोत बनाने के लिए गैस टरबाइन जैसे प्रमुख घटक की आपूर्ति को लेकर भी रूस ने प्रभावी समाधान निकालने की दिशा में कदम बढ़ाए हैं।

आपरेशन सिंदूर के दौरान एस-400 प्रणाली कितनी उपयोगी साबित हुई, उसे फिर से बताने की आवश्यकता नहीं। रूस की इस कारगर हथियार प्रणाली की महत्ता को समझते हुए ही भारत ने इसका बेड़ा बढ़ाने का फैसला किया है। करीब 120, 200, 250 और 380 किलोमीटर मारक क्षमताओं वाली एस-400 खरीदने से जुड़े अनुबंध पर चर्चा जारी है। चूंकि यह वार्ता अभी आरंभिक चरण में है, इसलिए उसमें कुछ समय लग सकता है। इसके अलावा यूक्रेन युद्ध में रूस की सक्रियता भी इसमें कुछ देरी का कारण बन सकती है। यह बहुत स्वाभाविक है कि यूक्रेन युद्ध के कारण रूस की पहली प्राथमिकता अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति करने की होगी। इसके बावजूद भारत की आवश्यकताओं को लेकर रूस की कोई उदासीनता नहीं दिखी। यह शिखर सम्मेलन उसकी प्रतिबद्धताओं पर नए सिरे से प्रकाश डालने का ही काम करेगा। यह सही है कि बदली हुई वैश्विक परिस्थितियों और सामरिक खरीदारी में विविधीकरण के भारतीय प्रयासों के बीच रूस की भारतीय हथियार बाजार में हिस्सेदारी कम हो रही है, लेकिन वह एक प्रमुख आपूर्तिकर्ता तो बना ही रहेगा।

(लेखक आब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन में उपाध्यक्ष हैं)

response@jagran.com

# नेतृत्व की नाकामी से त्रस्त कांग्रेस

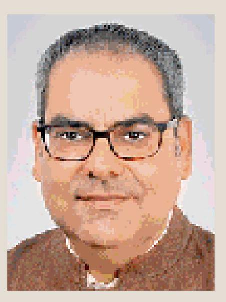

आशीष दुआ

**पिछले 11 वर्षों में कांग्रेस हाईकमान ने स्वयं निर्धारित मापदंडों की उपेक्षा की है, जिसके परिणाम सामने हैं**

पिछले 15 वर्षों में कांग्रेस ने तीन लोकसभा और लगभग 75 विधानसभा चुनाव लड़े हैं। इन चुनावों में उसके हारने का स्ट्राइक रेट करीब-करीब 80 प्रतिशत है। एक समय लगभग पूरे देश पर राज करने वाली पार्टी की आज केवल तीन राज्यों-कर्नाटक, तेलंगाना और हिमाचल प्रदेश में ही सरकार है। दिल्ली, हरियाणा और महाराष्ट्र के बाद अब बिहार में विधानसभा चुनाव हारने के बाद यह गारंटी नहीं कि 2029 के लोकसभा चुनाव तक किसी राज्य में उसकी सरकार बची रहेगी। बिहार में जो परिणाम आए, वे अप्रत्याशित नहीं हैं। जो लोग पार्टी नेतृत्व के कामकाज पर नजर रख रहे थे, उन्हें पता था कि न कामकाज का तरीका बदलेगा और न ही परिणाम।

हरियाणा विधानसभा चुनावों के समय किसने कल्पना की थी कि राज्य में भाजपा तीसरी बार जीत हासिल कर लेगी। यह भी कल्पना से बाहर था कि कांग्रेस 2019 के बाद 2024 के लोकसभा चुनाव में अपने गले में स्वयं पराजय का हार डाल लेगी। जीत को हार में बदलने की 'कारीगरी' से न केवल कांग्रेस कार्यकर्ता, अपितु कांग्रेस को वोट देने वाले समर्थकों के साथ बुद्धिजीवी वर्ग भी चिंतित है कि आखिर देश की सबसे पुरानी पार्टी का भविष्य क्या होगा? एक दशक से भी अधिक समय से चुनाव हारने के सिलसिले से अगर कोई चिंतित नहीं तो वह है कांग्रेस का प्रदेश और राष्ट्रीय स्तर का नेतृत्व।

पिछले 11 वर्षों में कांग्रेस हाईकमान ने स्वयं के बनाए मापदंडों की अनदेखी की है। इसका सटीक उदाहरण है हरियाणा। इस राज्य में 11 साल बाद प्रदेश कांग्रेस कमेटी को जिलाध्यक्ष मिल सके। क्या यह आत्ममंथन का विषय नहीं कि हरियाणा में विधायक दल के नेता के बारे में एक साल तक कोई निर्णय नहीं किया जा सका? आखिर भाजपा सरकार को विरोधी पक्ष का नेता न मिलने का आनंद कांग्रेस नेतृत्व ने क्यों दिया? हरियाणा विधानसभा चुनावों में टिकट बंटवारे में दमड़ी के आरोप लगे। इसके अलावा टिकट वितरण में गंभीर खामियां उजागर हुईं, लेकिन अपमानजनक हार के बावजूद पार्टी हाईकमान को गैर-जवाबदेही रास आती रही। अहंकारग्रस्त नेताओं द्वारा मुद्दों पर ध्यान न देना और पार्टी कार्यकर्ताओं की भावनाओं की अनदेखी बुरे नतीजों का कारण बनती है। हरियाणा में उम्मीदवार चयन के लिए जिम्मेदार जिन लोगों पर गंभीर आरोप लगे, उन्हीं को बिहार में भी उम्मीदवार चयन की जिम्मेदारी दी गई। नतीजा सामने है।

पार्टी पदाधिकारियों से बात करते राहुल एवं खरगे • प्रेट्र

यह सोचना ही अटपटा लगता है कि सैकड़ों साल पुरानी पार्टी गलतियों से कोई सबक नहीं ले रही है। केवल निहित स्वार्थ और निजी पसंद के आधार पर राज्यसभा सीटों के भी फैसले लिए गए। कांग्रेस को अपनी दो राज्यसभा सीटें, एक राजस्थान में और दूसरी हरियाणा में गंवानी पड़ी। अगर तेलंगाना के मुख्यमंत्री सक्रिय नहीं हुए होते तो शायद राज्यसभा में विपक्ष के नेता के पद के भी लाले पड़ गए होते, लेकिन आखिर परवाह किसे है? पक्षपात और अपारदर्शिता आंतरिक लोकतंत्र के दुश्मन होते हैं। उदयपुर अधिवेशन में पारित एक व्यक्ति-एक पद और एक पद के लिए पांच वर्ष की अवधि वाले प्रस्ताव सबसे महत्वपूर्ण थे, किंतु इन प्रस्तावों की अवहेलना उन्हीं के द्वारा की जा रही है, जिन्होंने उन्हें पारित कराया। आखिर ऐसे लोगों से यह अपेक्षा कैसे की जा सकती है कि वे आत्ममंथन करेंगे? शिक्षित और साफ सुथरी छवि वाले नए चेहरे, पार्टी एवं संगठन के प्रति समर्पित और गैर-राजनीतिक पृष्ठभूमि से जुड़े प्रतिभावान लोगों को चुनाव में अवसर देने की बातें असल में बातें ही रह गईं। शीर्ष नेतृत्व द्वारा किए गए वादे खोखले और निरर्थक साबित हुए। हावी रहा तो वंशवाद और दमड़ी का प्रभाव। वोट चोरी की चर्चा के बीच पार्टी में सिद्धांतों से समझौते और कथनी एवं करनी के अंतर की चर्चा भी जोरों पर है। इसका एक उदाहरण है 2019 में गुरुग्राम विधानसभा में कांग्रेस का उम्मीदवार। उसके खिलाफ वोट चोरी के सिर्फ आरोप ही नहीं लगे, अपितु 18 एफआइआर भी दर्ज हुईं और उनका संज्ञान शीर्ष नेतृत्व ने लिया, लेकिन उसी को उम्मीदवार बनाया गया। अनेक राज्यों में युवा कांग्रेस के चुनावों में धांधली और प्रलोभन के आरोप लगते रहे। इन चुनावों में अमीर या बड़े नेताओं के प्रायोजित उम्मीदवारों की विजय होती रही, लेकिन नेतृत्व की आंखें बंद रहीं।

कुशल प्रबंधन का पहला नियम होता है, मेरिट को बढ़ावा देना, न कि उसकी अनदेखी करना। प्रतिभा की उपेक्षा ने कई समर्थ नेताओं को दूसरी पार्टियों की गोद में धकेलने का काम किया है। जिन्होंने वर्षों तक तन, मन, धन से योगदान दिया, उन्हें 'लंगड़ा घोड़ा' कहना या तो एक बहाना है या सही-गलत की पहचान करने से इन्कार करना। घोड़े को रेस का घोड़ा बनाने में प्रशिक्षक एवं घुड़सवार की योग्यता महत्वपूर्ण होती है। अगर कोई रेस के लिए उपयुक्त घोड़े के बजाय कमजोर घोड़े का चयन करे तो फिर प्रशिक्षक एवं घुड़सवार क्या कर पाएंगे? पंजाब और असम ऐसे राज्य हैं, जहां रेस से बाहर होने का श्रेय नेतृत्व को जाता है। किन 'काबिल' घोड़ों को चुना गया और किन 'नाकाबिल' घोड़ों को रेसिंग ट्रैक से बाहर धकेल दिया गया, यह जगजाहिर है। यदि बार-बार की हार भी सबक नहीं सिखा पा रही तो इसमें गलती कांग्रेस समर्थकों की नहीं। राष्ट्र हित में एक ऐसे मजबूत विपक्ष की आवश्यकता है, जिसे जमीनी मुद्दे समझ आएं, न कि ऐसे विपक्ष की, जो अपने मुद्दे जनता पर थोपे।

(लेखक कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय सचिव हैं)

response@jagran.com

## ऊर्जा

### परिवर्तन की शक्ति

परिवर्तन जीवन का सत्य है, परंतु मन में भय, असुरक्षा से उसके प्रति प्रतिरोध की भावना उत्पन्न होती है। ऐसे समय में परिवर्तन को सहर्ष स्वीकार कर लेना नैतिक साहस का ही रूप है। परिवर्तन को अपनाने के लिए स्वयं की गहन आत्म-जांच, पुरातन मान्यताओं को चुनौती देने का साहस और अनिश्चितताओं के बीच सत्यनिष्ठा के साथ आगे बढ़ने की दृढ़ इच्छाशक्ति आवश्यक होती है।

नैतिक साहस का संबंध प्रायः सत्य के पक्ष में खड़े होने या न्याय के लिए संघर्ष से है, किंतु साहस केवल बाह्य परिस्थितियों से जूझने तक ही सीमित नहीं होता है। यह साहस तो हमारे अंतर्मन में होने वाले संघर्षों में भी उतना ही प्रबल होता है। यह समझना कि परिवर्तन कब अनिवार्य हो गया है तथा ईमानदारी से यह स्वीकार करना कि पुराने विचार या आदतें अब हमारे विकास में बाधक बन गए, यह स्वयं में साहस का प्रतीक है। यह साहस आत्ममंथन की मांग करता है, क्योंकि बिना रूपांतरण या आरंभिक असहजता के किसी भी प्रकार की प्रगति संभव नहीं। यही अंतःशक्ति व्यक्ति को ठहराव से बाहर निकालकर उसके व्यक्तित्व को नए आयाम प्रदान करती है।

न केवल व्यक्ति, अपितु समुदाय और संस्थाएं भी तभी प्रगति के पथ पर अग्रसर होती हैं जब उनसे जुड़े लोग नव्यता को स्वीकार करने के लिए तत्परता दिखाएं। जो लोग नैतिक साहस के साथ परिवर्तन को अंगीकार करते हैं, वे दूसरों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनते हैं। इससे समाज में नवाचार और प्रगतिशीलता का संचार होता है। इस प्रकार परिवर्तन का स्वागत करना मानवता के प्रति सेवा का रूप बन जाता है, जो समाज में लचीलेपन और सहनशीलता का विस्तार करता है। जब व्यक्ति नैतिक साहस के साथ परिवर्तन का आलिंगन करता है, तभी वह अपने जीवन को समृद्ध बनाता है और एक अधिक अनुकूलनशील, करुणाशील तथा प्रगतिशील समाज की रचना में अपना योगदान देता है।

कुमार नृपेंद्र

## पाठकनामा

pathaknama@nda .jagran.com

### मैकाले से मुक्ति आवश्यक

'दासता के प्रतीकों से मुक्ति आवश्यक' शीर्षक से प्रकाशित ए. सूर्यप्रकाश के आलेख का यह सार उचित ही है कि मैकाले के मानस पुत्रों को संरक्षण-प्रोत्साहन ने भारत और उसकी संस्कृति का भारी अहित किया है। लेख में जिन महत्वपूर्ण बिंदुओं को उठाया गया है, विशेषकर हमारे शिक्षा-तंत्र में मैकाले-प्रणाली के प्रभाव और उसके कारणों को, वे लंबे समय से देशवासियों के मन में उठते रहे प्रश्नों को सटीक रूप से अभिव्यक्त करते हैं। लेख में प्रधानमंत्री मोदी की उस पहल को भी उचित रूप से सराहा गया है, जिसके माध्यम से हमारे शिक्षा-तंत्र को औपनिवेशिक मानसिकता से मुक्त करने के प्रयास किए जा रहे हैं। यह सत्य है कि मैकाले-प्रणाली को भारत पर थोपा गया था, ताकि भारतीयों को मानसिक रूप से दास बनाकर रखा जा सके और उन्हें आत्मविश्वासहीन नागरिकों में बदला जा सके। भारत स्वयं में हजारों वर्षों पुरानी समृद्ध संस्कृति, परंपराओं, ज्ञान-विज्ञान और जीवन-मूल्यों का धनी है। आवश्यकता केवल इस बात की थी कि इन्हें हमारे पाठ्यक्रमों और राष्ट्रीय जीवन की मुख्यधारा में स्थान मिले। यह देखकर प्रसन्नता होती है कि वर्तमान सरकार के प्रयासों से अब भारतीय ज्ञान-परंपरा, मातृभाषाओं, सांस्कृतिक गौरव और हमारी मूल पहचान को शिक्षा-तंत्र में सम्मानजनक स्थान दिया जा रहा है। निःसंदेह, दासता के प्रतीकों से मुक्ति केवल प्रतीकात्मक नहीं, बल्कि वैचारिक स्वतंत्रता की दिशा में बड़ा कदम है। ऐसे प्रयास विकसित भारत के निर्माण में सहायक बनेंगे।

bimleshchauhan.hpis@gmail.com

### धड़ाम होता विपक्षी एजेंडा

केंद्रीय सरकार द्वारा देश में उद्यमियों को टैक्स व जीएसटी में राहत, समय-समय पर विदेशी निवेश को आकर्षित करने के लिए की जा रहे आर्थिक सुधार, सामाजिक ताने-बाने को दुरुस्त करना, जनसाधारण के लिए विकासशील योजनाओं को क्रियान्वित करना, आर्थिक रूप से पिछड़े गरीबों को अन्न वितरण व घरों का आवंटन, किसानों को आर्थिक मदद, कुप्रथाओं पर अंकुश और जनजागरण अभियान चलाना आदि देश व समाज के लिए सफल कोशिशें जारी हैं। लेकिन इन संदर्भ में विपक्षी पार्टियों का रूझान और आंकलन केवल नकारात्मक ऊर्जा लिए राजनीति करने के अतिरिक्त कुछ भी नहीं। क्योंकि जीएसटी को कांग्रेस ने गब्बर सिंह टैक्स बोला। कोविड वैक्सीन पर बड़े पैमाने पर भ्रम फैलाया गया कि इससे नपुंसकता आती है जबकि विपक्षी नेताओं ने वैक्सीन को चोरी-छिपे लगवाया। यही नहीं विपक्ष द्वारा एसबीआइ और एलआइसी जैसी सार्वजनिक क्षेत्र की संस्थाएं फेल होने वाली है कहकर जबरदस्त असफल स्वांग रचा गया ताकि देश में अराजकता का माहौल बने और जनता सड़कों पर धरना-प्रदर्शन कर केंद्रीय सरकार को कटघरे में खड़ी कर सकें। लेकिन समय रहते विपक्षी एजेंडे की पोल खुल गई। अब जब केंद्र सरकार जनसाधारण की भलाई के लिए संचार साथी एप लेकर आई है, हास्यास्पद रूप से विपक्षी नेताओं ने बिना सोचे समझे इसे भी जनसाधारण की निगरानी व जासूसी करने से जोड़ दिया।

दीपक गौतम, सोनीपत

### एसआइआर पर शोर क्यों

मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआइआर) को लेकर जिस तरह अचानक राजनीतिक तूफान खड़ा किया गया, वह दर्शाता है कि कुछ दल इस प्रक्रिया को सुधार नहीं, बल्कि अपने लिए खतरा मानकर देख रहे हैं। बिहार में एसआइआर का निर्णय सामने आते ही इसे 'वोट चोरी' का नया नारा दे दिया गया। कांग्रेस व राजद ने आरोपों के सहारे यह धारणा गढ़नी चाही कि यह पूरा अभ्यास उनके समर्थकों के वोट काटकर भाजपा को लाभ पहुंचाने की साजिश है। आरोप लगाने में ऊर्जा बहुत लगी, परंतु तर्क प्रस्तुत करने में लगभग शून्य। सबसे पहले सवाल यही उठता है कि क्या बूथ लेवल आफिसर (बीएलओ) किसी एक दल की विचारधारा पर चलते हैं? और क्या उन्हें यह ज्ञान होता है कि कौन व्यक्ति किस पार्टी को वोट देता है? इन प्रश्नों का उत्तर खुद जनता जानती है, पर उन्हें कभी सामने नहीं रखा गया। बिहार में एसआइआर के दौरान एक ओर विपक्ष 'वोटर अधिकार यात्रा' निकालता रहा, दूसरी ओर सुप्रीम कोर्ट में याचिकाएं दायर होती रहीं। लेकिन जैसे-जैसे चुनाव नजदीक आए, वास्तविकता सामने आने लगी। जब अंतिम मतदाता सूची में संशोधन के दौरान 65 लाख नाम हटे, विपक्ष ने फिर वही पुराना राग अलापा, लेकिन यह तथ्य चौंकाता है कि 65 लोगों तक ने भी यह शिकायत नहीं दर्ज कराई कि उनके पास सभी दस्तावेज होने के बावजूद उनका नाम गलत तरीके से हटाया गया है।

विभूति बुपक्या, दिल्ली यूनिवर्सिटी दिल्ली

## पोस्ट

इसे यूजर पर छोड़ना चाहिए कि उसे संचार साथी ऐप अपने फोन में चाहिए या नहीं? इसे यूजर पर थोपा नहीं जा सकता। प्रतीक सिंह@PrateekSinghINC

दिल्ली और उसके आसपास प्रदूषण से हाल बेहाल हैं, मगर प्रदूषण पर नियंत्रण की कोई योजना नहीं दिखती। ऐसे कैसे विकसित भारत बनेगा?

आशुतोष@ashutosh83B

मैं ही नहीं, तमाम लोग ऐसा सोचते हैं कि विराट कोहली को अपना संन्यास तोड़कर टेस्ट क्रिकेट में वापसी करनी चाहिए। वहां अभी भी उनकी जगह है।

शशि थरूर@ShashiTharoor

इंडिगो की कई उड़ानों में देरी और उनका रद होना दर्शाता है कि विमानन जैसा क्षेत्र दो कंपनियों के भरोसे नहीं होना चाहिए। दो कंपनियों के वर्चस्व में यात्रियों को ही क्षति उठानी पड़ सकती है। निधि राजदान@Nidhi

अक्सर खुद को विशेषज्ञ बताने वाले डाग लवर्स हमेशा एक टूलकिट लेकर आते हैं, ताकि गलती भटकते कुत्तों की न होकर पीड़ित की ही साबित हो जाए।

विजय गोयल@VijayGoelBJP

## जनपथ

कुत्ता-बिल्ली ला रहे संसद बनी सराय,
लोकतंत्र है बांधिए लाय वहां पर गाय!
लाय वहां पर गाय कीजिए सभी क्रियाएं,
गलती से भी किंतु न चर्चा करें-कराएं।
देख आचरण रोज आपकी उड़ती खिल्ली,
पर संसद में आप ला रहे कुत्ता-बिल्ली!!

– ओमप्रकाश तिवारी

संस्थापक-स्व. पूर्णचन्द्र गुप्त. पूर्व प्रधान संपादक-स्व.नरेन्द्र मोहन. नॉन एग्जीक्यूटिव चेयरमैन-महेन्द्र मोहन गुप्त. प्रधान संपादक-संजय गुप्त, नीतेन्द्र श्रीवास्तव द्वारा जागरण प्रकाशन लि. के लिए डी-210, 211, सेक्टर-63 नोएडा से मुद्रित एवं 501, आई.एन.एस. बिल्डिंग, रफी मार्ग, नई दिल्ली से प्रकाशित, संपादक (दिल्ली एनसीआर)-विष्णु प्रकाश त्रिपाठी
दूरभाष : नई दिल्ली कार्यालय : 011-43166300, नोएडा कार्यालय :0120-4615800, E-mail: delhi@nda.jagran.com, R.N.I. No 50755/90 समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन ही होंगे। हवाई शुल्क अतिरिक्त। वर्ष 36 अंक 139

********

## एक नजर में

### अगले सप्ताह खुलेंगे दो कंपनियों के आइपीओ

**नई दिल्ली:** अगले सप्ताह दो कंपनियों कोरोना रेमेडीज व नेफ्रोकेयर के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आइपीओ) सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेंगे। फार्मा कंपनी कोरोना रेमेडीज का 655.37 करोड़ रुपये का आइपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए 8-10 दिसंबर तक खुलेगा। वहीं, नेफ्रो प्लस ब्रांड नाम से डायलिसिस सेवाएं देने वाली कंपनी नेफ्रोकेयर हेल्थ सर्विसेज लिमिटेड का आइपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए 10-12 दिसंबर तक खुलेगा। (प्रेट्र)

### विदेशी निकासी से लगातार चौथे दिन लुढ़का सेंसेक्स

**मुंबई:** विदेशी निवेशकों की लगातार निकासी और मुनाफावसूली के कारण भारतीय शेयर बाजार बुधवार को लगातार चौथे दिन गिरकर बंद हुए। बीएसई का मानक सूचकांक सेंसेक्स 31.46 अंक गिरकर 85,106.81 पर बंद हुआ। दिनभर के कारोबार में यह 374.63 अंक तक लुढ़का था। इसी तरह, एनएसई का निफ्टी 46.20 अंक गिरकर 25,986 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स में भारत इलेक्ट्रानिक्स के शेयरों में सबसे ज्यादा 2.13 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। (प्रेट्र)

### पहले दिन पूरा सब्सक्राइब हुआ मीशो का आइपीओ

**नई दिल्ली:** ई-कामर्स कंपनी मीशो लिमिटेड का 5,421 करोड़ रुपये आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आइपीओ) बुधवार को पहले दिन 2.35 गुना सब्सक्राइब हो गया। एनएसई के डाटा के अनुसार, इस आइपीओ में 27,79,38,446 शेयर बिक्री के लिए पेश किए गए थे। इसके सापेक्ष पहले दिन 65,40,18,165 शेयर खरीदने के लिए आवेदन मिले। इसी तरह, विद्या वायर्स का 300 करोड़ रुपये का आइपीओ भी बुधवार को 2.89 गुना सब्सक्राइब हुआ। (प्रेट्र)

### ओएनजीसी चेयरमैन का कार्यकाल एक वर्ष बढ़ा

**नई दिल्ली:** अरुण कुमार सिंह को तेल एवं प्राकृतिक गैस कारपोरेशन (ओएनजीसी) के चेयरमैन के तौर पर एक साल का विस्तार मिल गया है। 63 वर्षीय सिंह अब छह दिसंबर 2026 तक अपने पद पर बने रहेंगे। आधिकारिक आदेश के मुताबिक, प्रधानमंत्री की अगुवाई वाली कैबिनेट की नियुक्ति समिति ने उनका कार्यकाल बढ़ाया है। सिंह के नेतृत्व में ओएनजीसी ने मुंबई हाई तेल और गैस फील्ड को फिर से चालू करने के लिए बीपी के साथ साझेदारी की है। इस साझेदारी से उत्पादन में गिरावट को रोकने में मदद मिली है। अगले साल से इसके सकारात्मक नतीजे दिखने की उम्मीद है। (प्रेट्र)

### बीओएम का ओएफएस ओवरसब्सक्राइब हुआ

**नई दिल्ली:** सरकारी हिस्सेदारी कम करने के लिए लाए गए बैंक आफ महाराष्ट्र (बीओएम) का आफर फार सेल (ओएफएस) ओवरसब्सक्राइब हुआ है। केंद्र सरकार इस बैंक में से अपनी छह प्रतिशत हिस्सेदारी बेचने के लिए 2,492 करोड़ रुपये का ओएफएस लेकर आई है। ओएफएस शेयरों का आवंटन होने के बाद बीओएम सेबी के नियमों के तहत न्यूनतम सार्वजनिक शेयरधारिता वाला बन जाएगा। ओएफएस में बीओएम के शेयरों की बिक्री 54 रुपये प्रति शेयर पर की गई है। (प्रेट्र)

# विदेश में पढ़ने से लेकर घूमना-फिरना हुआ महंगा

## रुपये में रिकार्ड गिरावट से विदेश में पढ़ने वाले बच्चों को पैसा भेजने की लागत आठ प्रतिशत तक बढ़ी

**जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली :** डालर के मुकाबले रुपये में हो रही लगातार गिरावट का असर विदेश में पढ़ने वाले बच्चों के माता-पिता की जेब पर दिखने लगा है। इतना ही नहीं रुपये के कमजोर होने से विदेश में घूमना-फिरना भी पहले की तुलना में महंगा साबित हो रहा है। इसकी वजह यह है कि डालर या यूरो लेने के लिए अब पहले की तुलना में अधिक रुपये खर्च करने पड़ रहे हैं।

जानकारों का मानना है कि रुपये में अगर इस प्रकार की गिरावट जारी रही तो आने वाले समय में कई इलेक्ट्रानिक्स वस्तुएं महंगी हो जाएंगी, क्योंकि इन वस्तुओं के निर्माण में इस्तेमाल होने वाले कच्चे माल के लिए हम अब भी आयात पर निर्भर है और रुपये में कमजोरी से आयात के लिए पहले की तुलना में अधिक कीमत चुकानी पड़ेगी।

**7.5** लाख से अधिक भारतीय छात्र विदेश में कर रहे हैं पढ़ाई

- भारतीय मुद्रा में गिरावट जारी रही तो इलेक्ट्रानिक्स वस्तुएं हो जाएंगी महंगी
- सीईए ने कहा- भारतीय मुद्रा में गिरावट का इकोनमी पर नहीं पड़ेगा असर

रुपये में लगातार गिरावट को देखते हुए शेयर बाजार से विदेशी संस्थागत निवेश की भी निकासी बढ़ गई है।

इस सबके बीच मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) वी अनंत नागेश्वरन ने रुपये की कीमत में गिरावट के चलते इकोनमी पर पड़ने वाले किसी बुरे असर की आशंकाओं से इन्कार किया है। उद्योग संगठन सीआइआइ के एक कार्यक्रम के दौरान सीईए ने मीडिया से कहा, 'रुपये की कीमत में गिरावट से महंगाई या निर्यात पर कोई असर नहीं पड़ रहा है।'' उन्होंने कहा कि सरकार भारतीय मुद्रा के कमजोर होने से परेशान नहीं है। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि अगले साल रुपये में सुधार होना चाहिए। इस साल अब तक डालर के मुकाबले रुपये में पांच गिरावट आई है।

आरबीआइ बाजार में डालर बेचकर रुपये को बहुत ज्यादा उतार-चढ़ाव से बचाने में दखल दे रहा है, लेकिन विदेशी मुद्रा की दिक्कतों के चलते यह एक हद से ज्यादा नहीं किया जा सकता है। रुपये में गिरावट की वजह कमजोर विदेशी फ्लो और भारत-अमेरिका ट्रेड डील को लेकर अनिश्चितता है।

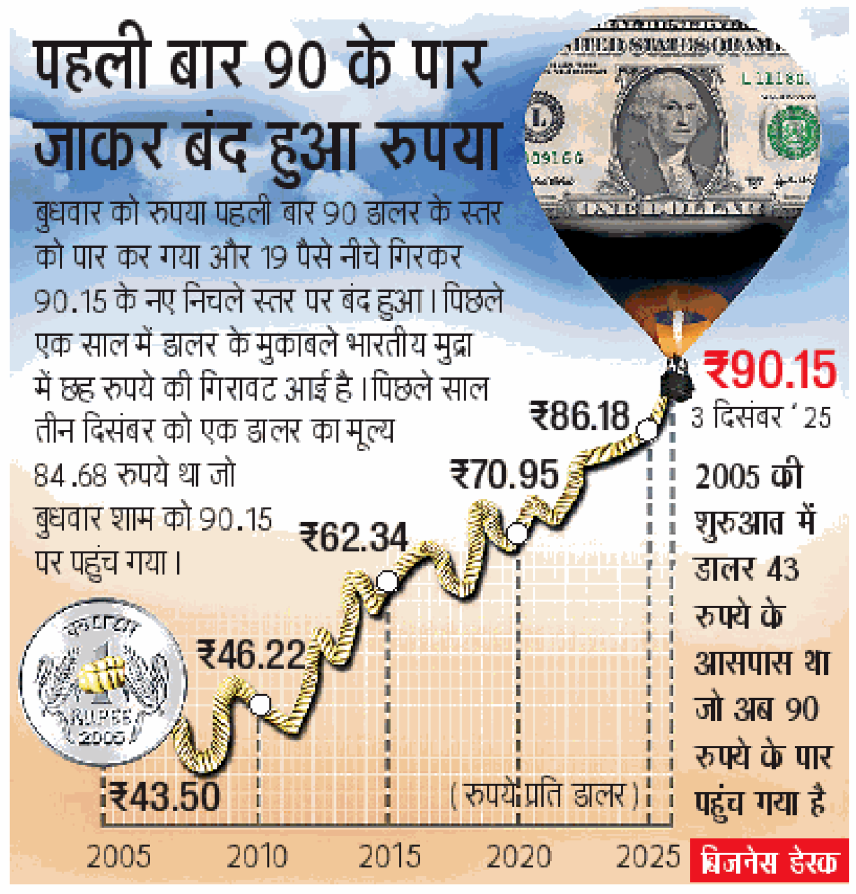


# रुपये में गिरावट ने सस्ते कच्चे तेल के लाभ पर पानी फेरा

**जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली:** अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में हालिया कमी से भारत जैसे तेल आयातक देश को राहत की उम्मीद थी, लेकिन रुपये की लगातार गिरावट ने इन संभावनाओं पर पानी फेर दिया है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें अभी 60 डालर प्रति बैरल के दायरे में हैं। पिछले एक पखवाड़े में भारतीय तेल कंपनियों ने अंतरराष्ट्रीय बाजार से 64.05 डालर प्रति बैरल की औसत दर से क्रूड की खरीद की है, जो चालू वित्त वर्ष की सबसे सस्ती दर है। सितंबर, 2025 के बाद से हर महीने भारतीय तेल कंपनियों का क्रय मूल्य लगातार घट रहा है। ऐसे में उम्मीद थी कि जनता को भी सरकार इसका फायदा देगी, लेकिन तेल कंपनियों के सूत्रों का कहना है कि रुपये में तेज गिरावट से इन संभावनाओं को झटका लगा है।

- डालर के मुकाबले भारतीय मुद्रा एक रुपये गिरती है तो पेट्रोल की आयात लागत 50 पैसे प्रति लीटर बढ़ जाती है
- एक पखवाड़े में तेल कंपनियों ने चालू वित्त वर्ष की सबसे सस्ती 64.05 डालर प्रति बैरल की दर से सौदा किया

मोटे तौर पर तेल कंपनियों का हिसाब यह है कि अगर डालर के मुकाबले भारतीय मुद्रा में एक रुपये की भी मामूली गिरावट आती है तो पेट्रोल की आयात लागत में 50 पैसे और डीजल की आयात लागत में 40 पैसे प्रति लीटर की वृद्धि होती है। अप्रैल, 2025 के महीने में भारतीय तेल कंपनियों ने अंतरराष्ट्रीय बाजार से 67.72 डालर प्रति बैरल की दर से क्रूड की खरीद की थी। उस समय यानी 03 अप्रैल, 2025 को एक डालर की कीमत 85.27 रुपये थी। अभी यह 90 रुपये के स्तर को पार कर गया है। इस हिसाब से पेट्रोल और डीजल की आयात लागत में दो रुपये से ढाई रुपये प्रति लीटर की वृद्धि हो चुकी है।

तेल कंपनियों के सूत्रों का कहना है कि पिछले आठ महीनों में क्रूड की सस्ती दर से जो बचत हुई है उस पर रुपये की गिरती कीमत ने काफी हद तक पानी फेर दिया है। वैसे बुधवार को क्रूड के अंतरराष्ट्रीय बाजार को देखें तो वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट क्रूड आयल की कीमत 59.26 डालर प्रति बैरल और ब्रेंट क्रूड की कीमत 62.73 डालर प्रति बैरल (0.54 प्रतिशत ज्यादा) पर बंद हुई है। पिछले एक माह में क्रूड आयल की कीमतें औसतन 2.14 प्रतिशत घटी हैं।

**63 डालर के पार पहुंचा ब्रेंट क्रूड:** बुधवार को वैश्विक बाजार में प्रमुख बेंचमार्क यानी ब्रेंट क्रूड के मूल्य में 0.99 प्रतिशत की तेजी दर्ज की गई। इसके साथ ही ब्रेंट क्रूड के मूल्य बढ़कर 63.07 डालर प्रति बैरल पर पहुंच गया है। वहीं, डब्ल्यूटीआइ का मूल्य 0.68 प्रतिशत बढ़कर 59.04 डालर प्रति बैरल पर चल रहा है।

### पिछले साल 14 मार्च को घटा था पेट्रोल-डीजल का मूल्य

भारतीय आयात में बड़ी हिस्सेदारी कच्चे तेल की खरीद की है। रुपये की गिरावट से तेल कंपनियों को डालर में भुगतान करने में अतिरिक्त बोझ उठाना पड़ता है। ऐसे में अंतरराष्ट्रीय कीमतों में कमी का फायदा तभी मिलेगा जब रुपये में स्थिरता आए। भारतीय ग्राहकों को अंतिम बार पेट्रोल और डीजल कीमतों में राहत 14 मार्च, 2024 को मिली थी। तब उक्त उत्पादों की खुदरा कीमतों में दो रुपये प्रति लीटर की कमी की गई थी।

# तंबाकू-सिगरेट पर उत्पाद शुल्क में राज्यों का भी हिस्सा

**जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली:** जीएसटी दरों में बदलाव के बाद तंबाकू-सिगरेट पर भारी शुल्क जारी रखने और उसकी बिक्री को हतोत्साहित करने के उद्देश्य से लाया गया केंद्रीय उत्पाद शुल्क (संशोधन) विधेयक 2025 बुधवार को लोकसभा से पारित हो गया। लोकसभा में इस पर चर्चा के दौरान वित्त मंत्री ने कहा कि कई सांसद समझ रहे हैं कि यह विधेयक तंबाकू-सिगरेट पर सेस लगाने के लिए लाया जा रहा है। कई सांसद यह भी मान रहे हैं कि इससे मिलने वाला राजस्व केंद्र सिर्फ अपने पास रखेगा। उन्होंने स्पष्ट करते हुए कहा कि यह विधेयक कहीं से सेस से संबंधित नहीं है। इस शुल्क कानून के जरिये मिलने वाले राजस्व में 41 प्रतिशत हिस्सेदारी राज्यों की होगी। इस कानून के तहत सरकार तंबाकू-सिगरेट जैसे हानिकारक उत्पादों पर पहले के मुकाबले कई गुना अधिक शुल्क वसूलने जा रही है। ताकि इसकी बिक्री घटे और लोग स्वास्थ्य के प्रति अधिक सजग हो सके। हालांकि इस उत्पाद शुल्क कानून के दायरे से बीड़ी को बाहर रखा गया है।

निर्मला सीतारमण ● फाइल फोटो

- वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा-किसानों को तंबाकू से हटकर अन्य फसल उगाने की जरूरत
- केंद्रीय उत्पाद शुल्क (संशोधन) विधेयक लोकसभा से पारित, इससे बीड़ी को बाहर रखा गया

सीतारमण ने संसद में बताया कि सरकार तंबाकू, सिगरेट की बिक्री को हतोत्साहित करने के लिए भारी शुल्क के साथ तंबाकू की खेती करने वाले किसानों को भी अन्य वैकल्पिक खेती करने की भी सलाह दे रही है। उत्तर प्रदेश, बिहार, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना जैसे 10 राज्यों में तंबाकू की मुख्य रूप से खेती होती है। वर्ष 2018-2022 के बीच 45,323 हेक्टेयर से अधिक जमीन पर किसान तंबाकू को छोड़ अन्य फसल की खेती करने लगे हैं। वित्त मंत्री ने कहा कि पिछले कई सालों में आस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, तुर्किये जैसे 80 देशों ने तंबाकू व सिगरेट की कीमतों में भारी बढ़ोतरी की है, लेकिन भारत में ऐसा नहीं किया गया। इसे लेकर विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भी सवाल खड़ा किया है। संगठन ने कहा है कि भारत में उल्टा तंबाकू संबंधी आइटम की खरीदारी सस्ती हो गई है।

**पांच साल के लिए लाया गया सेस का प्रविधान:** सीतारमण ने कहा कि कई सांसद इस उत्पाद शुल्क संशोधन कानून को सेस (उपकर) समझ रहे हैं, लेकिन अब उपकर को खत्म कर दिया गया है। वर्ष 2017 में जीएसटी प्रणाली लागू होने के दौरान पांच साल के लिए सेस लगाने का प्रविधान लाया गया था, जिसे क्षतिपूर्ति सेस का नाम दिया गया था। वर्तमान में सिर्फ तंबाकू, सिगरेट व पान मसाला पर 28 प्रतिशत जीएसटी और सेस वसूला जा रहा है। गत तीन सितंबर को जीएसटी काउंसिल की बैठक में टैक्स दरों में बदलाव के फैसले के बाद अन्य किसी भी वस्तु पर सेस नहीं लिया जा रहा है। 28 प्रतिशत के स्लैब को खत्म कर 40 प्रतिशत का स्लैब लाया गया है। हालांकि, तंबाकू, सिगरेट पर 28 प्रतिशत जीएसटी और सेस लिया जा रहा है। नए कानून के पारित होने के बाद सरकार तंबाकू, सिगरेट पर भारी उत्पाद शुल्क के साथ इसे 40 प्रतिशत के जीएसटी दायरे में भी ला सकती है।

### पान मसाला पैकेट पर लिखना होगा खुदरा मूल्य

**नई दिल्ली, प्रेट्र:** सभी तरह के पान मसाला पैकेट (चाहे उनका आकार और वजन कुछ भी हो) के ऊपर खुदरा बिक्री मूल्य और दूसरी जरूरी सूचनाएं प्रदर्शित करनी होंगी। अगले साल एक फरवरी से ऐसा करना अनिवार्य होगा। इससे पहले 10 ग्राम या उससे छोटे पान मसाला पैकेट को कुछ घोषणाएं नहीं करने से छूट मिली हुई थी। हालांकि, अब इन छोटे पैक वाले पान मसाला पैकेट के ऊपर भी खुदरा मूल्य प्रदर्शित करना होगा। उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय को उम्मीद है कि इस कदम से छोटे पैके पर गुमराह करने वाली या धोखा देने वाली कीमतों को रोका जा सकेगा।

### इनोवेशन पर ध्यान दे उद्योग जगत: गोयल

**नई दिल्ली, प्रेट्र:** वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने उद्योग जगत से इनोवेशन पर फोकस करने और लंबे समय तक वृद्धि को बनाए रखने के लिए किसी एक जगह पर निर्भरता कम करने को कहा है। गोयल ने कहा कि इस तरह का कदम उठाना जरूरी है, क्योंकि हाल के दिनों में हमने व्यापार को हथियार के तौर पर इस्तेमाल करते हुए देखा है।

उद्योग संगठन सीआइआइ के कार्यक्रम में गोयल ने कहा, 'हम यह समझने पर अपना फोकस करें कि हमारे पूरे सिस्टम में क्या कमजोरियां है। ऐसे कई उत्पाद होंगे जहां हमें आत्मनिर्भर होने की जरूरत होगी। आपको सप्लाई चेन को अपने नियंत्रण में रखना होगा। अगर हमें आगे बढ़ना है और वैश्विक कारोबार में लंबे समय तक बने रहना है तो यह जरूरी होगा।' गोयल की बातें इसलिए महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि फार्मा, टेलीकाम, मशीनरी और इलेक्ट्रानिक्स जैसे कई सेक्टर चीन पर निर्भर हैं। थिंक टैंक जीटीआरआइ की एक रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले 15 सालों में, भारत के आयात में चीन की हिस्सेदारी 21 प्रतिशत से बढ़कर 40 प्रतिशत हो गई है।

# अक्टूबर में भारत से अमेरिका को स्मार्टफोन निर्यात तीन गुना बढ़ा

**नई दिल्ली, प्रेट्र:** तमाम वैश्विक चुनौतियों के बावजूद अक्टूबर 2025 में भारत ने अमेरिका को 1.47 अरब डालर मूल्य के स्मार्टफोन का निर्यात किया है। सरकारी डाटा के अनुसार, इसमें वार्षिक आधार पर तीन गुना की बढ़ोतरी रही है। पिछले वर्ष अक्टूबर में भारत ने अमेरिका को 0.46 अरब डालर के स्मार्टफोन का निर्यात किया था।

डाटा के अनुसार, चालू वित्त वर्ष 2025-26 में अप्रैल से अक्टूबर के बीच अमेरिका को भारत का स्मार्टफोन निर्यात 10.78 अरब डालर पर पहुंच गया है जो इससे पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 3.60 अरब डालर था। हालांकि, चालू वित्त वर्ष में अब तक मासिक आधार पर अमेरिका को स्मार्टफोन निर्यात में उतार-चढ़ाव रहा है। डाटा के अनुसार, इस वर्ष अप्रैल में 1.65 अरब डालर और मई में 2.29 अरब डालर के स्मार्टफोन का निर्यात किया गया था। लेकिन जून में निर्यात 1.99 अरब डालर, जुलाई में 1.52 अरब डालर, अगस्त में 0.96 अरब डालर और सितंबर में 0.88 अरब डालर तक गिर गया। एक अधिकारी ने बताया कि स्मार्टफोन निर्यात में यह गति तब भी बनी रही, जब टैरिफ संबंधी अनिश्चितताओं से मांग और मूल्य निर्धारण पर दबाव दिखा। चालू वित्त वर्ष के पहले सात महीनों (अप्रैल-अक्टूबर 2025) के बीच भारत का वैश्विक स्मार्टफोन निर्यात 49.35 प्रतिशत बढ़कर 15.95 अरब डालर पर पहुंच गया है। अप्रैल-अक्टूबर 2024 में भारत का वैश्विक स्मार्टफोन निर्यात 10.68 अरब डालर रहा था।

**1.47** अरब डालर के स्मार्टफोन का अमेरिका को निर्यात किया गया

**10.78** अरब डालर पर पहुंचा स्मार्टफोन निर्यात चालू वित्त वर्ष में अब तक

# आरबीआइ की मौद्रिक नीति समिति की बैठक शुरू, रेपो रेट में कटौती की उम्मीद

**मुंबई, प्रेट्र:** रेपो रेट में 25 आधार अंक की कमी की उम्मीदों के बीच आरबीआइ की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की तीन दिवसीय बैठक बुधवार को शुरू हो गई। आरबीआइ गवर्नर संजय मल्होत्रा की अगुआई वाली छह सदस्यीय समिति का फैसला शुक्रवारको बताया जाएगा। यह बैठक घटती महंगाई, बढ़ती विकास दर, डालर के मुकाबले रुपये के 90 के पार जाने और चल रहे भू-राजनीतिक तनाव के बीच हो रही है। आरबीआइ ने खुदरा महंगाई में गिरावट के बीच फरवरी से लेकर अब तक रेपो रेट में 100 आधार अंकों की कमी की है।

- गवर्नर संजय मल्होत्रा की अगुआई वाली छह सदस्यीय समिति का फैसला शुक्रवार को
- जीडीपी के उम्मीद से बेहतर रहने से विशेषज्ञ ब्याज दरों के यथावत रहने की भी जता रहे संभावना

क्रिसिल के मुख्य अर्थशास्त्री धर्मकीर्ति जोशी ने कहा, 'हमें दिसंबर में रेपो रेट में 25 आधार अंकों की कटौती की उम्मीद है। हालांकि विकास दर मजबूत बनी हुई है, लेकिन अक्टूबर में खुदरा महंगाई में बड़ी गिरावट ने इसके लिए जगह बनाई है।' आरबीआइ गवर्नर ने पिछले महीने कहा था कि रेपो रेट में और कटौती की गुंजाइश बनी हुई है। उधर, दूसरी तिमाही में अर्थव्यवस्था के उम्मीद से बेहतर रहने के चलते कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि आरबीआइ ब्याज दरों पर रोक जारी रख सकता है। बैंक आफ बड़ौदा की अर्थशास्त्री अदिति गुप्ता ने कहा कि आरबीआइ की मौद्रिक नीति समिति रेपो रेट को 5.50 प्रतिशत पर यथावत रख सकती है। उन्होंने कहा कि मजबूत जीडीपी वृद्धि दर और घटती महंगाई आरबीआइ को वैश्विक अनिश्चितताओं पर नजर रखते हुए रेपो रेट को बरकरार रखने की गुंजाइश देती है। इस बात की उम्मीद जताई जा रही है कि पहली छमाही के उम्मीद से बेहतर आंकड़ों को देखते हुए आरबीआइ वृद्धि अनुमान को बढ़ा सकता है। अक्टूबर में, आरबीआइ ने चालू वित्त वर्ष के लिए जीडीपी का अनुमान 6.8 प्रतिशत कर दिया था।

बिजनेस से जुड़ी खबरों और अपडेट के लिए स्कैन करें या विजिट करें jagran.com

# नए कारोबार में तेजी से नवंबर में सेवा क्षेत्र की गतिविधियां बढ़ीं

**नई दिल्ली, प्रेट्र :** नए कारोबार में तेजी और कीमतों पर कम दबाव के चलते नवंबर में भारत के सेवा क्षेत्र की वृद्धि दर में तेजी दर्ज की गई। अक्टूबर के पीएमआइ सर्विसेज इंडेक्स 58.9 के मुकाबले नवंबर में बढ़कर 59.8 हो गया। परचेजिंग मैनेजर इंडेक्स (पीएमआइ) की भाषा में 50 से ऊपर का मतलब विस्तार है जबकि 50 से कम का स्कोर संकुचन को दर्शाता है।

एचएसबीसी के मुख्य अर्थशास्त्री प्रांजुल भंडारी ने कहा, ''अंतरराष्ट्रीय बिक्री में सुधार जारी रहा, क्योंकि कंपनियों ने एशिया, यूरोप और पश्चिम एशिया से बिक्री में लाभ की सूचना दी है। हालांकि, विस्तार की दर आठ महीने के सबसे निचले स्तर पर आ गई है। इसका बड़ा कारण यह है कि दूसरी जगहों पर सस्ती सेवाओं की सप्लाई ने वृद्धि दर को धीमा किया है।' भंडारी ने कहा कि विदेश में सेवाओं के सस्ता मिलने के चलते अंतरराष्ट्रीय बिक्री आठ महीने के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गई है।

- अक्टूबर के पीएमआइ सर्विसेज इंडेक्स 58.9 के मुकाबले नवंबर में बढ़कर 59.8 हो गया
- विदेश में सेवाओं के सस्ता होने से अंतरराष्ट्रीय बिक्री आठ महीने के निचले स्तर पर

भंडारी ने आगे कहा, 'रोजगार सृजन में वृद्धि मामूली रही, क्योंकि ज्यादातर कंपनियों ने नए कर्मचारियों को रखने के बारे में कोई जानकारी नहीं दी। इस बीच, भारत का कंपोजिट पीएमआइ मजबूत रहा, लेकिन नवंबर में यह थोड़ा कम होकर 59.7 पर आ गया, जो फैक्ट्री उत्पादन की वृद्धि में कमी को दिखाता है। कंपोजिट पीएमआइ इंडेक्स एक जैसे मैन्यूफैक्चरिंग और सर्विसेज पीएमआइ इंडेक्स का भारित औसत है।



# छग में मुठभेड़ में 12 माओवादी ढेर, तीन जवान बलिदान

**नईदुनिया न्यूज, बीजापुर:** छत्तीसगढ़ में बीजापुर व दंतेवाड़ा के सीमावर्ती क्षेत्र केशकुतुल में बुधवार को सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में 12 माओवादी ढेर हो गए। इस दौरान तीन जवान बलिदान हो गए। बीजापुर के एसपी जितेंद्र यादव ने बताया कि घटना में डीआरजी के प्रधान आरक्षक मोनू वडाड़ी, कांस्टेबल दुकारू गोंडे व रमेश सोड़ी बलिदान हुए हैं। दो जवान घायल हैं। मुठभेड़ के बाद इंसास व एसएलआर जैसे स्वचालित हथियार व गोलाबारूद जब्त किया गया।

क्षेत्र के पश्चिम बस्तर डिवीजन इलाके में डीआरजी दंतेवाड़ा-बीजापुर, एटीएफ व सीआरपीएफ कोबरा की संयुक्त टीम सर्च आपरेशन पर निकली थी। इलाके में पापा राव आदि बड़े माओवादियों की मौजूदगी की सूचना मिलते ही सुरक्षा बलों ने इलाके को घेर लिया। जैसे ही जवानों ने छिपे माओवादियों के ठिकाने पर हमला बोला, उन्होंने गोलीबारी शुरू कर दी। बाद में पुलिस ने 12 माओवादियों के शव बरामद किए। इस वर्ष छत्तीसगढ़ में अब तक 275 माओवादी विभिन्न मुठभेड़ में मारे जा चुके हैं, जिनमें से 246 बस्तर संभाग में ढेर किए गए हैं।

दुकारू गोंडे ● सौ. पुलिस

मोनू वडाड़ी ● सौ. पुलिस

रमेश सोड़ी ● सौ. पुलिस

- बीजापुर-दंतेवाड़ा की सीमा पर हुई मुठभेड़
- एसएलआर, इंसास जैसे हथियार जब्त

> हमारे जांबाजों की बहादुरी और कार्रवाई इस बात का स्पष्ट संकेत है कि लाल आतंक का अंत अब बहुत निकट है। हमारी सरकार और सुरक्षाबल माओवाद के पूर्ण खात्मे के संकल्प पर दृढ़ता से अडिग हैं। - **विष्णु देव साय**, मुख्यमंत्री

### सीजेआइ सूर्यकांत के सामने महिला वकील ने किया हंगामा

**नई दिल्ली, प्रेट्र:** सुप्रीम कोर्ट में बुधवार को उस वक्त अजीबोगरीब स्थिति पैदा हो गई जब एक महिला वकील ने प्रधान न्यायाधीश (सीजेआइ) सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ के सामने हंगामा शुरू कर दिया। बार-बार समझाने के बावजूद जब महिला वकील ने हंगामा जारी रखा और कोर्ट की प्रक्रिया का पालन करने से इन्कार कर दिया, तो पीठ को उन्हें सुरक्षाकर्मियों के जरिए कोर्ट रूम से बाहर निकालने का आदेश देना पड़ा।

यह घटना तब हुई जब वकील ने सीजेआइ सूर्यकांत और जस्टिस उज्ज्वल भुइयां तथा जस्टिस एनके सिंह की पीठ के समक्ष सूची से बाहर के मामले का मौखिक उल्लेख किया। वकील ने आरोप लगाया कि जब वह मुंबई में थी, तब दिल्ली के एक गेस्ट हाउस में उसकी दोस्त की हत्या कर दी गई थी और दावा किया कि जिस पुलिस अधिकारी ने शुरुआत में एफआइआर दर्ज करने से इन्कार कर दिया था, उसे अब जांच अधिकारी नियुक्त किया गया है। इस पर सीजेआइ ने याचिका दायर करने की सलाह दी।

# अब आसान होगा स्तन कैंसर के फैलाव को रोकना

## आइसर के विज्ञानियों को मिली बड़ी कामयाबी, ढूंढ निकाला कैंसर के तेजी से बढ़ने का असल कारक

### विज्ञानियों ने समझी ट्यूमर की चाल, जानवरों पर भी परखेंगे

शोध में पाया गया कि पीआरएमटी5 जैसे प्रोटीन कैंसर कोशिकाओं को फैलने की क्षमता देते हैं। यदि इस प्रक्रिया को समय रहते बाधित कर दिया जाए, तो स्तन कैंसर के प्रसार को काफी हद तक रोका जा सकता है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह समझ भविष्य में ऐसे लक्षित उपचार विकसित करने का मार्ग खोलती है। इसे जानवरों पर भी शोध कर देखा जाएगा।

### कैंसर की कारक जैविक प्रक्रिया को समझने में मिली मदद

देश में कैंसर से होने वाली कुल मौतों में करीब 11 प्रतिशत मौतें केवल स्तन कैंसर से होती हैं, जो हर वर्ष लगभग एक लाख मरीजों की जान लेती है। ऐसे में आइसर का यह शोध अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि इससे उन जैविक प्रक्रियाओं को समझने में मदद मिलती है, जो कैंसर कोशिकाओं की वृद्धि और प्रसार को नियंत्रित करती है। शोध बताता है कि यदि सही समय पर कैंसर की अवस्था की पहचान कर पीआरएमटी5 जैसे प्रमुख प्रोटीनों की गतिविधि रोकी जाए तो शरीर में कैंसर कोशिकाओं के फैलाव को काफी हद तक धीमा या पूरी तरह रोका जा सकता है।

> यह शोध कैंसर मरीजों के लिए महत्वपूर्ण है। भविष्य में स्तन कैंसर के इलाज को नई दिशा मिल सकती है। -**डा. संजीव शुक्ला**, विभागाध्यक्ष, बायोलाजिकल साइंसेज, आइसर

लैब में शोध करते श्रीनिवास अभिषेक, साथ में हैं विभागाध्यक्ष प्रो. संजीव शुक्ला और डा. पारिक काकानी ● सौजन्य आइसर

**जागरण विशेष**

अंजली राय ● नवदुनिया प्रतिनिधि

**भोपाल:** अब तक माना जाता था कि कैंसर का फैलाव कुछ प्रोटीनों के स्तर बदलने से होता है, लेकिन इंडियन इंस्टीट्यूट आफ साइंस एजुकेशन एंड रिसर्च (आइसर) भोपाल की विज्ञानियों ने इस दिशा में महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है। उन्होंने शोध में स्तन कैंसर के तेजी से फैलने के कारणों का पता लगा लिया है। दावा किया जा रहा है कि यह खोज स्तन कैंसर के उपचार को नई दिशा दे सकती है।

शोध में सामने आया है कि शरीर में आक्सीजन की कमी (हाइपोक्सिया) के दौरान कैंसर कोशिकाएं अधिक आक्रामक हो जाती हैं। इस अवस्था में 'पीआरएमटी5' नामक प्रोटीन सक्रिय होकर कोशिकाओं के तेजी से फैलने की क्षमता को बढ़ावा देता है, 'सीटीसीएफ' प्रोटीन इसे सक्रिय करता है। इस प्रक्रिया के कारण कोशिकाएं अपने व्यवहार और संरचना में तेजी से बदलाव लाती हैं। जब विज्ञानियों ने पीआरएमटी5 को जीएसके 591 दवा के जरिए रोका तो कैंसर कोशिकाओं की फैलने की क्षमता लगभग खत्म हो गई। आइसर के बायोलाजिकल साइंसेज के विभागाध्यक्ष डा. संजीव शुक्ला और श्रीनिवास अभिषेक की टीम ने बताया कि कम आक्सीजन की स्थिति में ट्यूमर खुद को अधिक घातक रूप में ढाल लेता है। शोध में यह भी सामने आया कि इस दौरान सीटीसीएफ सीधे पीआरएमटी5 जीन से जुड़कर उसकी गतिविधि को बढ़ा देता है। इसके बाद पीआरएमटी5 डीएनए की पैकेजिंग में बदलाव करता है, जिससे टीसीएफ3 जीन की रीडिंग का तरीका बदल जाता है और एक ऐसा प्रोटीन संस्करण बनता है, जो कैंसर कोशिकाओं को अधिक गतिशील और फैलने में सक्षम बनाता है।

अतिरिक्त सामग्री पढ़ने के लिए स्कैन करें।

********

## संक्षिप्त खबरें

### राम बैसला बने हसनपुर मार्केट कमेटी के चेयरमैन

**पलवल।** खेल राज्य मंत्री गौरव गौतम ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी द्वारा राम बैसला को हसनपुर मार्केट कमेटी का चेयरमैन नियुक्त किया गया है। बुधवार को पलवल जिला अध्यक्ष विपिन बैंसला के नेतृत्व में गुर्जर बहुल क्षेत्र से पहुंचे लोगों ने उनके निवास पर पहुंचकर पगड़ी बांधकर व मिठाई खिलाकर बैसला का स्वागत किया। गौरव गौतम ने कहा कि नए चेयरमैन राम बैसला हसनपुर क्षेत्र की सेवा के लिए समर्पित रहेंगे। उन्होंने यह भी घोषणा की कि गुर्जर समाज की वर्षों पुरानी मांग बैसलात क्षेत्र में गुर्जर धर्मशाला निर्माण जल्द शुरू होगा। इसके लिए वे मुख्यमंत्री से धनराशि आवंटन पर बातचीत कर रहे हैं। विधानसभा चुनावों से जुड़े अपने और पूर्व मंत्री करण दलाल के मामले पर उन्होंने कहा कि यह कानूनन प्रक्रिया है, जो चलती रहती है और कानून अपना काम करेगा।

### सुधा रुस्तगी कॉलेज ने मनाया राष्ट्रीय पेडोडोंटिक्स दिवस

**फरीदाबाद।** बच्चों के मौखिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने और प्रारंभिक दंत देखभाल के महत्व को रेखांकित करने के उद्देश्य से सुधा रुस्तगी कॉलेज ऑफ डेंटल साइंसेज एंड रिसर्च के बाल चिकित्सा एवं निवारक दंत चिकित्सा विभाग ने 3 दिसंबर 2025 को राष्ट्रीय पेडोडोंटिक्स दिवस उत्साहपूर्वक मनाया। कार्यक्रम का आयोजन कॉलेज के अध्यक्ष धर्मवीर गुप्ता, सचिव दीपक गुप्ता, प्रिंसिपल डॉ. सी. एम. मढिया, सीईओ डॉ. विशाल जुनेजा, विभागाध्यक्ष डॉ. भावना गुप्ता तथा वरिष्ठ संकाय सदस्यों के मार्गदर्शन में किया गया। इस अवसर पर मॉडल मेकिंग, नेल आर्ट, फायर-फ्री कुकिंग, रील मेकिंग और ड्रेप पेंटिंग जैसी विविध प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं, जिनमें यूजी, पीजी, इंटर्न और संकाय सदस्यों ने बढ़-चढ़ कर भाग लिया। विजेताओं को पुरस्कार व प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान बाल रोगियों के लिए मौखिक स्वच्छता जागरूकता शिविर लगाया गया, जिसमें बच्चों को दांतों की देखभाल के बारे में जानकारी दी गई।

### अंतरराष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस पर कई संस्थानों में किए जागरुकता अभियान

**गुरुग्राम।** अंतरराष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस के उपलक्ष्य में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (डीएलएसए) गुरुग्राम के पैनल अधिवक्ताओं द्वारा जिले में व्यापक जागरूकता एवं आउटरीच अभियान चलाया गया। इस अभियान के अंतर्गत समाज के विभिन्न वर्गों तक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए अनेक संस्थानों एवं संगठनों में कैंप आयोजित किए गए।
इस श्रृंखला में दीपाश्रम चाइल्ड केयर इंस्टीट्यूशन, रेड क्रॉस सोसाइटी, अर्थ सेवियर्स फाउंडेशन, विश्वास एनजीओ, तथा जिले के विभिन्न स्कूलों एवं कॉलेजों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। शिविरों के माध्यम से प्रतिभागियों को दिव्यांगजनों के अधिकारों, कानूनों एवं सरकारी योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। पैनल अधिवक्ताओं ने संयुक्त राष्ट्र के वर्ष 2025 के विषय-सामाजिक प्रगति को आगे बढ़ाने के लिए, दिव्यांगों को शामिल करने वाले समाजों को बढ़ावा देना के अनुरूप समावेशी समाज के निर्माण का संदेश दिया।

### विश्व दिव्यांग दिवस : वितरित किए उपकरण

**फरीदाबाद।** विश्व दिव्यांग दिवस के अवसर पर आयुष सिन्हा, उपायुक्त फरीदाबाद के निदेर्शानुसार और बिजेंद्र सोरोत, सचिव जिला रेडक्रॉस सोसायटी के मार्गदर्शन में जिले के दिव्यांगजनों को सहायक उपकरण प्रदान किए गए। डॉ. जयपाल, प्रोस्थेटिक रेडक्रॉस दिव्यांग पुनर्वास केंद्र ने बताया कि दृष्टिबाधित विद्यार्थियों को मोबाइल फोन वितरित किए गए और जरूरतमंद दिव्यांग बच्चों को आवश्यक सहायक उपकरण दिए गए। टाउन पार्क, सेक्टर-12 में विभिन्न संस्थाओं के सहयोग से दिव्यांग बच्चों के लिए नुक्कड़ नाटक और फन एंड गेम आयोजित किए गए, जिससे बच्चों में उत्साह और सशक्तिकरण का माहौल बना। इस अवसर पर बच्चों और दिव्यांगजनों को उपकरण वितरित कर उनकी आवश्यकताओं की पूर्ति सुनिश्चित की गई। रेडक्रॉस सचिव बिजेंद्र सोरोत ने कार्यक्रम की सफलता और दिव्यांगजन के प्रति समाज में जागरूकता बढ़ाने के महत्व पर प्रकाश डाला।

### खिलाड़ियों के चयन ट्रायल 4 व 5 को

**फरीदाबाद।** भारतीय खेल प्राधिकरण तथा युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय द्वारा सेक्टर-12 स्थित खेल परिसर में संचालित खेलो इंडिया फुटबॉल लघु केंद्र में नए खिलाड़ियों के दाखिले के लिए चयन प्रक्रिया आयोजित की जा रही है। कार्यकारी जिला खेल अधिकारी एवं हॉकी प्रशिक्षिका निरेश यादव ने बताया कि बाल खिलाड़ियों को फुटबॉल प्रशिक्षण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से अंडर-10 और अंडर-14 आयु वर्ग के लड़के एवं लड़कियों के ट्रायल निर्धारित किए गए हैं। लड़कों के लिए ट्रायल 4 दिसंबर को शाम 4 बजे, जबकि लड़कियों के लिए ट्रायल 5 दिसंबर को शाम 4 बजे सेक्टर-12 खेल परिसर में होंगे। उन्होंने बताया कि चयनित खिलाड़ियों को खेलो इंडिया स्कीम के तहत लघु केंद्र में नियमित प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जाएगा। इसके साथ ही खिलाड़ियों को बेहतर खेल सुविधाएं देने के लिए स्पोर्ट्स किट भी प्रदान की जाएगी।

# फर्जी एग्रीमेंट कर 96 लोगों से दस करोड रुपए की ठगी

**पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम**

- गुरुग्राम में निजी स्कूल संचालित करता है आरोपी
- अब तक 96 लोगों से कर चुका है 10 करोड़ रुपये की ठगी, गिरफ्तार

फर्जीवाड़ा करके प्लॉट बेचने वाले आरोपी के खिलाफ गुरुग्राम पुलिस ने बड़ी उपब्धि हासिल की है। दूसरों की जमीन/प्लॉट को अपना बताकर फर्जी एग्रीमेंट तैयार कर 96 लोगों से लगभग 10 करोड़ रुपये की ठगी करने वाले एक आरोपी को गुरुग्राम पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा-1 ने गिरफ्तार किया है। खास बात यह है कि आरोपी गुरुग्राम में ठगी करके बिहार में जमीन खरीदता था। अब तक वह 96 लोगों से करीब 10 करोड़ की ठगी कर चुका है।

जानकारी के अनुसार 18 सितंबर 2025 को आर्थिक अपराध शाखा-1 गुरुग्राम द्वारा एक शिकायत की जांच की गई। शिकायतकर्ता ने कहा गया था कि उसने खाटूश्याम प्रॉपर्टी नामक फर्म से रयान एन्क्लेव, देव नगर पार्ट-2 भोंडसी क्षेत्र में एक प्लॉट खरीदा था। फर्म के मालिक नीतीश कुमार ने स्वयं को प्लॉट का मालिक बताकर उसको प्लॉट का कब्जा दिया। फर्जी एग्रीमेंट टू सेल तैयार कर बिक्री दर्शाई तथा तीन दिन बाद ही धोखे से कब्जा वापस ले लिया। उसको आंशिक राशि लौटाकर इसके साथ लगभग 30 लाख रुपये की धोखाधड़ी कर ली। इसी तरीके से नीतीश कुमार ने लगभग 96 लोगों के साथ धोखाधड़ी करते हुए दूसरों की भूमि को अपना बताकर फर्जी एग्रीमेंट के माध्यम से बेचा। वह कुल मिलाकर लगभग 10 करोड़ रुपये की ठगी कर चुका है। पुलिस थाना भोंडसी, गुरुग्राम में संबंधित धाराओं के तहत केस दर्ज किया गया। आर्थिक अपराध शाखा-1 गुरुग्राम की पुलिस टीम इसकी जांच की गई। शाखा की टीम ने कार्यवाही करते हुए बुधवार को रिठौज गांव जिला गुरुग्राम से फजीर्वाड़ा करके ठगी करने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी की पहचान नीतीश कुमार (उम्र-27 वर्ष, शिक्षा-एम.फिल) निवासी गांव मोसादनपुर, जिला बेगूसराय (बिहार) वर्तमान निवसी देवनगर, रिठोज, जिला गुरुग्राम के रूप में हुई है।

वर्ष-2021 से गुरुग्राम में खाटूश्याम प्रॉपर्टी फर्म चलाता था

आरोपी से प्रारंभिक पूछताछ में आरोपी ने बताया कि यह मूल रूप से बिहार का निवासी है। वर्ष-2021 में गुरुग्राम आकर खाटूश्याम प्रॉपर्टी के नाम से प्रॉपर्टी फर्म चला रहा है। इसके अतिरिक्त यह रिठोज गांव में शिव गंगा पब्लिक स्कूल भी संचालित करता है। यह दूसरों की जमीन/प्लॉट को अपना बताकर फर्जी एग्रीमेंट ऑफ सेल तैयार करता था। लोगों से बड़े पैमाने पर रुपये लेता था। ठगी की गई राशि का उपयोग यह बिहार में किसानों से जमीन खरीकर उन्हें जमीन का भुगतान करने में करता था। आरोपी ने यह भी खुलासा किया कि यह एक ही प्लॉट/जमीन को 4-5 लोगों को बेचकर फजीर्वाड़ा करता था। इस प्रकार से वह अब तक 96 से अधिक लोगों के साथ ठगी कर चुका है। पुलिस टीम द्वारा आरोपी को गिरफ्तार करके अदालत में पेश किया।

## शादी में जाने के लिए चुराई स्कॉर्पियो, दो गिरफ्तार

**पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम**

- पार्किंग में गाड़ी लगाने के लिए मांगी चाबी, और गाड़ी लेकर फरार हो गए

शादी में पहुंचे दो युवक शादी समारोह स्थल से एक स्कॉर्पियो गाड़ी चोरी करके फरार हो गए। पुलिस ने इस चोरी के मामले में दो युवकों को गिरफ्तार कर उनसे चोरी की गई स्कॉर्पियो गाड़ी भी बरामद कर ली। पुलिस प्रवक्ता संदीप कुमार ने बुधवार को बताया कि दोनों युवकों ने पुलिस पूछताछ में चोरी की वारदात कबूली और कहा कि उन्होंने अपने एक जानकार की शादी में जाने के लिए वह गाड़ी चुराई थी।

जानकारी के अनुसार सेक्टर-53 पुलिस थाना में एक व्यक्ति ने दो नवंबर को शिकायत में कहा कि वह एक नवंबर को सेक्टर-52 के निकट एक शादी में गया था वहां से उसकी स्कॉर्पियो गाड़ी व पर्स को चोरी हो गया। इस पर पुलिस थाना सेक्टर-53 में केस दर्ज करके चोर की तलाश शुरू की गई। अपराध शाखा सेक्टर-43 इंचार्ज निरीक्षक नरेंद्र के नेतृत्व में पुलिस टीम ने गाड़ी चोरी की वारदात को अंजाम देने वाले आरोपी पंकज निवासी गांव बंका, जिला हाथरस (उप्र) को गुरुग्राम के वजीराबाद गांव से काबू किया। उसके साथी आरोपी संदीप निवासी गांव खुटीपुरी ब्राह्मण, जिला हाथरस (उप्र) को कटारिया चौक गुरुग्राम से गिरफ्तार किया।

पूछताछ पता चला एक नवंबर 2025 को वे दोनों सेक्टर-52 में एक अंजान शादी में गए थे। वहां पर एक स्कॉर्पियो उन्होंने देखी। आरोपी संदीप ने गाड़ी के मालिक से उनकी गाड़ी को पार्किंग में लगाने के लिए चाबी मांगी। वे दोनों उसकी गाड़ी व गाड़ी में रखा पर्स चोरी करके फरार हो गए। दोनों आरोपी गाड़ी चोरी करने के बाद गाड़ी लेकर आरोपी संदीप के एक जानकारी की शादी में नरवाना चले गए।

### 5 लाख फूलों के पौधों का वितरण

**बल्लभगढ़।** नगर निगम फरीदाबाद द्वारा सेक्टर-22 स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय पार्क में शीतकालीन फूलों के पौधों का भव्य वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रूप में पहुंचे विधायक एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री पं. मूलचंद शर्मा का पार्क पहुंचने पर स्वागत किया गया।

नगर निगम ने इस अवसर पर लगभग 5 लाख शीतकालीन फूलों के पौधे आमजन को वितरित किए। इन पौधों के खिलने से घरों के आंगन, पार्क, सड़क किनारे व डिवाइडर रंग-बिरंगे फूलों से सजे दिखाई देंगे, जिससे क्षेत्र का वातावरण और भी सुंदर, स्वच्छ और आकर्षक बनेगा। मुख्यातिथि पं. मूलचंद शर्मा ने लोगों से अपील करते हुए कहा कि घर-आंगन से लेकर आसपास के क्षेत्र को सुंदर व स्वच्छ बनाना हर नागरिक की जिम्मेदारी है। उन्होंने ज्यादा से ज्यादा पौधे लगाने और उनकी देखभाल करने का आह्वान किया।

## बीएलओ की मौतों के विरोध में कर्मचारियों ने किया प्रदर्शन

**पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद**

- मृतकों के आश्रितों को एक करोड़ रुपये मुआवजा और नौकरी देने की मांग

ऑल इंडिया स्टेट गवर्नमेंट एम्पलाइज फेडरेशन के राष्ट्रव्यापी आह्वान पर सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा के बैनर तले बुधवार को कर्मचारियों ने बीके चौक पर जोरदार प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन विशेष प्रोत्साहन संशोधन (एसआईआर) के दौरान अत्यधिक दबाव के कारण हुई बीएलओ की मौतों के विरोध में आयोजित किया गया। जिला प्रधान करतार सिंह के नेतृत्व में हुए इस आक्रोश प्रदर्शन में बिजली निगम, नगर निगम, पर्यटन, हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण, स्वास्थ्य, जन स्वास्थ्य, सिंचाई आदि विभागों के सैकड़ों कर्मचारियों ने भाग लिया। जिला सचिव बलबीर सिंह बालगुहेर ने कार्यक्रम का संचालन किया।

प्रदर्शनकारियों ने बीएलओ द्वारा आत्महत्या और अचानक हुई मौतों के लिए चुनाव आयोग की जल्दबाजी और अत्यधिक कार्यदबाव को जिम्मेदार ठहराया। कर्मचारियों ने मांग की कि सभी मृतकों के आश्रितों को एक करोड़ रुपये का मुआवजा और परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी दी जाए।

सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा के वरिष्ठ उपाध्यक्ष नरेश कुमार शास्त्री ने कहा कि चुनाव आयोग ने बिना पर्याप्त प्रशिक्षण दिए और अव्यवहारिक समय-सीमा तय कर बीएलओ पर अत्यधिक दबाव डाला है। इसी दबाव के चलते दो दर्जन से अधिक बीएलओ आत्महत्या करने को मजबूर हुए तथा कई की मौत हार्ट अटैक और ब्रेन हेमरेज से हुई। उन्होंने आयोग से तुरंत हस्तक्षेप कर स्थिति को सुधारे जाने की मांग की।

अखिल भारतीय राज्य सरकारी कर्मचारी महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुभाष लांबा ने कहा कि परीक्षाएं निकट होने के बावजूद शिक्षकों को एसआईआर ड्यूटी दी गई है, जिससे छात्रों की पढ़ाई भी प्रभावित हो रही है। उन्होंने कहा कि ये मौतें किसी हादसे का परिणाम नहीं, बल्कि अव्यवस्थित और अमानवीय कार्यप्रणाली का नतीजा हैं, जिन्हें रोकने के लिए ठोस कदम जरूरी हैं।

## टाउन पार्क की घड़ी बंद, सुइयों की मरम्मत की दरकार

**पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद**

शहर के सबसे बड़े टाउन पार्क सेक्टर-12 में लगी घड़ी की सुईयां अचानक बंद पड़ गई हैं। यह घड़ी पार्क की मुख्य विशेषताओं में से एक है और यह वर्ष 2018 से यहां की पहचान बनी हुई थी। पार्क में लगी यह घड़ी लोगों और आगंतुकों के लिए समय देखने का प्रमुख साधन रही है।

स्थानीय निवासियों के अनुसार, घड़ी की सुईयां पिछले कुछ दिनों से ठीक से काम नहीं कर रही थीं और आज अचानक पूरी तरह बंद हो गईं। टाउन पार्क में घूमने आए लोग इस घटना से हैरान हैं। पार्क में मौजूद अन्य सुविधाओं जैसे 2015 से सबसे ऊंचा तिरंगा, फ्लावर वॉच, ओपन एयर थिएटर, म्यूजिकल फाउंटेन और खेल क्षेत्रों की तुलना में यह घड़ी विशेष महत्व रखती है।

घड़ी की स्थापना कई साल पहले की गई थी और यह पार्क की ऐतिहासिक पहचान का हिस्सा बन चुकी है। हालांकि अभी तक यह स्पष्ट नहीं है कि घड़ी की सुईयां क्यों बंद हुई हैं। स्थानीय अधिकारियों ने कहा है कि जल्द ही इसका निरीक्षण किया जाएगा और जरूरत पड़ने पर मरम्मत का काम शुरू किया जाएगा।

पार्क में बंद होने से कई लोगों को असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। अधिकारियों का कहना है कि यह घड़ी पार्क के सौंदर्य और सांस्कृतिक महत्व को भी बढ़ाती है, इसलिए इसे जल्द से जल्द चालू करना प्राथमिकता होगी। स्थानीय लोग उम्मीद कर रहे हैं कि सरकार और हुडा विभाग की ओर से घड़ी की मरम्मत जल्द ही पूरी कर दी जाएगी ताकि यह फिर से काम करना शुरू कर सके। पार्क प्रशासन ने भी आगंतुकों से अनुरोध किया है कि वे धैर्य रखें और मरम्मत कार्य पूरा होने तक सुरक्षा का ध्यान रखें।

## 20 युवकों ने किया हमला, 3 गंभीर घायल, महिलाओं से की बदसलूकी

**पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद**

- डीजे बजाने को लेकर दो पक्षों में विवाद हो गया

आदर्श नगर थाना क्षेत्र में सगाई के कार्यक्रम के दौरान डीजे बजाने को लेकर दो पक्षों में विवाद हो गया। यह विवाद बाद में मारपीट में बदल गया। इस घटना में तीन से चार लोग गंभीर रूप से घायल हुए। पीड़ित परिवार ने थाना आदर्श नगर में शिकायत देकर आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। घटना 2 दिसंबर की रात की है।

सुभाष कॉलोनी हरी विहार के रहने वाले महावीर कुमार के घर उनके बेटे शिवम की सगाई का कार्यक्रम चल रहा था। यह कार्यक्रम आदर्श नगर के गुर्जर चौक स्थित बाबा उदय वाटिका में रात लगभग 8 बजे तक सामान्य रूप से चल रहा था और डीजे भी बज रहा था।

महावीर के अनुसार, अचानक करीब 15 से 20 युवक कार्यक्रम में घुस आए। उन्होंने आते ही धमकी दी कि यह समारोह नहीं होने देंगे और डीजे बंद करा दिया। इस दौरान उन्होंने आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल भी किया। जब परिवार और रिश्तेदारों ने विरोध किया तो हमलावरों ने पूरी सगाई में हंगामा शुरू कर दिया। उन्होंने कार्यक्रम में रखे खाने को उलट-पलट किया और हलवाईयों के साथ मारपीट की। बीच बचाव करने आए गुलशन, श्यामलाल और शिवम गंभीर रूप से घायल हो गए। इस दौरान महिलाओं से भी धक्का-मुक्की हुई और एक महिला के कानों से सोने के कुंडल छीन लिए गए। हमलावरों ने लाठी, डंडे और हॉकी लेकर योजना बनाकर कार्यक्रम में घुसकर हमला किया।

### प्लास्टिक बहिष्कार का किया आह्वान

**फरीदाबाद।** गवर्नमेंट मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल, सराय ख्वाजा में राष्ट्रीय प्रदूषण नियंत्रण दिवस पर जूनियर रेडक्रॉस और सेंट जॉन एंबुलेंस ब्रिगेड के संयुक्त तत्वावधान में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य रविंद्र कुमार मनचंदा ने की। उन्होंने छात्रों और स्टाफ से प्लास्टिक के पूर्ण बहिष्कार का आह्वान करते हुए कहा कि वायु, ध्वनि और जल प्रदूषण गंभीर स्वास्थ्य जोखिम पैदा कर रहे हैं, जिसके कारण लोगों की औसत आयु तक कम हो रही है।

मनचंदा ने बताया कि प्रदूषण नियंत्रण दिवस को भोपाल गैस त्रासदी में मारे गए लोगों की स्मृति में मनाया जाता है। कार्यक्रम में वायु प्रदूषण से बचाव के लिए सेब, अनानास और ग्रीन टी जैसे रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने वाले खाद्य पदार्थों के सेवन पर भी जोर दिया गया।

## कामगारों को सामाजिक सुरक्षा कवरेज के दायरे में लाएंगे

**पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम**

- ईएसआईसी के निदेशक सुनील यावद ने कहा, लेबर कोड लागू होने से श्रमिक कल्याण को नई दिशा

उप-क्षेत्रीय कार्यालय (ईएसआईसी) गुरुग्राम के कार्यालय प्रमुख एवं निदेशक (प्रभारी) सुनील यादव ने कहा कि श्रम एवं रोजगार मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 21 नवंबर 2025 से चारों श्रम संहिताओं (वेतन संहिता, औद्योगिक संबंध संहिता, सामाजिक सुरक्षा संहिता और व्यवसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य और कार्य शर्त संहिता) को लागू किए जाने के साथ देश के श्रमिक वर्ग के सर्वांगीण हित, सुरक्षा और सामाजिक संरक्षण को और अधिक सुदृढ़ आधार मिलने का मार्ग प्रशस्त हुआ है।

सुनील यादव बुधवार को पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस में प्रेस वार्ता में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि इन संहिताओं को श्रम क्षेत्र में व्यापक सुधार सुनिश्चित करने वाली एक ऐतिहासिक एवं दूरदर्शी पहल के रूप में स्वीकार किया गया है। सुनील यादव ने बताया कि सामाजिक सुरक्षा संहिता 2020 के लागू होने से हरियाणा के लाखों श्रमिकों के लिए ईएसआईसी कवरेज में अभूतपूर्व विस्तार होगा। अब गिग और प्लेटफॉर्म श्रमिकों सहित सभी कामगारों को सामाजिक सुरक्षा कवरेज के दायरे में लाया जा रहा है, जो वर्तमान श्रम बाजार की आवश्यकताओं के अनुरूप एक बड़ा सुधार है। उन्होंने कहा कि 40 वर्ष से अधिक आयु के सभी कर्मचारियों के लिए नियोक्ताओं को वार्षिक मुफ्त स्वास्थ्य जांच उपलब्ध कराना अनिवार्य होगा। ईएसआईसी का नेटवर्क पूरे देश में विस्तृत किया गया है, जिससे अधिक से अधिक श्रमिक लाभान्वित होंगे।

उन्होंने बताया कि 10 से कम कर्मचारियों वाले प्रतिष्ठानों के लिए ईएसआईसी कवरेज स्वैच्छिक रहेगा, जबकि खतरनाक कार्य करने वाले प्रतिष्ठानों में एक भी कर्मचारी होने पर कवरेज अनिवार्य होगा। अनुबंध श्रमिकों को मुख्य नियोक्ता द्वारा स्वास्थ्य लाभ और सामाजिक सुरक्षा प्रदान की जाएगी।

## कचरा प्रबंधन एजेंसियों के इम्पैनलमेंट के लिए प्रपोजल

**पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम।**

- बल्क वेस्ट जनरेटर्स को और अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में हो रहा काम

नगर निगम गुरुग्राम ने शहर में ठोस कचरा प्रबंधन को अधिक प्रभावी और वैज्ञानिक बनाते हुए बल्क वेस्ट जनरेटर्स (बीडब्ल्यूजी) द्वारा उत्पन्न कचरे के संग्रहण, पृथक्करण, परिवहन, प्रोसेसिंग और निस्तारण के लिए सक्षम एजेंसियों के इम्पैनलमेंट के लिए रिक्वेस्ट फॉर प्रपोजल जारी कर दिया है। इच्छुक एजेंसियां एमसीजी की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध दस्तावेज के माध्यम से आवेदन कर सकती हैं।

ठोस कचरा प्रबंधन नियम-2016 के अनुसार जिन संस्थान, परिसर या प्रतिष्ठान से प्रतिदिन 100 किलोग्राम या उससे अधिक कचरा उत्पन्न होता है, वे बल्क वेस्ट जनरेटर के दायरे में आते हैं। इनमें सरकारी एवं निजी कार्यालय, सार्वजनिक उपक्रम, अस्पताल, नर्सिंग होम, स्कूल, कॉलेज, विश्वविद्यालय, हॉस्टल, होटल, मार्केट, धार्मिक स्थल, खेल परिसर, स्टेडियम, बड़े आवासीय सोसाइटी और गेटेड कम्युनिटी आदि शामिल हैं।

**कचरा प्रबंधन के नियमों में बीडब्ल्यूजी की जिम्मेदारियां :** एसडब्ल्यूएम नियम-2016 के अनुसार प्रत्येक बल्क वेस्ट जनरेटर को कचरे का तीन श्रेणियों में पृथक्करण अर्थात बायोडिग्रेडेबल, नॉन-बायोडिग्रेडेबल और घरेलू खतरनाक कचरा में अलग-अलग करना होगा। इसके अतिरिक्त सेनेटरी वेस्ट को सुरक्षित तरीके से पैक कर उपयुक्त डिब्बे में डालना, निर्माण एवं विध्वंस कचरे का अलग संग्रहण और निर्धारित नियमों के अनुसार निस्तारण, बागवानी/हॉर्टिकल्चर कचरे का अलग से प्रबंधन करना अनिवार्य है। कचरे को सार्वजनिक स्थानों, नालों या जल स्त्रोतों में फेंकना दंडनीय अपराध है। कचरा उत्पादक को स्थानीय निकाय द्वारा निर्धारित यूजर शुल्क का भुगतान तथा 100 से अधिक व्यक्तियों की किसी सभा/इवेंट से पहले तीन दिन पहले सूचना देना व कचरे के पृथक्करण की व्यवस्था करनी अनिवार्य है। सभी बड़ी आवासीय सोसायटी, मार्केट एसोसिएशन, होटल/रेस्तरां को परिसर में ही कम्पोस्टिंग या बायो-मीथनेशन जैसे उपायों से गीले कचरे का निस्तारण करना होगा। एमसीजी इसलिए कर रहा है एजेंसियों का इम्पैनलमेंट नगर निगम ने पाया है कि शहर के कई बड़े संस्थानों एवं परिसरों में अपने स्तर पर कचरा प्रबंधन की विशेषज्ञता व आवश्यक अवसंरचना की कमी है। इसके समाधान के लिए एमसीजी प्रमाणित एवं अनुभवी एजेंसियों को इपैनल कर रहा है।

## ओवर स्पीड वाहनों पर 20 करोड़ से अधिक का लगाया जुर्माना

**पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम।**

- 1,01,086 ओवरस्पीड वाहनों ने किए चालान
- 20 करोड़ 21 लाख 72 हजार का किया जुमार्ना

स्थानीय यातायात पुलिस ने ओवर स्पीड वाहनों पर पिछले 11 महीने में 20 करोड़ रुपये से अधिक का जुमार्ना लगाया है। इस समय अंतराल में पुलिस ने एक लाख एक हजार छिसायी (1,01,086) ओवर स्पीड वाहनों के चालान किये।

एक जनवरी 2025 से 30 नवंबर 2025 तक ओवर स्पीडिंग करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ विशेष अभियान चलाया। इस विशेष अभियान के तहत ओवर स्पीडिंग करने वालों के विरुद्ध यातायात पुलिस गुरुग्राम द्वारा प्रभावी कार्यवाही की गई है। पुलिस ने मुम्बई एक्सप्रेसवे, द्वारका एक्सप्रेसवे और गोल्फ कोर्स रोड पर ओवर स्पीडिंग करने वालों के कुल 1,01,086 चालान किए। जिनकी कुल जुमार्ना राशि 20 करोड़ 21 लाख 72 हजार रुपये है।

यातायात पुलिस उपायुक्त डॉ. राजेश मोहन के मुताबिक गुरुग्राम पुलिस का मकसद गुरुग्राम की सडकों को सुरक्षित बनाना तथा अपराधिक गतिविधियों पर नियंत्रण रखना है। ओवर स्पीडिंग करने वाले वाहन चालकों पर नियंत्रण करने के लिए यातायात पुलिस गुरुग्राम द्वारा समय- समय पर सुबह के समय भी स्पेशल नाके लगाए जाते हैं, ताकि ओवर स्पीडिंग करने वालों पर लगाम लगाई जा सके।

### ऑपरेशन हॉटस्पॉट डोमिनेशन : 11 गिरफ्तार

**फरीदाबाद।** पुलिस महानिदेशक ओ.पी. सिंह के निर्देश पर 1 दिसंबर से शुरू किए गए ऑपरेशन हॉटस्पॉट डोमिनेशन के तहत फरीदाबाद पुलिस ने अवैध नशा, शराब, जुआ/सट्टा व हथियारों के खिलाफ सख्त कार्रवाई तेज कर दी है। पुलिस प्रवक्ता के अनुसार, पिछले दो दिनों में पुलिस टीमों ने शहर में 85 संभावित ठिकानों पर कांबिंग ऑपरेशन चलाया।

इस दौरान 11 आरोपितों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने उनके कब्जे से 4 देसी कट्टे, 2 पिस्टल, 2 कारतूस, 970 ग्राम गांजा और 53 पव्वे देसी शराब बरामद की हैं। यह अभियान हिंसक अपराधियों की संपत्ति कुर्की, अवैध निर्माण की तोड़फोड़, पासपोर्ट रद्द कराने, लुक-आउट नोटिस जारी करने सहित कई मोर्चों पर जारी रहेगा।

## दो छात्र गुटों में भिड़ंत, सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल

**पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद**

- गाली-गलौज से शुरू हुआ विवाद, मारपीट में बदला

फतेहपुर तगा क्षेत्र में सोमवार को दो छात्र गुटों के बीच हुई मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया है। वीडियो में स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है कि छात्र आपस में लात-घूंसों और मुक्कों से एक-दूसरे पर हमला कर रहे हैं। आसपास मौजूद कुछ लोग उन्हें रोकने की कोशिश करते दिखाई देते हैं, लेकिन छात्र देर तक भिड़ते रहे।

जानकारी के अनुसार, झगड़े की शुरूआत आपसी तकरार और गाली-गलौज से हुई। देखते ही देखते मामला इतना बढ़ गया कि दोनों समूहों के छात्र सड़क पर ही आमने-सामने आ गए और मारपीट शुरू हो गई। राहगीरों और स्थानीय लोगों ने जब हालात बिगड़ते देखे तो तुरंत पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही थाना डीसीपी जोन के पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे और छात्रों को अलग करते हुए स्थिति को नियंत्रित किया।

इस घटना को लेकर फतेहपुर तगा स्थित पीएम श्री स्कूल के प्रिंसिपल सतीश चौधरी का बयान भी सामने आया है। उन्होंने स्पष्ट करते हुए कहा कि लड़ाई स्कूल के बाहर हुई है। बाहर कोई कुछ भी करे, हम उसमें क्या कर सकते हैं। स्कूल के अंदर किसी प्रकार की घटना नहीं हुई। बच्चे स्कूल के बाहर किससे मिलते हैं या क्या करते हैं, यह हमारे नियंत्रण में नहीं होता।

पायनियर
नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, 4 दिसंबर 2025



## संचार साथी
# सुझावों पर सहमति

'संचार साथी' पोर्टल को लेकर विपक्ष के आरोपों के बीच संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि कहा, पूरा अधिकार नागरिक का है। हमने केवल सभी को यह ऐप उपलब्ध कराने के लिए कदम उठाया है। सिंधिया ने कहा कि 'संचार साथी' ऐप के माध्यम से न तो जासूसी (स्नूपिंग) संभव है और ना होगी। सिंधिया ने सभी नए मोबाइल उपकरणों में साइबर सुरक्षा के लिहाज से इस ऐप को प्रीलोड करने के सरकार के निर्देश पर उठे विवाद के बीच लोकसभा में प्रश्नकाल के दौरान यह बात कही।उन्होंने कहा कि संचार साथी ऐप के आधार पर न स्नूपिंग संभव है, न होगी। सिंधिया ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार देश की जनता के हाथ में अधिकार देना चाहती है ताकि वे खुद को सुरक्षित रख सकें। उन्होंने कहा कि जनता की प्रतिक्रिया पर मिली सफलता के आधार पर यह प्रयोग किया गया है और भविष्य में जनता के ही सुझावों के आधार पर सरकार इसमें परिवर्तन के लिए तैयार है।संचार मंत्री ने यह भी कहा कि सरकार का इस बारे में कोई ''हठ'' नहीं है। संचार मंत्रालय के 28 नवंबर के आदेश में सभी मोबाइल उपकरण विनिर्माताओं को सभी नए हैंडसेट में अनिवार्य रूप से 'संचार साथी' ऐप पहले से इंस्टॉल करने को कहा गया है और मौजूदा मोबाइल फोन पर अपडेट के माध्यम से इसे इंस्टॉल करने का निर्देश दिया गया है। सरकार के इस आदेश पर विवाद शुरू हो गया। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाद्रा और अन्य कुछ विपक्षी सदस्यों ने इसे अनिवार्य किए जाने की आलोचना करते हुए कहा, ₹लोगों को यह अधिकार होना चाहिए कि वे सरकार की निगरानी के बिना निजी संदेश भेज सकें। इस पर सफाई देते हुए सिंधिया ने संसद भवन परिसर में कहा कि इस ऐप को भी मोबाइल पर अन्य ऐप की तरह हटाया जा सकता है। वह सदन में कांग्रेस सांसद दीपेंद्र हुड्डा के पूरक प्रश्न के उत्तर दे रहे थे। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया के दुरुपयोग और धोखाधड़ी से नागरिकों को बचाने की सोच के साथ 2023 में 'संचार साथी' पोर्टल की शुरुआत की गई थी और 2025 में इसके लिए ऐप का प्रयोग शुरू किया गया। उन्होंने कहा कि इस ऐप से जनभागीदारी के आधार पर साइबर धोखाधड़ी से नागरिकों को बचाना और मोबाइल चोरी की घटनाओं को कम करना ही उद्देश्य है।सिंधिया ने कहा कि पोर्टल पर जनता की अच्छी प्रतिक्रिया के आधार पर ही सरकार ने इस दिशा में कदम बढ़ाया। उन्होंने बताया कि पोर्टल पर जनता की प्रतिक्रिया से चोरी के लाखों मोबाइल फोन का पता चला, वहीं धोखाधड़ी के छह लाख मामलों को रोका जा सका।सिंधिया ने साफ किया कि संचार साथी ऐप के माध्यम से नागरिकों को विकल्प दिया गया है और जब तक वे इस पर पंजीकरण नहीं करते, उनके मोबाइल में यह काम नहीं करेगा। उन्होंने कहा,पूरा अधिकार नागरिक का है। हमने केवल सभी को यह ऐप उपलब्ध कराने के लिए कदम उठाया है। संचार मंत्री के इस बयान बाद सरकार ने स्मार्टफोन विनिर्माताओं के लिए सभी नए मोबाइल फोन में साइबर सुरक्षा ऐप 'संचार साथी' को पहले से अनिवार्य रूप से लगाने के निर्देश को बुधवार को वापस ले लिया। यह कदम उन बढ़ती चिंताओं को दूर करने के लिए उठाया है जिनमें कहा गया था कि इससे उपयोगकर्ता की निजता का उल्लंघन होने के साथ निगरानी का जोखिम हो सकता है। हालांकि, सरकार का संचार साथी ऐप के बारे में कहना है कि यह केवल चोरी हुए फोन का पता लगाने और ब्लॉक करने तथा उनके दुरुपयोग को रोकने में मदद करता है। ऐप स्टोर पर स्वैच्छिक रूप से डाउनलोड के लिए उपलब्ध रहेगा। संचार मंत्रालय ने एक बयान में कहा, 'सरकार ने मोबाइल विनिर्माताओं के लिए ऐप पहले से इंस्टॉल करने को अनिवार्य नहीं करने का फैसला किया है।' यह कदम विपक्षी दलों और निजता का समर्थन करने वालों के विरोध के बाद उठाया गया है। उनका कहना था कि ऐप कॉल सुनने के साथ-साथ संदेश भी पढ़ सकता है। ऐसा कहा जा रहा है कि एप्पल और सैमसंग जैसे कुछ विनिर्माताओं ने 28 नवंबर के आदेश पर अपनी आपत्ति जताई है।

# भोपाल गैस त्रासदी का असर

**योगेश कुमार गोयल**

1984 में 2-3 दिसम्बर की रात भोपाल में मौत ने ऐसा तांडव मचाया था, जिसके जख्म आज तक नहीं भरे हैं। भयानक गैस त्रासदी की उस घटना को पूरी दुनिया के औद्योगिक इतिहास की सबसे बड़ी और हृदयविदारक औद्योगिक दुर्घटना माना जाता है। 2-3 दिसम्बर 1984 को आधी रात के बाद यूनियन कार्बाइड इंडिया लिमिटेड (यूसीआईएल) से निकली जहरीली गैस 'मिथाइल आइसोसाइनाइट' ने हजारों लोगों की जान ली थी। उस जानलेवा त्रासदी से लाखों की संख्या में लोग प्रभावित हुए थे। दुर्घटना के चंद घंटों के भीतर ही कई हजार लोग मारे गए थे और मौतों का यह दिल दहलाने वाला सिलसिला उस रात से शुरू होकर कई वर्षों तक अनवरत चलता रहा। हालांकि इसी साल भोपाल के जहरीले कचरे का निपटान किया जा चुका है किन्तु भोपाल गैस कांड को 41 साल बीत जाने के बाद भी इसका असर पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है और इस त्रासदी से पीड़ित होने वालों के जख्म आज भी हरे हैं।

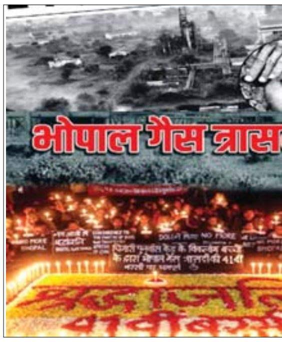


भोपाल गैस त्रासदी पत्थर दिल इंसान को भी इस कदर विचलित कर देने वाली थी कि हादसे में मारे गए लोगों को सामूहिक रूप से दफनाया गया था जबकि करीब दो हजार जानवरों के शवों को विसर्जित करना पड़ा था, आसपास के सभी पेड़ बंजर हो गए थे। एक शोध में यह तथ्य सामने आया है कि भोपाल गैस पीड़ितों की बस्ती में रहने वालों को दूसरे क्षेत्रों में रहने वालों की तुलना में किडनी, गले तथा फेफड़ों का कैंसर 10 गुना ज्यादा है। इसके अलावा इस बस्ती में टीबी तथा पक्षाघात के मरीजों की संख्या भी बहुत ज्यादा है। इस गैस त्रासदी में पांच लाख से भी ज्यादा लोग प्रभावित हुए थे, जिनमें से हजारों लोगों की मौत तो मौके पर ही हो गई थी और जो जिंदा बचे, वे विभिन्न गंभीर बीमारियों के शिकार होकर जीवित रहते हुए भी पल-पल मरने को विवश हैं। इनमें से बहुत से लोग कैंसर सहित बहुत सी गंभीर बीमारियों से जूझ रहे हैं और घटना के 40 साल बाद भी इस गैस त्रासदी के दुष्प्रभाव खत्म नहीं हुए हैं। विषैली गैस के सम्पर्क में आने वाले लोगों के परिवारों में इतने वर्षों बाद भी शारीरिक और मानसिक रूप से अक्षम बच्चे जन्म ले रहे हैं। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक गैस त्रासदी से 3787 की मौत हुई और गैस से करीब 558125 लोग प्रभावित हुए थे। हालांकि कई एनजीओ का दावा रहा है कि मौत का यह आंकड़ा 10 से 15 हजार के बीच था तथा बहुत सारे लोग अनेक तरह की शारीरिक अपंगता से लेकर अंधेपन के भी शिकार हुए। विभिन्न अनुमानों के मुताबिक करीब 8 हजार लोगों की मौत तो दो सप्ताह के भीतर ही हो गई थी जबकि करीब 8 हजार अन्य लोग रिसी हुई गैस से फैली संबंधित बीमारियों के चलते मारे गए थे।

हजारों लोगों के लिए काल बने और लाखों लोगों की जिंदगी बर्बाद कर देने वाले भोपाल में यूसीआईएल के कारखाने का निर्माण वर्ष 1969 में हुआ था, जहां 'मिथाइल आइसोसाइनाइट' (मिक) नामक पदार्थ से कीटनाशक बनाने की प्रक्रिया शुरू की गई थी। वर्ष 1979 में मिथाइल आइसोसाइनाइट के उत्पादन के लिए एक नया कारखाना खोला गया लेकिन भोपाल गैस त्रासदी की घटना के समय तक उस कारखाने में सुरक्षा उपकरण ठीक हालात में नहीं थे और वहां सुरक्षा के अन्य मानकों का पालन भी नहीं किया जा रहा था। उस कारखाने के टैंक संख्या 610 में निर्धारित मात्रा से ज्यादा एमआईसी गैस भरी हुई थी और गैस का तापमान निर्धारित 4.5 डिग्री के स्थान पर 20 डिग्री था। पाइप की सफाई करने वाले हवा के वेंट ने काम करना बंद कर दिया था। इसके अलावा बिजली का बिल बचाने के लिए मिक को कूलिंग स्तर पर रखने के लिए बनाया गया फ्रीजिंग प्लांट भी बंद कर दिया गया था। 3 दिसम्बर 1984 को इस कार्बाइड फैक्टरी से करीब 40 टन गैस का जो रिसाव हुआ, उसका एक बड़ा कारण माना गया कि टैंक नंबर 610 में जहरीली मिथाइल आइसोसाइनेट गैस के साथ पानी मिल जाने से रासायनिक प्रक्रिया होने के परिणामस्वरूप टैंक में दबाव बना और टैंक का अंदरूनी तापमान 200 डिग्री के पार पहुंच गया, जिससे धमाके के साथ टैंक का सेफ्टी वाल्व उड़ गया था और यह जहरीली गैस देखते ही देखते पूरे वायुमंडल में फैल गई। अचानक हुए जहरीली गैस के इस रिसाव से बने गैस के बादल हवा के झोंके के साथ वातावरण में फैल गए और इसकी चपेट में आने वाले लोग मौत की नींद सोते गए। जिन लोगों के फेफड़ों में सांस के जरिये गैस की ज्यादा मात्रा पहुंच गई, वे सुबह देखने के लिए जीवित ही नहीं बचे। बहुत सारे लोग ऐसे थे, जिन्होंने नींद में ही अपनी आखिरी सांस ली। लोगों को कुछ समझ नहीं आ रहा था कि आखिर यह सब हो क्या रहा है? दुर्घटना के चार दिनों बाद 7 दिसम्बर 1984 को यूसीआईएल अध्यक्ष एवं सीईओ वारेन एंडर्सन की गिरफ्तारी हुई थी किन्तु विड़म्बना देखिये कि इतने भयानक हादसे के मुख्य आरोपी को गिरफ्तारी के महज छह घंटे बाद मात्र 2100 डॉलर के मामूली जुर्माने पर रिहा कर दिया गया था। उसके बाद वह अवसर का लाभ उठाते हुए भारत छोड़कर अपने देश अमेरिका भाग गया, जिसे भारत लाकर सजा देने की मांग निरन्तर उठती रही लेकिन भारत सरकार अमेरिका से उसका प्रत्यर्पण कराने में विफल रही। 29 सितम्बर 2014 को वारेन एंडर्सन की मौत हो गई। इस हादसे से पर्यावरण को ऐसी क्षति पहुंची, जिसकी भरपाई सरकारें आज तक नहीं कर पाई हैं। सरकारों का रूख इस पूरे मामले में संवेदनहीन ही रहा। कई रिपोर्टों में इस क्षेत्र में भूजल प्रदूषण की पुष्टि होने के बाद भी सरकार द्वारा जमीन में दफन जहरीले कचरे के निष्पादन की कोई ठोस नीति नहीं बनाई गई। दरअसल इस भयावह गैस त्रासदी के बाद हजारों टन खतरनाक अपशिष्ट भूमिगत दफनाया गया था और सरकारों ने भी स्वीकार किया है कि यह क्षेत्र दूषित है। गैस रिसाव के करीब आठ घंटे बाद भोपाल को भले ही जहरीली गैस के असर से मुक्त मान लिया गया था किन्तु हकीकत यही है कि इस गैस त्रासदी के 41 वर्षों बाद भी भोपाल उस हादसे से उबर नहीं पाया है।

# राजनीतिक टकराव और संवाद की नयी चुनौती

**कांतिलाल मांडोत**

शीतकालीन सत्र हमेशा से राजनीतिक तापमान का आईना माना जाता रहा है। वर्ष के अंतिम महीने में जब केंद्र सरकार अपनी उपलब्धियों और नीतिगत प्रतिबद्धताओं को आगे बढ़ाने की कोशिश करती है, तब विपक्ष इसे जवाबदेही और जनहित के मुद्दों को उठाने के अवसर के रूप में देखता है। इसी उम्मीद और उत्सुकता के बीच 1 दिसंबर से आरंभ हुआ संसद का यह शीतकालीन सत्र, अपने पहले ही दिन उस सौहार्द्र और गंभीरता से दूर दिखाई दिया जिसकी एक लोकतांत्रिक संस्था से अपेक्षा की जाती है। पहले दिन राज्यसभा की कार्यवाही दोपहर 2 बजे तक स्थगित करनी पड़ी। कारण वही पुराना-हंगामा, नारेबाजी और तीखी राजनीतिक तल्खी। सत्र शुरू होते ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विपक्ष और सत्ता पक्ष दोनों को एक स्पष्ट संदेश दिया कि संसद का मंच राजनीति की लड़ाई का एरिना नहीं, बल्कि जनता के मुद्दों पर काम करने का स्थान है। उनकी टिप्पणी, सदन में ड्रामा नहीं, डिलेवरी चाहिए, में सिर्फ राजनीतिक व्यंग्य नहीं था, बल्कि कार्यसंस्कृति पर गंभीर चिंता का संकेत भी झलक रहा था। मोदी ने विपक्ष से यह भी कहा कि चुनाव परिणामों में पराजय मिलना राजनीतिक जीवन का अंग है, लेकिन पराजय की निराशा में डूबकर सदन को ठप कर देना लोकतांत्रिक मर्यादा के अनुकूल नहीं है। उन्होंने यह भी जोड़ा कि सरकार ट्रिप्स जैसी बहसों और विधायी चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार है, लेकिन यह तभी संभव है जब विपक्ष मजबूत मुद्दे उठाए और सहयोग की भावना दिखाए। अचानक इस्तीफे पर राजनीति का बवंडर तेज हुआ। सत्र की शुरुआत से पहले ही एक बड़ा राजनीतिक तूफ़ान उस वक्त खड़ा हो गया जब राज्यसभा के पूर्व सभापति जगदीप धनखड़ ने अचानक इस्तीफा दे दिया। मुख्यमंत्री, राज्यपाल और उपराष्ट्रपति जैसे पदों को संभाल चुके धनखड़ के इस निर्णय ने राजनीतिक हलचल बढ़ा दी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने इसे असामान्य कदम बताते हुए सवाल किया कि इतनी बड़ी संवैधानिक जिम्मेदारी छोड़ने के पीछे कौन-सा दबाव या परिस्थिति रही होगी।

खड़गे की टिप्पणी पर भाजपा अध्यक्ष जे.पी. नड्डा ने तीखी प्रतिक्रिया दी और कहा कि अगर खड़गे जी को इस विषय में बहुत तकलीफ हो रही है तो उन्हें डॉक्टर को दिखाना चाहिए। यह बयान दर्शाता है कि आने वाले दिनों में सत्ता और विपक्ष के बीच वाद-विवाद कैसे मोड़ ले सकता है। सत्र का एजेंडा बड़ा, लेकिन माहौल गर्म है। शीतकालीन सत्र 1 दिसंबर से 19 दिसंबर तक आयोजित होना है। कुल 15 बैठकें प्रस्तावित हैं और सरकार लगभग 10 विधेयक पेश करने की तैयारी में है। इनमें तंबाकू और पान मसाला पर सेस लगाने वाला बिल, दिवाला कानून में सुधार, और जनविश्वास संशोधन जैसे महत्वपूर्ण विधायी प्रस्ताव शामिल हैं। संसदीय समितियों को भी कई रिपोर्टें प्रस्तुत करने के लिए अतिरिक्त समय दिया गया है। लेकिन पहले ही दिन विपक्ष ने एसआईआर मुद्दे पर जोरदार हंगामा किया। इससे सरकार के विधायी कार्यक्रम पर अनिश्चितता के बादल मंडराते नजर आए। सरकार का आरोप है कि विपक्ष बिना पर्याप्त चर्चा के सिर्फ बाधा उत्पन्न करने की रणनीति अपना रहा है। वहीं विपक्ष कहता है कि उसके सवालों का संतोषजनक उत्तर नहीं दिया जा रहा और सरकार संवेदनशील मुद्दों पर चर्चा से बच रही है। प्रधानमंत्री मोदी ने सदन में हो रहे व्यवधानों पर स्पष्ट अपील की। मेरी चिंता यह है कि सदन चले। जनता हम सब से काम की उम्मीद करती है। सत्र की शुरुआत में सी.पी. राधाकृष्णन को राज्यसभा के नए सभापति के रूप में स्वागत किया गया। मोदी ने उनके अनुभव की सराहना करते हुए उम्मीद जताई कि उनके नेतृत्व में सदन की कार्यवाही अधिक गरिमामय और प्रभावी होगी। लेकिन स्वागत समारोह के माहौल में भी दलगत राजनीति की तल्खी कम नहीं हुई। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने खड़गे पर आरोप लगाया कि उन्होंने पूर्व राष्ट्रपति के लिए अनुचित शब्द बोले। यह आरोप भी सत्र के शुरुआत में तनाव का एक और सूत्र बन गया। विपक्ष के भीतर भी समानता नही लेकिन भिन्न आवाजेंसुनाई दी। हंगामे के इस माहौल में विपक्ष के भीतर भी अलग-अलग स्वर सुनाई दिए। गोगोई ने कहा कि अगर विपक्ष के मुद्दों को सत्र में उचित स्थान और चर्चा मिले, तो वे सरकार के सभी विधेयकों पर सहयोग करने को तैयार हैं। यह बयान संकेत देता है कि विपक्ष की मंशा केवल हंगामा करना नहीं है, बल्कि बहस और संवाद भी चाहता है। यदि उसे सम्मानजनक अवसर मिले।

हालाँकि, इस बीच राहुल गांधी सदन से उस समय बाहर निकल गए जब कार्यवाही हंगामे के कारण रुकावट का सामना कर रही थी। यह घटना भी राजनीतिक व्याख्याओं का विषय बनी। इस बीच चिराग पासवान ने कहा कि हंगामा छवि चमकाता है, काम नहीं, लोक जनशक्ति पार्टी के नेता चिराग पासवान ने विपक्ष के विरोध को लेकर व्यंग्यात्मक टिप्पणी की। हंगामा करने वाला अपनी छवि चमकाता है, लेकिन काम नहीं करता। पासवान के इस वक्तव्य ने सत्ता पक्ष की उस भावना को मजबूत किया, जिसमें वे कहते हैं कि विपक्ष सिर्फ नकारात्मक राजनीति कर रहा है और संसद के संचालन में बाधा डाल रहा है। सत्र के पहले दिन जिस प्रकार कार्यवाही बाधित हुई, उसने इस विवाद को फिर जन्म दिया कि क्या लगातार हंगामे के माध्यम से विपक्ष अपनी भूमिका को कमजोर कर रहा है, या यह उनके लिए मजबूरी है क्योंकि सरकार उन्हें बोलने का पर्याप्त अवसर नहीं देती?सत्ता पक्ष का तर्क है कि हंगामा लोकतांत्रिक परंपराओं के खिलाफ है। संसद बहस, विचार और नीतिगत विमर्श का स्थान है, और लगातार व्यवधान से न सिर्फ विधायी कामकाज रुकता है, बल्कि जनता का विश्वास भी डगमगाता है। विपक्ष का दावा है कि संवेदनशील मुद्दों पर सरकार की चुप्पीऔर अड़ियल रवैया उन्हें कठोर कदम उठाने पर मजबूर करता है। लोकतंत्र का बड़ा सवाल है किसदन में पहले दिन की उथल-पुथल इस बात का संकेत है कि आने वाले दिनों में शीतकालीन सत्र किसी राजनीतिक परीक्षा से कम नहीं होगा। सरकार जहां विकास, अर्थव्यवस्था, सामाजिक कल्याण और प्रशासनिक सुधारों पर विधायी एजेंडा आगे बढ़ाना चाहती है, वहीं विपक्ष अधिक आक्रामक और तप्त सवालों के साथ तैयार बैठा है। इस सत्र की असली कसौटी यह होगी कि क्या संसद अपने मूल दायित्व जनता के लिए कानून बनाना और शासन पर निगरानी रखना, को पूरा कर पाएगी या फिर राजनीतिक ध्रुवीकरण इसे फिर से जाम कर देगा? लोकतंत्र का सार संवाद है, और संवाद के लिए बहस काअधिकार भी उतना ही महत्वपूर्ण है जितना संयम का। पहले दिन की घटनाओं ने देश को सोचने पर मजबूर कर दिया है कि क्या हमारा राजनीतिक वर्ग इस संतुलन को पुनः स्थापित कर पाएगा। शीतकालीन सत्र की यह आरंभिक हलचल संकेत देती है कि आने वाले 18 दिन शांत नहीं रहने वाले। परंतु यदि सत्ता और विपक्ष अपने-अपने राजनीतिक हितों के ऊपर राष्ट्रहित को प्राथमिकता दें, तो यह सत्र महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ दे सकता है। अंततः संसद जनता की उम्मीदों का मंच है। और इन उम्मीदों को पूरा करने के लिए चाहिए न ड्रामा, न आरोपों का तूफान, बल्कि ठोस कार्य, सार्थक बहस और लोकतांत्रिक परिपक्वता। यह तभी सम्भव है, जब विपक्ष इस बात को समझे और समझकर उनकी जवाबदेही पर पुनः विचार करे।

# सर्दी में शादियों का शोर व पहनावे का दौर

**इस समझौते के तहत गर्म कपड़े लेकर गए लेकिन हमजोलियों की कम्बख्त सेल्फियों ने ना मेरा भी हौसला झुकने नहीं दिया तो बेचारी शॉल देवी सवारी पर ही रह गई लेकिन हम पर सवार नहीं हो सक़ी।**

**सारिका सिंह**

आजकल के गुनगुने मौसम वाली शादियाँ मजेदार होती हैं, जहाँ खाने-पीने की आज़ादी होती है और पहनने-ओढ़ने की कोई पाबन्दी भी नहीं होती और पाबन्दी हो भी तो कौन सी हमारी कौम (महिलाएं ) मान जाने वाली है। बर्फ ही पड़ती रहे लेकिन एक पतली सी बारीक शॉल की भी इतनी जुर्रत नहीं कि हमारी सोच, हमारे अस्तित्व या हमारे दायरे की दहलीज़ को भी छू सके। इधर कई बार से जब भी जाड़े की शादियों में गई तो ठंड से लड़ाई लड़ने का मन नहीं किया। इस समझौते के तहत गर्म कपड़े लेकर गए लेकिन हमजोलियों की कम्बख्त सेल्फियों ने ना मेरा भी हौसला झुकने नहीं दिया तो बेचारी शॉल देवी सवारी पर ही रह गई लेकिन हम पर सवार नहीं हो सक़ी।

कुछ कपड़ों की किस्मत संदूक तक की ही होती है। इन जाड़े के कपड़ों की किस्मत ऐसी ही है। खासकर मेरी उम्र की मोहतरमाओं की। हम बेचारियां ना ज्यादा जड़ा ही पा रहीं ना ही जाड़ा बर्दाश्त ही कर पा रही और इधर जतन से खरीदे हमारे जाड़े के कपड़े आलमारियों में बंद ऊंघ से रहे लेकिन ना निकाले जा रहे ना ही निकल ही पा रहे। इन बेचारों की अकुलाहट इतनी है कि आलमारी खुली नहीं कि एक दो तो बेहोश होकर उलट पड़ते हैं जैसे कह रहे हो कि बहन अब हम हमारी ही गर्मी से पिघल लेंगे।बात शादी की करनी थी और मै अपने कर्मों की कारस्तानी गिनाने लगी छोड़िये आगे की सुनिए. .दूसरों की शादियाँ बचपन से मुझे बहुत रोमांचक लगती थी। अपनी शादी का रोमांच याद नहीं है क्यूंकि (पंडित, नाउन और पुरखिनों की कवायदों से आधे टाइम तो लगता रहा था कि भईया निपटे किसी तरह और हम भी खाली हो)। लेकिन दूसरों की शादियों की बात ही अलग थी। खुद के लिए कितना वक़्त और तैयारी करने की कितनी ललक होती है ये आप बौराई हम जैसी जनानियों से पूछिए या फिर दर्जी -दुकानदार से तो पता चले।

इसके इतर पहले की शादियाँ साधारण होती थी जहाँ बेकरारी और बेचैनी अपनी इज़्ज़त सँभालने की ज्यादा थी और दिखावे की होड़ कम थी। लेकिन हम सब के लिए उनकी कीमत क्या थी कैसे चंद शब्दों में लिख कर फ़ारिग हो जाऊं सोच नहीं पा रही। मेरा बचपन गाँव के खूबसूरत दिनों में बीता और शादियों का मौसम उसको ऐसा रंगीन बना देता था कि भूले नहीं भूलता। क्यूंकि सदा से शांत और सुलझी रहने वाली मेरी माँ भी रह-रह कर गीत गुनगुनाने लगती थी बात बे बात भूले-बिसरे गीतों को याद करने लगती थी।

मुझे बदली बदली सी मम्मी बहुत अच्छी लगती थी। मम्मी अपने समय की सुपरस्टार थीं क्यूंकि एक तो गाँव भर की चहेती ऊपर से चटक मजेदार सब्जियों के स्वाद की प्रणेता और सारे बड़े बर्तनों जैसे बड़ी कढ़ाही, पीतल के हंडे ,बड़े बटुले और तिरपाल ,बड़े-बड़े कढ़ाह और भगोने बरबस और जबरी उनके घरों तक भिजवाने की अकेली जिम्मेदार। क्यूंकि तब के गाँव में ना लोग ऐसे ही सबकी मदद करते थे और एक दूसरे के साथ खड़े होते थे। क्यूंकि तब शायद खुद की इज़्ज़त से ज्यादा कुनबे की इज़्ज़त बड़ी थी। खैर तब के गाँव और आज के बिकल होते शहरी गाँव में उतना ही फर्क है जितना मुंबई और कोल्हापुर में चाहकर भी दोनों एक जैसे बन नहीं पा रहे।

शादियों की आजवाली रौनक किसी परिस्तान जैसी लगने लगी है जिनके बीच से जोड़े आजकल स्टेज तक लाये जाते हैं और धुएँ और मखमली फुहार से एक जादूई माहौल सा बनाया जाता है। मेरी खुद की शादी का 23वां साल लगा है। लेकिन हर शादी में कसम से एक कसक सी लगती है कि हाय रे मेरी शादी में भी ये होना चाहिए था, ऐसे मनभावन जलसे लोग शादियों में करने लगे हैं।लेकिन परिपक्वता ना बेचारगी महसूस करती है कि क्या लोग सादगी की खूबसूरती नहीं देख पा रहे क्या वाकई शादी को जलसा ही बनाना चाहिए?

क्या दो चार व्यंजनों से पेट नहीं भरेगा या उबकने तक पेट भर लेना हमारी मज़बूरी होती जा रही। बात थोड़ी अजीब लगेगी आपको लेकिन वाकई में मै शादियों में जूठी बिखरी तस्तरियों की बची बेचारी रोटियों और व्यंजनों को देखती हूँ जो मेहमानों नें ऊब कर फेंका होता है। क्या फेंक देना ही आखिरी हल है?

आप मानिये या ना मानिये दोष मेजबानी और मेहमानी दोनों में ही है। मेजबान को भी अपने हिस्से की जिम्मेदारी ये सोच कर निभानी है कि उतना ही बने कि जितना खा सकें और मेहमान को भी ये शउर आना ही चाहिए कि उतना ही लो थाली में कि व्यर्थ ना जाये नाली में।मेरे लिख लेने से क्या हो जायेगा और आपके पढ़ने से भी क्या होगा आने वाले दिनों में और भी शादियों के जलसे होंगे ,हम फिर से वही सब देखेंगे और करेंगे।जिसके पास पैसे रूपये की दिक्कत नहीं है वह अपने ठाठ की रौनक देखेगा जिसके पास साधन सीमित है वो कर्ज़ा लेगा या फिर कर्ज़े के बोझ को कलेजे पे धरेगा और वही करेगा जो सब कर रहे। खाने वाले फेंकते रहेंगे और बनवाने वाला अपना जिगरा पत्थर सा करके जस के तस यन्त्रवत चलता रहेगा ....

क्यूंकि जीवन एक संघर्ष है

या फिर पुष्पा फ़िल्म का डायलॉग याद करिये कि झुकेगा नहीं

## आप की बात

### लापरवाही की आग?

पिछले काफी समय से आग या लापरवाही से होने वाली आग की घटनाएं बढ़ती जा रही है. कभी इस इस शहर तो कभी उस शहर में, कभी कार में तो कभी बस/ट्रक में, कभी घर में तो कभी बहुमंजिलों में, यहाँ तक कि आग की लपटें आत्महत्याओं तक पहुँच रही हैं. इन सब घटनाओं के पीछे शार्टसर्किट हो सकता है या फिर गाड़ियों के टकराने व पेट्रोल बहने से भी हो सकता है. मानसिक तनाव/प्रताड़ना के कारण आग की लपटों में आत्महत्याओं की बातें भी सामने आयी हैं. ए.सी. बसों में आग की घटनाएं भी बढ़ी हैं जिसकी वजह से जान-मॉल का भारी नुकसान भी हुआ है. बसों में सही रखरखाव न होना, खुद के द्वारा यातायात नियमों का पालन न करना और प्रशासनिक शिथिलता भी दुर्घटनाओं की वजहें बनती जा रही हैं. आग की घटनाएं बढ़ने से कैसे रुके इस हेतु सभी को मिलकर प्रयास करने चाहिए फिर चाहे वे व्यक्तिगत हों या, समूह में अथवा प्रशासनिक. क्योंकि आग तो आग ही होती है फिर चाहे वो लापरवाही की हो या संदेहास्पद परिस्थितियों की. इन्हें रोकना सबका फर्ज है, क्या-क्या सावधानियां बरती जा सकती हैं और क्या-क्या उपाय किये जा सकते हैं इस पर ध्यान दें आम लोग भी और शासन/प्रशासन भी. ताकि अनहोनियों को टाला जा सके और जान-माल की रक्षा की जा सके.

**शकुंतला महेश नेनावा,57, गिरधर नगर, इंदौर (म.प्र.).**

### लंका फिर जलेगी

तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी का यह बयान कि ''सिंगल लोग हनुमान को मानते हैं, शादीशुदा अलग, शराब पीने वाले अलग, मुर्गा काटने वाले अलग, दाल-चावल खाने वाले अलग, हर समूह का अपना भगवान'' न सिर्फ हास्यास्पद है, हिंदू धर्म की गहन दार्शनिक विविधता पर अज्ञानता की पराकाष्ठा है। हिंदू धर्म में तीन करोड़ नहीं, तीन करोड़ रूप हैं ईश्वर के।

यही एकेश्वरवाद का उदार और वैज्ञानिक स्वरूप है, जहाँ एक ही परम तत्व को अलग-अलग स्वभाव, जरूरत और संस्कृति के अनुसार पूजा जाता है। यह विविधता कमजोरी नहीं, हमारी सभ्यता की ताकत है। रेवंत रेड्डी शायद भूल गए कि जिस हनुमान को वे ''सिंगल लोगों का भगवान'' कहते हैं, वही हनुमान विवाहित रामभक्तों की आस्था भी हैं। वही हनुमान लाखों लोगों को शराब और बुरी आदतों से दूर करने की प्रेरणा देते हैं। क्या यह विविधता नहीं कि एक ही देव हजारों रूपों में सबकी पुकार सुनते हैं? यह बयान नास्तिकता नहीं, सतही समझ का प्रमाण है। जो अपनी संस्कृति का मजाक उड़ाता है, वह सत्ता के लायक कैसे हो सकता है? हिंदू समाज इस अपमान को सहन नहीं करेगा। जय श्रीराम!

**प्रो. आरके जैन ''अरिजीत'', बड़वानी (मप्र)**

### ऊर्जा बहुत लगी, तर्क प्रस्तुत करने में शून्य

मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर जिस तरह अचानक राजनीतिक तूफान खड़ा किया गया, वह दर्शाता है कि कुछ दल इस प्रक्रिया को सुधार नहीं, बल्कि खतरा मानकर देख रहे हैं। बिहार में एसआईआर का निर्णय सामने आते ही इसे ''वोट चोरी'' का नया नारा दे दिया गया। कांग्रेस व राजद ने आरोपों के सहारे यह धारणा गढ़नी चाही कि यह पूरा अभ्यास उनके समर्थकों के वोट काटकर भाजपा को लाभ पहुंचाने की साजिश है। आरोप लगाने में ऊर्जा बहुत लगी, परंतु तर्क प्रस्तुत करने में लगभग शून्य। सबसे पहले सवाल यही उठता है कि क्या बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) किसी एक दल की विचारधारा पर चलते हैं? और क्या उन्हें यह ज्ञान होता है कि कौन व्यक्ति किस पार्टी को वोट देता है? इन प्रश्नों का उत्तर खुद जनता जानती है, पर उन्हें कभी सामने नहीं रखा गया। बिहार में एसआईआर के दौरान एक ओर विपक्ष ''वोटर अधिकार यात्रा'' निकालता रहा, दूसरी ओर सुप्रीम कोर्ट में याचिकाएं दायर होती रहीं। लेकिन जैसे-जैसे चुनाव नजदीक आए, वास्तविकता सामने आने लगी। सर्वोच्च न्यायालय ने स्पष्ट कहा कि एसआईआर में कोई अनियमितता नहीं पाई गई। इसके बावजूद संसद में ''वोट चोरी'' का हंगामा जारी रहा।

**विभूति बुपक्या, लॉ स्टूडेंट, दिल्ली यूनिवर्सिटी ,दिल्ली.**

### चुनाव आयोग ने 7 दिन का समय बढ़ाया

एस आई आर की ड्यूटी के दौरान जान गँवाने वाले कर्मचारियो की मौत कोई साधारण आँकड़ा नहीं है यह एक गहरा मानवीय संकट है। पश्चिम बंगाल में इन कर्मचारियों का संकट भारी दिखाई देता है जहां काम का बोझ के कारण बड़ी संख्या में के कर्मचारी मृत्यु के शिकार हुए हैं। चुनाव आयोग ने घटनाक्रम को देखते हुए 7 दिन का समय बढ़ा दिया है,जोकि देर से लिया हुआ कदम है जिसका स्वागत किया जाना चाहिए। सच तो यह है कि इस प्रक्रिया में भारी जटिलता सामने आई हैं जिस कारण मनोवैज्ञानिक दबाव इन कर्मचारियों पर लगातार पड़ रहा है। सरकार और राजनीतिक दल को यह समझना होगा कि ये कर्मचारी कोई मशीन नहीं हैं जो बिना रुके, बिना थके काम करते रहें। उनकी जान की कीमत सिर्फ दस-बीस-तीस लाख रुपये में नहीं आँकी जा सकती। अगर हम वाकई उनके बलिदान की इज्जत करते हैं तो सिर्फ श्रद्धांजलि और मुआवजा देना काफी नहीं है बल्कि ऐसी व्यवस्था बनानी होगी कि अगले चुनाव प्रक्रिया या मतदाता गहन प्रशिक्षण में एक भी कर्मचारी की जान न जाए। यह न सिर्फ मानवीय दायित्व है बल्कि लोकतंत्र के प्रति सच्ची निष्ठा भी है।

**वीरेंद्र कुमार जाटव, दिल्ली**

पाठकगण अपने विचार responsemail.hindipioneer@gmail.com पर भेज सकते हैं।

कल्पमेधा

*आलोचना वर्षा की उन बूंदों जैसी हो, जिससे व्यक्ति जड़ से न उखड़े और आगे बढ़ता रहे।*

– फ्रेंक जे क्लार्क

## समय पर समझ

सरकार ने हाल में आदेश दिया कि स्मार्टफोन में साइबर सुरक्षा एप 'संचार साथी' को पहले से ही अनिवार्य रूप से 'इंस्टाल'करना होगा। साथ ही मौजूदा मोबाइल फोन पर अद्यतन के माध्यम से इसे लगाने का निर्देश दिया गया। इससे एक नया विवाद पैदा हो गया। विपक्षी दलों समेत सामाजिक कार्यकर्ताओं ने यह तर्क देकर इसका विरोध किया कि यह आदेश मोबाइल उपयोगकर्ताओं की निजता के अधिकार का उल्लंघन है। आशंका जताई गई कि इस एप के इस्तेमाल से लोगों की गतिविधियों की निगरानी की जा सकती है। सड़क से लेकर संसद तक इस विरोध की गूंज सुनाई देने पर सरकार ने बुधवार को अपना आदेश वापस ले लिया। सवाल है कि सरकार को 'संचार साथी' एप की सुविधा स्मार्टफोन में पहले से देने की अनिवार्यता क्यों महसूस हुई? अगर इसका उद्देश्य लोगों को साइबर धोखाधड़ी से बचाना है, तो क्या इस सुविधा को ऐच्छिक तौर पर लागू नहीं किया जा सकता था? लोगों को अपने मोबाइल में कौन सा एप रखना है और कौन सा नहीं, इसका निर्णय अगर सरकार करने लगे, तो आशंकाएं पैदा होना स्वाभाविक है।

इसमें दोराय नहीं है कि तेजी से डिजिटल होती दुनिया में साइबर धोखाधड़ी और इससे जुड़े अन्य अपराधों का दायरा बढ़ता जा रहा है। केंद्रीय गृह मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, पिछले वर्ष 22.68 लाख नागरिक साइबर अपराध का शिकार हुए, जिन्होंने करोड़ों रुपए की अपनी खून-पसीने की कमाई गंवा दी। पिछले दिनों सर्वोच्च न्यायालय ने भी साइबर फर्जीवाड़े से जुड़ी 'डिजिटल अरेस्ट' की बढ़ती वारदातों पर चिंता जताते हुए कहा था कि सरकार को इस तरह के अपराध से निपटने के लिए प्रभावी कदम उठाने चाहिए। ऐसे में सरकार अगर इस दिशा में कोई ठोस उपाय करती है, तो उसका स्वागत किया जाना चाहिए। मगर, इसमें लोगों की निजता का पहलू भी महत्त्वपूर्ण है। क्या अपराध या जोखिम से बचाव के लिए किसी ऐसे औजार का इस्तेमाल अनिवार्य किया जा सकता है, जो लोगों में नई तरह की असुरक्षा को लेकर आशंकाएं पैदा कर दें? वैसे भी 'संचार साथी' पहले से ही इंटरनेट पर 'सर्च इंजन' पर मौजूद है और सरकार इसे अनिवार्य रूप से इस्तेमाल में लाने के बजाय लोगों को इसे अपने स्मार्ट फोन में लगाने के लिए प्रोत्साहित कर सकती है।

हालांकि, सरकार की ओर से स्पष्ट किया गया कि मोबाइल उपयोगकर्ता के पास 'संचार साथी' एप को हटाने का विकल्प मौजूद रहेगा। मगर, विपक्षी दलों का तर्क था कि सरकार के आदेश में कहा गया है कि इस एप को इस तरह लगाया जाए कि इसे न तो हटाया और न ही प्रतिबंधित या अक्षम किया जा सके। बहरहाल, सरकार ने तमाम आशंकाओं और विरोध के बीच अनिवार्यता के अपने आदेश को वापस ले लिया है और साथ ही इस बात को दोहराया है कि इसका उद्देश्य केवल लोगों को साइबर धोखाधड़ी और मोबाइल चोरी जैसी घटनाओं से बचाना था। चूंकि, इस तरह की वारदातें लगातार बढ़ रही हैं, इसलिए यह भी जरूरी है कि कम जागरूक नागरिकों के पास सुरक्षा के विकल्प होने चाहिए, लेकिन इनकी विश्वसनीयता तभी होती है, जब ये ऐच्छिक हों। इस बीच यह खबर भी आई कि मंगलवार को छह लाख नागरिकों ने 'संचार साथी' एप डाउनलोड करने के लिए पंजीकरण कराया है। इससे साफ है कि किसी तरह की अनिवार्यता लागू करने की बजाय लोगों को इस संबंध में व्यापक रूप से जागरूक करने की जरूरत है।

## रुपए में गिरावट

पिछले कई दिनों से घरेलू शेयर बाजार में अनिश्चितता, कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर असमंजस के बीच भारतीय मुद्रा भी कमजोर हो रही है। रुपया बुधवार को पच्चीस पैसे टूट कर 90.21 प्रति डालर के सर्वकालिक निचले स्तर पर आ गया। पिछले पांच दिनों से यह गिरावट देखी जा रही है। सवाल है कि डालर के मुकाबले भारतीय मुद्रा का मूल्य क्यों गिरता जा रहा है? यह निराशाजनक है कि दुनिया के प्रमुख देशों की मुद्रा की तुलना में रुपया कमजोर होता चला गया है। इसकी बड़ी वजह डालर की बढ़ती मांग के साथ विदेशी निवेशकों की शेयर बाजार से मुनाफावसूली भी मानी जा रही है। इसके अलावा इस बात से भी इनकार नहीं किया जा सकता कि भारत पर अमेरिकी शुल्क लगाने का भी रुपए पर प्रतिकूल असर पड़ा है। मगर सवाल है कि भारतीय रिजर्व बैंक रुपए को संभालने के लिए ठोस एवं प्रभावी कदम क्यों नहीं उठा पा रहा है?

इसमें कोई दोराय नहीं है कि अमेरिकी शुल्क की घोषणा के बाद से विदेशी निवेश का प्रवाह कम हुआ है और इसका असर घरेलू शेयर बाजार भी पड़ा है। मगर ऐसा लगता है कि सरकार इस स्थिति को शायद गंभीरता से नहीं ले रही है। मुख्य आर्थिक सलाहकार वी अनंत नागेश्वरन का मानना है कि भारतीय मुद्रा में गिरावट चिंता का विषय नहीं है, क्योंकि इसका महंगाई या निर्यात पर कोई असर नहीं पड़ने जा रहा। उन्होंने अगले वर्ष की शुरुआत में डालर के मुकाबले रुपए में सुधार की उम्मीद जताई है। मगर अभी जिस हिसाब से भारतीय मुद्रा में गिरावट का सिलसिला जारी है, उसमें कितना और कैसे सुधार होगा, फिलहाल इसकी कोई साफ तस्वीर नजर नहीं आ रही है। बाजार में नरमी के बीच निवेशकों की जो आशंकाएं है, उन्हें कौन दूर करेगा? जाहिर है कि इस सूरत में रिजर्व बैंक को रुपए के समर्थन में मजबूती से हस्तक्षेप करना होगा। भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौता होने के बाद भी रुपए में गिरावट थमेगी या नहीं, यह कहना अभी मुश्किल है। रुपया और कमजोर न हो, इसके लिए अब सभी स्तरों पर कदम उठाने की जरूरत है।

# पर्यावरण के लिए मुसीबत बना प्लास्टिक

**प्लास्टिक ने भले ही हमारे जीवन को आसान बना दिया है, लेकिन इससे होने वाला प्रदूषण आज विश्व स्तर पर चिंता का विषय बन गया है। यह न केवल भूमि, बल्कि जल और वायु को भी प्रदूषित कर रहा है, जिससे मनुष्य, पशु-पक्षियों और समुद्री जीवों पर संकट मंडराने लगा है।**

अर्चना कुमारी

ऐसा लगता है कि आधुनिक जीवनशैली में प्लास्टिक एक अनिवार्य तत्त्व बन गया है। यह भले ही सस्ता, टिकाऊ और बहुपयोगी होता है, लेकिन यही प्लास्टिक आज हमारे पर्यावरण के लिए एक गंभीर संकट बन चुका है। प्लास्टिक प्रदूषण विश्व स्तर पर चिंता का विषय है और यह न केवल भूमि को, बल्कि जल और वायु को भी प्रदूषित कर रहा है। यह प्रदूषण मनुष्य, पशु-पक्षियों और समुद्री जीवों समेत संपूर्ण पारिस्थितिकी तंत्र को प्रभावित कर रहा है। यही वजह है कि आज दुनियाभर के लिए प्लास्टिक कचरा बड़ी मुसीबत बन चुका है। विश्व स्तर पर हर वर्ष लगभग चार करोड़ लाख टन प्लास्टिक कचरा उत्पन्न होता है, जो पिछले दो दशकों में तेजी बढ़ा है। इसमें से लगभग अस्सी लाख टन प्लास्टिक समुद्रों में पहुंचता है, जिससे समुद्री जीवों की करीब सात सौ प्रजातियों पर गंभीर खतरा मंडरा रहा है। भारत में भी लगभग 56 लाख टन प्लास्टिक कचरा प्रतिवर्ष पैदा हो रहा है, जिसका पर्यावरण पर प्रतिकूल असर साफ तौर पर देखा जा रहा है।

हाल के वर्षों में प्लास्टिक प्रदूषण के प्रभाव को लेकर जो कुछ स्पष्ट हुआ है, उसमें जलवायु परिवर्तन के साथ इसका बढ़ता संबंध भी शामिल है। यह ऐसे समय में चिंता बढ़ा रहा है, जब दुनिया जलवायु परिवर्तन के कारण कई तरह के संकट का सामना कर रही है। वास्तव में प्लास्टिक दुनिया के लिए एक बड़ा खतरा बनता जा रहा है और वैश्विक तापमान 1.5 डिग्री सेल्सियस से नीचे रहने में भी यह बाधा पैदा करता है। ऐसा इसलिए है, क्योंकि प्लास्टिक के पुनर्चक्रण में ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन होता है। प्लास्टिक के उत्पादन और उपभोग में पृथ्वी के कुल ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन का लगभग 3.3 फीसद हिस्सा शामिल है। ये देखने में मामूली लग सकता है, लेकिन प्लास्टिक का हमारी पृथ्वी पर दुष्प्रभाव व्यापक है। ऐसे में ये याद करना जरूरी है कि प्लास्टिक की थैली या पानी की बोतल जो हम फेंक देते हैं, वह हमारी धरती के लिए कितनी बड़ी मुसीबत बन गई है। प्लास्टिक का कचरा न सिर्फ हमारे आस-पास गंदगी फैलाता है, बल्कि ये धरती को गर्म करने वाली गंभीर समस्या जलवायु परिवर्तन को भी गति देता है।

बदलते जलवायु और वैश्विक ताप की वजह से हिमनद तेजी से पिघल कर समुद्र का जलस्तर बढ़ा रहे हैं। इससे समुद्र किनारे बसे अनेक कस्बों एवं महानगरों के डूबने का खतरा मंडराने लगा है। बीते दो दशक में ये स्पष्ट हुआ है कि वैश्वीकरण की नवउदारवादी और निजीकरण की प्रक्रिया ने हमारे सामने बहुत-सी चुनौतियां खड़ी कर दी है। जिससे आर्थिक विकास के माडल लड़खड़ाने लगे है। मौजूदा वक्त में पूरी दुनिया विभिन्न पर्यावरणीय चुनौतियों से जूझ रही है। इनसे निपटने के लिए राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न प्रकार के प्रयास भी किए जा रहे हैं। मगर, मौजूदा चुनौतियों के सामने ये प्रयास कारगर साबित नहीं हो रहे हैं। यह सर्वविदित है कि इंसान और प्रकृति के बीच गहरा संबंध है। इंसान के लोभ, सुविधावाद एवं तथाकथित विकास की अवधारणा ने पर्यावरण का भारी नुकसान पहुंचाया है, जिस कारण न केवल नदियां, वन, रेगिस्तान, जलस्रोत सिकुड़ रहे हैं, बल्कि हिमनदों के पिघलने की रफ्तार भी तेज हो रही है। तापमान का 50 डिग्री पार करना वास्तव में खतरे का संकेत है, जिससे

मानव जीवन भी असुरक्षित होता जा रहा है। बढ़ते तापमान ने न केवल जीवन को जटिल बनाया है, बल्कि इससे अनेक लोगों की जान भी गई है। पूरी दुनिया में बढ़ता प्लास्टिक प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन जैव विविधता विनाश का एक जहरीला मिश्रण बनता जा रहा है। यह स्वस्थ भूमि को

> **पिछली सदी में जब प्लास्टिक का आविष्कार हुआ, तो उसे विज्ञान और मानव सभ्यता की बहुत बड़ी उपलब्धि माना गया था। अब जब हम न तो इसका विकल्प तलाश पा रहे हैं और न इसका उपयोग रोक पा रहे हैं, तो क्यों न इसे विज्ञान और मानव सभ्यता की एक बड़ी असफलता मान लिया जाए? एक नई रपट के अनुसार, दुनिया भर में प्लास्टिक का उत्पादन हर साल 8.4 फीसद की दर से बढ़ रहा है, जबकि इसके पुनर्चक्रण की दर सिर्फ 9.5 फीसद है। यह असंतुलन न केवल धरती पर प्लास्टिक कचरे का पहाड़ खड़ा कर रहा है, बल्कि इंसानों और जीव-जंतुओं की सेहत पर भी गंभीर असर डाल रहा है।**

रेगिस्तान में बदल रहा है, समृद्ध पारिस्थितिकी तंत्र को कमजोर कर रहा है और इससे मानव जीवन पर तरह-तरह के खतरे पैदा हो रहे हैं।

विदित रहे कि प्लास्टिक की खोज वर्ष 1907 में की गई थी, बहुत कम समय में ही इसका उपयोग बढ़ गया। कभी वरदान समझा जाने वाला प्लास्टिक आज दुनिया के लिए बड़ी समस्या बन चुका है। भले ही प्लास्टिक ने हमारे जीवन को काफी आसान बनाया है, लेकिन दूसरी तरफ यह आज धरती के लिए एक बड़ी चुनौती भी बन गया है। सस्ता और टिकाऊ होने की वजह से प्लास्टिक का उपयोग बड़े पैमाने पर हो रहा है। इस कारण हर साल लाखों टन का प्लास्टिक कचरा पैदा होता है, जोकि पर्यावरण को गंभीर नुकसान पहुंचाने का काम करता है।

प्लास्टिक कचरा नदियां, समुद्र, वायु हर जगह फैल चुका है, इसलिए इसे वैश्विक आपदा की संज्ञा देना गलत नहीं होगा। आज प्लास्टिक प्रदूषण दुनिया के हर कोने में फैल चुका है, यह हमारे पीने के पानी, भोजन और पर्यावरण में समा रहा है। इस स्थिति में प्लास्टिक कचरे की गंभीर समस्या से निपटने के लिए वैश्विक संकल्प की जरूरत है। यह अब सिर्फ पर्यावरण का मुद्दा नहीं, बल्कि वैश्विक मानव अस्तित्व और स्वास्थ्य के लिए भी एक गंभीर खतरा बन चुका है। पिछली सदी में जब प्लास्टिक के विभिन्न रूपों का आविष्कार हुआ, तो उसे विज्ञान और मानव सभ्यता की बहुत बड़ी उपलब्धि माना गया था। अब जब हम न तो इसका विकल्प तलाश पा रहे हैं और न इसका उपयोग ही रोक पा रहे हैं, तो क्यों न इसे विज्ञान और मानव सभ्यता की सबसे बड़ी असफलता मान लिया जाए? '

कम्युनिकेशन्स अर्थ एंड एनवायरनमेंट' पत्रिका में प्रकाशित एक नई रपट के अनुसार, दुनिया भर में प्लास्टिक का उत्पादन हर साल 8.4 फीसद की दर से बढ़ रहा है, जबकि इसके पुनर्चक्रण की दर 9.5 फीसद तक ही सीमित है। यह खतरनाक असंतुलन न केवल धरती पर प्लास्टिक कचरे का पहाड़ खड़ा कर रहा है, बल्कि इंसानों और जीव-जंतुओं की सेहत पर भी नकारात्मक असर डाल रहा है। रपट में कहा गया है कि वर्ष 2022 में वैश्विक स्तर पर चालीस करोड़ टन प्लास्टिक का उत्पादन हुआ, जिसमें से केवल 3.8 करोड़ टन का ही पुनर्चक्रण किया गया। अनुमान है कि प्लास्टिक उत्पादन की मौजूदा रफ्तार इसी तरह जारी रही तो वर्ष 2050 तक यह आंकड़ा दोगुना होकर अस्सी करोड़ टन तक पहुंच सकता है, जो पूरी दुनिया में एक बड़े संकट का रूप ले सकता है।

भारत में सरकार की ओर से पूर्व में देश को स्वच्छ भारत मिशन के तहत एकल उपयोग प्लास्टिक को बंद करने की घोषणा की गई है। हालांकि इस दिशा में अभी भी बहुत कुछ किया जाना बाकी है। सरकार की ओर से इस मामले में जागरूकता और प्रोत्साहन की अभी भी बहुत जरूरत है। संयुक्त राष्ट्र की संस्था यूएनईपी की एक रपट के मुताबिक, अच्छी योजना के साथ काम किया जाए तो प्लास्टिक से दूरी बनाने पर दुनिया वर्ष 2040 के अंत तक 4,500 अरब डालर बचा सकती है। इसमें एकल उपयोग प्लास्टिक का उत्पादन न करने से बचने वाली लागत भी शामिल है। वैसे फिलहाल एक बड़ी राशि प्लास्टिक के कारण सेहत और पर्यावरण को हो रहे नुकसान पर खर्च हो रही है। जलवायु परिवर्तन पर प्लास्टिक उत्पादन का प्रभाव एक ऐसा क्षेत्र है, जिस पर समय रहते गंभीरता से ध्यान देने की आवश्यकता है। इस समस्या से निजात पाने के लिए न केवल प्रभावी नीति निर्माण, बल्कि वैश्विक सहयोग, तकनीकी नवाचार और जन-भागीदारी की भी नितांत जरूरत है। वरना वह दिन दूर नहीं, जब प्लास्टिक का जहर हमारी अगली पीढ़ियों की सांसों तक पहुंच जाएगा।

# जीवन के स्रोत

अनुपमा तिवाड़ी

हम सब प्रकृति के हिस्से हैं, जिनमें कुछ जीव धरती पर, कुछ जल में, कुछ पेड़ों पर तो कुछ अलग-अलग जगहों पर रहते हैं। हम कभी-कभी खुद को ही सबसे अधिक महत्त्व देने लगते हैं। हमारे आसपास कितने ही जीव-जंतु ऐसे हैं जो प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से हमारे जीवन को सुगम बनाते हैं। कुछ समय पहले एक व्यक्ति द्वारा बड़ी संख्या में कुत्तों को मार डालने की खबर आई। उसके बाद सोशल मीडिया पर कुत्तों के काटने की खबरों की बाढ़ आ गई। बहुत सारे लोग उनके पक्ष में तो बहुत सारे उसके विपक्ष में आ गए और मामला अदालत तक पहुंच गया। हमें किसी जीव से नुकसान होने के साथ-साथ उससे होने वाले नुकसान के कारणों पर काम करना चाहिए। किसी को उसकी जगह से निष्कासित या विस्थापित करना उसके अस्तित्व को खतरे में डालना है।

लावारिस जीव-जंतु भी जिस जगह पर रहते हैं, वे उस जगह के साथ तादात्म्य स्थापित कर लेते हैं। वे वहां रहना चाहते हैं। उन्हें वहां से हटाकर नए अपरिचित माहौल में रखना उनके लिए कष्टप्रद होता है। उनके लिए आवश्यक विकल्प, सुविधाएं और आवास की व्यवस्था या जिस तरह वे रह रहे थे, वह व्यवस्था न छीनकर उसे सुगम बनाने की दिशा में काम होना चाहिए। बहुत सारे लोग कुत्तों को पालते हैं, लेकिन जिन कुत्तों को लोग नहीं पालते, वे लावारिस सड़कों पर घूमते रहते हैं और भोजन तथा आवास के लिए दर-दर भटकते रहते हैं।

लगभग बीस-पच्चीस वर्ष पहले तक कस्बों और गांवों में बहुत से घरों से पहली रोटी गाय के लिए और आखिरी रोटी कुत्ते के लिए निकालने का चलन था। लोग जो कूड़ा फेंक देते थे, उसमें बचा हुआ भोजन भी होता था, जिसे लावारिस पशु खा लेते थे। मजबूरी में पीने का पानी नालियों से पी लेते थे। अब रोटी निकालने का चलन धीरे-धीरे कम हो गया है। ऐसे में गलियों-मोहल्लों में बाहर रहने वाले कुत्ते अपनी भूख मिटाने के लिए पहले खाना खोजते हैं और फिर असफल होने पर अपने भीतर होने वाले बदलावों के बाद कभी-कभार बच्चों या बड़ों पर हमला कर देते हैं। अधिकांश जीव आमतौर पर भूख और असुरक्षा के चलते ही किसी पर हमला करते हैं। ऐसे में उन्हें उस जगह से बलपूर्वक हटा देना उचित नहीं है। उनके लिए विकल्पों की तलाश नहीं के बराबर हो पाती है। जब उनके द्वारा कुछ अप्रत्याशित घटित होता है, तभी हमारा ध्यान उस ओर जाता है। सामान्य तौर पर कोई पशु किसी को नुकसान नहीं पहुंचाता, अगर उनकी जरूरत पूरी हो जाए या फिर वह अपने ऊपर कोई खतरा न महसूस करे।

कहा जाता है कि दुनिया की पहली मिठाई शहद है, जो हमें मधुमक्खियों से मिलता है। शहद की यह ताकत है कि वह स्वास्थ्यप्रद और औषधीय होने के साथ-साथ कभी खराब न होने वाला द्रव है। कितनी ही चिड़िया के फल खाने से बीज उनके पेट में चले जाते हैं और बीट के रूप में बाहर निकलते हैं। ये बीज चिड़ियों के पेट में रहने से उपचारित हो जाते हैं और उनके उगने की संभावनाएं बढ़ जाती है। पशुओं के खाने के बाद उनके शरीर से निकलने वाले बीज नए पेड़ बन कर जन्म लेते हैं। कितनी ही बार गिलहरियां बीज जमीन में अपने खाने के लिए छिपा देती हैं और फिर भूल जाती हैं, जिनके अंकुरण से पेड़ बन जाते हैं। तितलियों के फूलों पर बैठने से फूलों के परागकण उनकी टांगों में चिपक जाते हैं, जिससे परागण की क्रिया सहज रूप से हो पाती है। कुत्तों में सूंघने की शक्ति बहुत तेज होती है, जिसकी वजह से सेना और पुलिस में कुत्तों को प्रशिक्षित करके अपराधी तक पहुंचा जाता है। घरों में कुत्ते घर की सुरक्षा करते हैं। मगर शहरी जानवर, पेड-पौधों और अपने आसपास की पारिस्थितिकी को जानते-बूझते, अकारण नुकसान पहुंचाना एक तरह की हिंसा ही है।

जल, वायु और मृदा- ये तीनों ही पर्यावरण के अभिन्न अंग हैं। हम अपने जीवन को सुगम और सुरक्षित बनाना चाहते हैं तो हमें इनका संरक्षण करना होगा, तभी इनसे संबंधित संसाधन हमें पर्याप्त मात्रा में मिलते रहेंगे और हम अपना जीवन अच्छे से गुजार पाएंगे। अगर वन और वन्यजीव नहीं होंगे, तब जल, वायु और मृदा से मिलने वाले संसाधन समाप्त हो जाएंगे और हम इनके बिना अपने जीवन की कल्पना नहीं कर सकते।

जिस तरह से भाषाएं विलुप्त होती जा रही हैं, उसी तरह से बहुत से जीव भी कम या विलुप्त होते जा रहे हैं। शहरों में अब मोर और तोते कम दिखते हैं। लगभग पैंतीस-चालीस वर्ष पहले गिद्ध और चील आमतौर पर हर जगह दिखाई देते थे, जो अब नहीं के बराबर दिखते हैं। शहरों में तितलियां कम होती जा रही हैं। एक रपट के मुताबिक, फोन के टावर लगते रहने से मधुमक्खियां अपना रास्ता भूलने लगती हैं। बारिश के दिनों में निकलने वाली बीर-बहूटी कम होती जा रही है। लगातार पहाड़ों और जंगलों का कटना, नदियों और तालाबों का सूखना और शहरों के विस्तार ने कई जीवों के जीवन को संकट में डाला है। हम सब प्रकृति के हिस्से हैं। पारिस्थितिकी के मुताबिक अगर इस श्रृंखला की एक भी कड़ी टूटती है, तो उसका पर्यावरण पर प्रभाव पड़ता है। इससे मानव जीवन भी अछूता नहीं रह सकता।

### दुनिया मेरे आगे

> **जल, वायु और मृदा- ये तीनों ही पर्यावरण के अभिन्न अंग हैं। हम अपने जीवन को सुगम और सुरक्षित बनाना चाहते हैं, तो हमें इनका संरक्षण करना होगा, तभी इनसे संबंधित संसाधन हमें पर्याप्त मात्रा में मिलते रहेंगे और हम अपना जीवन अच्छे से गुजार पाएंगे।**

## परिवर्तन का नियम

'समय का सच' (दुनिया मेरे आगे, 27 नवंबर) पढ़ा। आज का समय हमें याद दिलाता है कि परिवर्तन सबसे बड़ा नियम है। हालात, रिश्ते और विचार सब समय के साथ बदलते हैं। कोई भी स्थिति स्थायी नहीं रहती। यही परिवर्तन जीवन का सबसे कठोर, लेकिन सबसे अच्छा अध्याय है। मनुष्य प्रायः कठिन समय में टूट जाता है, परंतु यही मुश्किलें हमें भीतर से अधिक मजबूत बनाती हैं। सुख में हम स्वयं को समझ नहीं पाते, लेकिन दुख हमें हमारी वास्तविक क्षमताओं से परिचित कराता है। समय का चक्र हर किसी की परीक्षा लेता है और परिपक्व वही होता है, जो इन परीक्षाओं को धैर्य से पार कर ले। आज लोग इतने व्यस्त हैं कि रिश्तों को संभालने का समय ही नहीं बचा। नतीजा यह कि तनाव, प्रतिस्पर्धा और आत्मकेंद्रित जीवन का दायरा बढ़ता जा रहा है। समय यदि अवसर देता है, तो चेतावनी भी देता है। हमें उसकी भाषा समझनी पड़ती है। समय का सबसे बड़ा संदेश यही है कि जीवन को संतुलन, संवेदनशीलता और धैर्य के साथ जिया जाए। अच्छे दिन में विनम्र रहें और कठिन दिनों में आशावान।

*– सावित्री शाह, सिंगरौली, मप्र*

## अड़ियल रवैया

अभी कोई ज्यादा समय नहीं हुआ, जब दुनिया भर के शीर्ष नेता 'काप30' की बैठक में शामिल हुए और 'जलवायु परिवर्तन' पर किसी तरह की सहमति बनाए बिना अपने-अपने देश लौट गए। सभी को अपने देश की आर्थिक स्थिति की चिंता सताए जा रही है। जीवाश्म ईंधन का उत्पादन करने वाले देश और इसकी खपत करने वाले देशों ने किसी भी तरह का कठोर नियम मानने से इनकार कर दिया। यह जानते हुए कि उनका यह अड़ियल रवैया, इस संसार के सभी जीवों के लिए भारी पड़ेगा। इस सम्मलेन के बाद एक सप्ताह के अंदर ही दक्षिण पूर्व एशिया के देशों को बड़े संकट का सामना करना पड़ा। उष्णकटिबंधीय चक्रवात के कारण भारी बारिश और बाढ़ ने एशिया के कई हिस्सों को अपनी चपेट में लिया, जिससे डेढ़ हजार से अधिक लोगों की मौत हो गई और कई लोग लापता हो गए। चेतावनी के इस संकेत को समझना होगा।

*– जंग बहादुर सिंह, जमशेदपुर*

## कुप्रथा का जाल

समय के साथ मनुष्य तरक्की कर रहा है। मगर कुप्रथाओं के जाल को देख कर लगता है कि सारी प्रगति धरी की धरी रह गई है। यह निराशाजनक है कि समय बदलने पर भी दहेज की मांग में कोई कमी नहीं आई है। पढ़े-लिखे लोगों की संख्या बढ़ रही है, लोगों का जीवन स्तर अच्छा हो रहा है, लेकिन दहेज प्रथा से समाज मुक्त नहीं हो पा रहा है। आज बदलते समाज में संयुक्त परिवार की जगह एकल परिवार की मानसिकता हावी हो गई है। माता-पिता और परिवार की सहमति से विवाह के साथ प्रेम विवाह का भी प्रचलन बढ़ रहा है। इन सबके बावजूद दहेज की कुप्रथा हाशिए पर नहीं जा पा रही है। वर पक्ष की आर्थिक हैसियत दहेज के मानक के रूप में स्थापित हो रही है। कहीं वर पक्ष अब दहेज न कह कर शादी के खर्च को दहेज का पर्याय बना रहे हैं, तो कहीं प्रेम विवाह को पारंपरिक शादी में बदल कर दहेज लिया जा रहा है।

*– मिथिलेश कुमार, भागलपुर*

## चेतावनी का संकेत

हाल ही में इथोपिया में हेली गुब्बी नामक ज्वालामुखी सक्रिय हो उठा। इसने दुनिया भर के देशों को चकित कर दिया। दरअसल, यह ज्वालामुखी बरसों से निष्क्रिय था। प्रकृति में कई भौगोलिक परिवर्तन हुए हैं। तापमान बढ़ने से हिमनद पिघलने शुरू हुए, पानी अस्तित्व में आया फिर इंसानों ने खेती शुरू की और इस तरह वे विकास की राह पर चल पड़े। मगर कुदरत हमें चेतावनी देती रहती है कि ऐसा विकास न करो, जिससे पर्यावरण, भूमि और जलवायु पर नकारात्मक प्रभाव पड़े। प्रकृति हमें भूकम्प, सुनामी, ज्वालामुखी और बाढ़ जैसी आपदाओं के रूप में सचेत करती रहती है। मगर हम विकास की अंधी दौड़ में प्रकृति की इस चेतावनी को नजरअंदाज कर देते हैं। अब समय आ गया है कि प्रकृति के संरक्षण के लिए सामूहिक रूप से प्रयासों को आगे बढ़ाया जाए।

*– शाहिद हाशमी, जाकिर नगर, दिल्ली*

हमें लिखें, हमारा पता : edit.jansatta@expressindia.com | chaupal.jansatta@expressindia.com

युवा शक्ति
जनसत्ता | 4 दिसंबर, 2025



**तथ्य**

अमेरिका के कालेजों और विश्वविद्यालयों में नए अंतरराष्ट्रीय छात्रों के नामांकन में 2025 के शरद सत्र में 17 फीसद की कमी आई है। यह जानकारी वीजा अनिश्चितताओं के बीच नवीनतम 'ओपन डोर्स' रपट में दी गई है। रपट के अनुसार, भारत महामारी के बाद सबसे अधिक अंतरराष्ट्रीय छात्र भेजने वाला देश बन गया था, लेकिन भारत की ओर से नए दाखिलों में अब ज्यादातर संस्थानों ने गिरावट दर्ज की है। केवल 39 फीसद संस्थानों ने बताया कि भारत से आने वाले नए छात्र या तो बढ़े हैं या पहले जैसी संख्या पर बने हुए हैं। रपट में कहा गया है कि 2024-2025 में अमेरिका में भारत से 3,63,019 अंतरराष्ट्रीय छात्र थे, जो पिछले वर्ष की तुलना में 10 फीसद की वृद्धि दर्शाता है।

### 97% भारतीय छात्र ऐसी पढ़ाई चाहते हैं जो उन्हें सीधे करिअर तक पहुंचाए

'विदेश में अध्ययन का महत्व' रपट के अनुसार, 97 फीसद भारतीय छात्रों का कहना है कि विदेश में अध्ययन के लिए स्थान चुनते समय रोजगार के लिए आवश्यक अर्हता, कार्य अनुभव और कौशल आवश्यक हैं। रपट में कहा गया है कि भारतीय छात्र अब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उच्च शिक्षा से जो अपेक्षाएं रखते हैं, उनमें एक जबरदस्त बदलाव आया है और यह कक्षा में मिलने वाली शिक्षा से कहीं आगे तक जाता है। सिटी सेंट जार्ज, यूनिवर्सिटी आफ लंदन में रोजगार संबंधी विभाग की निदेशक जेम्मा केन्यन के अनुसार, भारतीय छात्र इस बात पर अधिक ध्यान दे रहे हैं कि शिक्षा क्या प्रदान करे। केवल ज्ञान ही नहीं, बल्कि कौशल, आत्मविश्वास और नेटवर्क जो वास्तविक करिअर की सफलता की ओर ले जाएं।

## सूचनापट्ट

### वायुसेना सामान्य प्रवेश परीक्षा

*भारतीय* वायु सेना ने वायुसेना कामन एडमिशन टेस्ट 2026 के लिए आनलाइन पंजीकरण प्रक्रिया शुरू कर दी है। वायुसेना में अधिकारी के रूप में करिअर बनाने के इच्छुक उम्मीदवार अब आधिकारिक पोर्टल के माध्यम से अपना आवेदन जमा कर सकते हैं इस परीक्षा के माध्यम से फ्लाइंग और ग्राउंड ड्यूटी (तकनीकी और गैर-तकनीकी) शाखाओं में कुल 328 रिक्तियों को भरा जाएगा। परीक्षा 31 जनवरी, 2026 को आयोजित होने वाली है। सभी उम्मीदवारों के लिए आवेदन शुल्क 550 रुपए + जीएसटी है। भुगतान केवल क्रेडिट कार्ड, डेबिट कार्ड या नेट बैंकिंग सेवाओं का उपयोग करके एकीकृत भुगतान गेटवे के माध्यम से आनलाइन होगा।

**अंतिम तिथि : 14 दिसंबर, 2025**

### आइसीएसआइ

*कंपनी* सचिव संस्थान (आइसीएसआइ) ने जनवरी 2026 की कंपनी सचिव कार्यकारी प्रवेश परीक्षा के लिए पंजीकरण प्रक्रिया शुरू कर दी है। जो भी उम्मीदवार परीक्षा में शामिल होने की योजना बना रहे हैं, वे आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर तय समय सीमा के भीतर आवेदन जरूर कर दें। उम्मीदवारों को 2,000 रुपए का पंजीकरण शुल्क देना होगा। आइसीएसआइ द्वारा निर्धारित पात्रता मानदंडों के अनुसार, कक्षा 12वीं की परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके या वर्तमान में परीक्षा दे रहे उम्मीदवार, साथ ही स्नातक, सीएसईईटी के लिए आवेदन कर सकते हैं। पंजीकरण के बाद, उम्मीदवारों को उनकी तैयारी में सहायता के लिए वर्चुअल शिक्षण कक्षाओं और आधिकारिक सीएसईईटी अध्ययन सामग्री नि:शुल्क प्रदान की जाएगी। आइसीएसआइ साल में चार बार जनवरी, मई, जुलाई और नवंबर में यह परीक्षा आयोजित करता है।

**अंतिम तिथि : 15 दिसंबर, 2025**

### आरआरबी एनटीपीसी ग्रेजुएट भर्ती

*रेलवे* भर्ती बोर्ड ने आरआरबी एनटीपीसी ग्रेजुएट लेवल भर्ती के लिए आनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 27 नवंबर से बढ़ाकर 4 दिसंबर 2025 कर दी है। इसके साथ ही फीस भुगतान, संशोधन और स्क्राइब संबंधित विवरण जमा करने की अंतिम तिथियां भी बढ़ाई गई हैं। भर्ती प्रक्रिया के तहत विभिन्न गैर-तकनीकी लोकप्रिय श्रेणी पदों पर भर्ती की जाएगी। आयोग ने स्पष्ट किया है कि भर्ती प्रक्रिया 21 अक्तूबर 2025 को जारी मूल अधिसूचना के अनुसार ही जारी रहेगी, केवल समय-सारणी में बदलाव किया गया है। इस भर्ती के अंतर्गत कुल 5,810 पदों पर नियुक्ति होगी। प्रमुख पद इस प्रकार हैं- चीफ कमर्शियल कम टिकट सुपरवाइजर, स्टेशन मास्टर, गुड्स ट्रेन मैनेजर, जूनियर अकाउंटेंट असिस्टेंट-कम-टाइपिस्ट, सीनियर क्लर्क-कम-टाइपिस्ट, ट्रैफिक असिस्टेंट। वहीं, आवेदन के लिए न्यूनतम आयु सीमा 18 वर्ष एवं अधिकतम 33 वर्ष (1 जनवरी 2026 तक)। आरक्षित वर्गों को नियमों के अनुसार आयु में छूट मिलेगी।

**अंतिम तिथि : 4 दिसंबर, 2025**

### इग्नू

*इंदिरा* गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) ने जनवरी 2026 सत्र के लिए पुन: पंजीकरण प्रक्रिया शुरू कर दी है। यह सभी मुक्त और आनलाइन पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत छात्रों पर लागू है। पोर्टल एक दिसंबर 2025 से खुला है और फार्म भरने की अंतिम तिथि 15 जनवरी 2026 रखी गई है। छात्र अगले सेमेस्टर या वर्ष के लिए विषय चुन सकते हैं, जानकारी अपडेट कर सकते हैं और सुरक्षित तरीकों से शुल्क जमा कर सकते हैं। विश्वविद्यालय ने सलाह दी है कि विषय सावधानी से चुनें, क्योंकि बाद में परिवर्तन प्रक्रिया को धीमा कर सकता है। शुल्क दो बार कटने पर अतिरिक्त राशि स्वत: वापस हो जाएगी।

**अंतिम तिथि : 15 जनवरी, 2026**

### पीएचडी

*भारतीय* प्रबंधन संस्थान लखनऊ ने 2026 शैक्षणिक वर्ष के लिए अपने प्रबंधन में डाक्टरेट कार्यक्रम (पीएचडी) के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं। इस पूर्णकालिक कार्यक्रम का उद्देश्य वैश्विक और राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के अनुरूप उन्नत प्रबंधन अनुसंधान के लिए विद्वानों को प्रशिक्षित करना है। लगभग 4.5 वर्षों में पूरा करने के लिए डिजाइन किया गया, यह कार्यक्रम डिग्री के लिए आवश्यक मुख्य शोध गतिविधियों के अलावा, अकादमिक, कार्पोरेट क्षेत्र और सार्वजनिक संस्थानों में नेतृत्व की भूमिकाओं के लिए शोध स्नातकों को तैयार करता है। इच्छुक आवेदकों को जल्द से जल्द आवेदन करने और सभी पात्रता मानदंडों की जांच करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। अधिक जानकारी के लिए, कृपया आईआईएम लखनऊ पीएचडी कार्यक्रम की आधिकारिक वेबसाइट देखें।

**अंतिम तिथि : 16 फरवरी, 2026**

# मानसिक स्वास्थ्य : जरूरत के साथ कमाई भी

आज मानसिक स्वास्थ्य केवल व्यक्तिगत नहीं, बल्कि सामाजिक आवश्यकता बन चुका है। तेज रफ्तार जीवन, बढ़ती प्रतिस्पर्धा, पढ़ाई का दबाव, बेरोजगारी, रिश्तों में तनाव और महामारी के बाद बदलती जीवन शैली ने मानसिक संतुलन को चुनौती दी है। भारत में स्थिति और भी गंभीर इसलिए है क्योंकि मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं की मांग तो बढ़ रही है, लेकिन विशेषज्ञों की संख्या बहुत कम है। आंकड़ों के अनुसार देश में एक लाख लोगों पर एक से भी कम प्रशिक्षित विशेषज्ञ उपलब्ध हैं। यह कमी इसलिए भी बढ़ी है क्योंकि इस क्षेत्र को लेकर समाज में गहरा कलंक मौजूद है। बहुत से लोग मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े काम को ही कम महत्व का मानते हैं, जिसके कारण युवा इनसे जुड़े पाठ्यक्रम या व्यवसाय अपनाने से हिचकिचाते हैं।

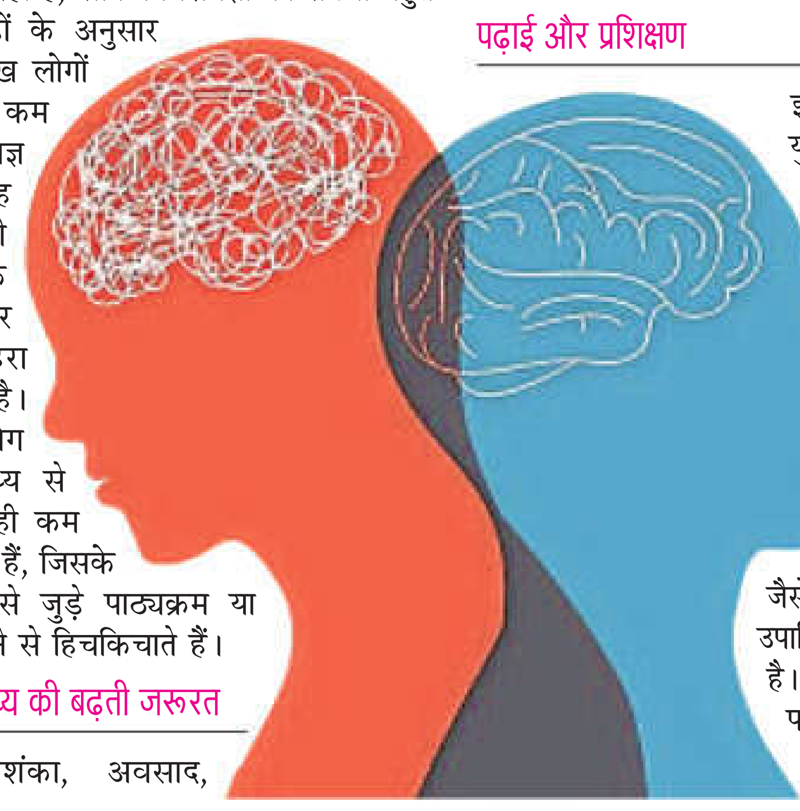

**विशेषज्ञ की कलम से**

#### मानसिक स्वास्थ्य की बढ़ती जरूरत

तनाव, आशंका, अवसाद, व्यवहारगत समस्या आज स्कूल के बच्चों से लेकर युवाओं और बुजुर्गों तक में सामान्य रूप से दिखाई देती हैं। मानसिक स्थिति के असंतुलित होने पर पढ़ाई, संबंध, नौकरी, निर्णय क्षमता और स्वास्थ्य सब पर असर पड़ता है। इसलिए मानसिक स्वास्थ्य को शरीर की तरह ही नियमित ध्यान और देखभाल की आवश्यकता है।

#### पढ़ाई और प्रशिक्षण

इस क्षेत्र में आने के लिए युवाओं को सर्वप्रथम मनोविज्ञान विषय में स्नातक करना होता है। इसके बाद परास्नातक में मनोविज्ञान, परामर्श, नैदानिक मनोविज्ञान या सामाजिक कार्य जैसे विकल्प उपलब्ध होते हैं। उन्नत भूमिकाओं के लिए विशिष्ट प्रशिक्षण, जैसे एमफिल अथवा शोध-उपाधि की आवश्यकता भी रहती है। कई विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा और साक्षात्कार के आधार पर विद्यार्थियों का चयन करते हैं।

#### कहां मिलेगी शिक्षा

दिल्ली विश्वविद्यालय, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, टाटा सामाजिक विज्ञान संस्थान तथा राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य संस्थान जैसे प्रतिष्ठित संस्थान इस क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण अध्ययन प्रदान करते हैं। साथ ही, अनेक आनलाइन मंच प्रमाणपत्र और अल्पकालिक पाठ्यक्रम भी उपलब्ध कराते हैं, जो शुरुआत करने वाले विद्यार्थियों के लिए उपयोगी होते हैं।

-पांडेय निधि, *मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ*

### करिअर के अवसर

- क्लिनिकल विशेषज्ञ : मानसिक समस्याओं का परीक्षण और उपचार करते हैं।
- परामर्शदाता : विद्यार्थियों, कर्मचारियों और परिवारों को तनाव व भावनात्मक संघर्ष से उबरने में मदद करते हैं।
- मानसिक स्वास्थ्य सलाहकार : शिक्षा संस्थानों और कार्य-स्थलों में मार्गदर्शन प्रदान करते हैं।
- कला-संगीत आधारित उपचारकर्ता : रचनात्मक विधियों से मानसिक संतुलन को बेहतर करते हैं।
- शोधकर्ता व जनजागरूकता कार्यकर्ता : नई उपचार पद्धतियां विकसित करते हैं तथा समाज में जागरूकता फैलाते हैं।

| क्षेत्र | मुख्य कार्य | आवश्यक योग्यता | कार्यस्थल |
|---|---|---|---|
| नैदानिक विशेषज्ञ | परीक्षण व उपचार | परास्नातक | अस्पताल/क्लिनिक |
| परामर्शदाता | भावनात्मक मार्गदर्शन | स्नातक/परास्नातक | विद्यालय/महाविद्यालय |
| सलाहकार | नीति व सहायता | परामर्श प्रशिक्षण | उद्योग/संस्थान |
| कला, संगीत उपचारकर्ता | रचनात्मक उपचार | विशेष प्रशिक्षण | पुनर्वास केन्द्र |
| शोधकर्ता | उपाय विकसित करना | शोध-उपाधि | शोध संस्थान |

**जानें-सीखें**

## घर बैठे ही बदल सकेंगे आधार में मोबाइल नंबर

आज के समय में आधार हमारे लिए एक अत्यंत महत्त्वपूर्ण पहचान-पत्र बन चुका है। बैंक से लेकर किसी भी सरकारी योजना का लाभ लेने तक, लगभग हर स्थान पर आधार को अनिवार्य दस्तावेज की तरह स्वीकार किया जा रहा है। इसी कारण भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण लगातार आधार प्रणाली को और सरल तथा सुरक्षित बनाने के लिए नए परिवर्तन कर रहा है। इसी क्रम में आधार धारकों के लिए एक बड़ी जानकारी सामने आई है।

अब आधार कार्ड में मोबाइल नंबर बदलवाने के लिए न तो किसी पंक्ति में लगना पड़ेगा और न ही किसी केंद्र पर जाने की आवश्यकता होगी। जल्द ही यह सुविधा घर बैठे उपलब्ध हो जाएगी। आधार के मोबाइल अनुप्रयोग के माध्यम से आप अपने नए मोबाइल नंबर को आसानी से अद्यतन कर सकेंगे। इसके लिए एक बार का ओटीपी सत्यापन और चेहरे की पहचान पर्याप्त होगी। प्राधिकरण की यह नई सेवा शीघ्र ही शुरू होने की संभावना है।

### नई डिजिटल प्रक्रिया कैसे चलेगी

प्राधिकरण के अनुसार मोबाइल नंबर बदलने की प्रक्रिया अत्यंत सरल होगी और इसमें किसी दस्तावेज या आधार केंद्र की जरूरत नहीं होगी। प्रक्रिया इस प्रकार रहेगी।

- मोबाइल में गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप स्टोर से आधार एप डाउनलोड करना होगा।
- अपना आधार संख्या और नया मोबाइल नंबर दर्ज करना होगा।
- ओटीपी सत्यापन होगा।
- इसके बाद मोबाइल फोन के कैमरे से चेहरे की पहचान की जाएगी।
- सत्यापन पूर्ण होते ही मोबाइल नंबर तुरंत आधार में अद्यतन हो जाएगा।

#### मोबाइल नंबर अपडेट रखना क्यों आवश्यक

आधार से बैंक खाते, सरकारी योजनाओं की सहायता, कर विवरण प्रस्तुत करना, सुरक्षित दस्तावेज भंडार, पहचान सत्यापन, सरकारी परीक्षाओं के आवेदन सहित अनेक सेवाएं जुड़ी हैं। यदि मोबाइल नंबर बंद हो जाए या बदल दिया जाए, तो गुप्त संकेत प्राप्त नहीं हो पाता और विभिन्न सेवाएं बाधित हो जाती हैं। अभी तक मोबाइल नंबर बदलवाने के लिए आधार केंद्र पर लंबी प्रतीक्षा और पहचान सत्यापन की जटिलता का सामना करना पड़ता था।

**युवा शक्ति डेस्क**

### दिवस

कोलकाता में अंतरराष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस के मौके पर एक कार्यक्रम के दौरान मूक-बधिर विद्यालय के बच्चे तस्वीर खिंचाते हुए।

# खुद को नहीं समझें कमजोर, आपकी प्रगति को धीमा कर देती है यह प्रवृत्ति

**परामर्श**

अक्सर दिन के अंत में ऐसा लगता है कि जितना काम करना चाहिए था, उतना नहीं कर पाए। इस कारण मन में निराशा, ग्लानि या खुद पर गुस्सा आना स्वाभाविक है, लेकिन ये भावनाएं आपकी प्रगति को धीमा कर देती हैं। यह याद रखें कि हर दिन एक जैसा नहीं होता, इसलिए खुद पर अनावश्यक दबाव डालने के बजाय यह स्वीकार करें कि आपने उपलब्ध परिस्थितियों में अपना सर्वोत्तम प्रयास किया है।

विद्यार्थी जीवन में केवल अधिक मेहनत करना ही पर्याप्त नहीं होता, बल्कि काम को स्मार्ट तरीके से करना ज्यादा जरूरी है। अपने कार्यों की प्राथमिकता तय करें-कौन-सा काम पहले और कौन-सा बाद में होना चाहिए। बड़े कार्यों को छोटे, आसान हिस्सों में बांटकर पूरा करना अधिक व्यावहारिक तरीका है। दिन के अंत में यह विचार करें कि आपने क्या सीखा और आगे कैसे सुधार किया जा सकता है। यह आदत न केवल आपकी पढ़ाई को बेहतर बनाएगी, बल्कि आपकी भावनाओं को भी संतुलित रखेगी। समय प्रबंधन किसी भी विद्यार्थी की सफलता की सबसे बड़ी कुंजी है। अपनी मानसिक और कार्यात्मक क्षमता को पहचानें और उसी के आधार पर अपना अध्ययन-सारणी तैयार करें। एक समय में एक ही काम पर ध्यान देना सबसे प्रभावी तरीका है। अधूरे कामों पर ध्यान देने के बजाय उन कार्यों पर गर्व करें जिन्हें आपने समय पर पूरा किया है। 'मैंने आज अपना सर्वश्रेष्ठ दिया' जैसे सकारात्मक विचार आपके आत्मविश्वास को मजबूत करते हैं। अगर कभी यह महसूस हो कि आप दूसरों की अपेक्षाओं पर खरे नहीं उतर पा रहे हैं, तो अपने भीतर झांककर उन नकारात्मक कारणों को पहचानें जो आपको आगे बढ़ने से रोक रहे हैं।

# सीटेट : आवेदन 18 दिसंबर तक, परीक्षा आठ फरवरी को

**जरूरी जानकारी**

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा सीटेट फरवरी 2026 परीक्षा की अधिसूचना जारी की जा चुकी है। यह परीक्षा कक्षा 1 से 8 तक अध्यापक बनने की इच्छा रखने वाले अभ्यर्थियों की पात्रता तय करती है। इच्छुक अभ्यर्थी 18 दिसंबर 2025 तक आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से अपना आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं। परीक्षा 8 फरवरी 2026 को देश भर के विभिन्न केंद्रों पर दो पालियों में आयोजित होगी।

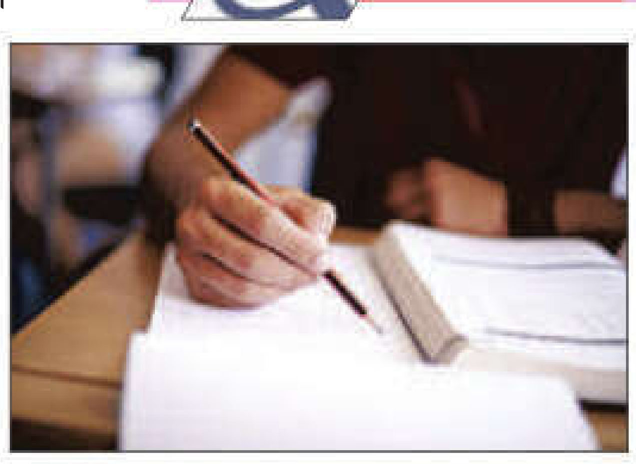

| महत्त्वपूर्ण तिथियां |
|---|
| आवेदन शुरू - 27 नवंबर 2025 |
| अंतिम तिथि - 18 दिसंबर 2025 |
| शुल्क जमा करने की तिथि - 18 दिसंबर 2025 |
| सुधार अवधि - 23 से 26 दिसंबर 2025 |
| प्रवेश पत्र - परीक्षा से दो दिन पूर्व |
| परीक्षा तिथि - 8 फरवरी 2026 |

#### योग्यता शर्तें

पेपर-1 के लिए अभ्यर्थी का वरिष्ठ माध्यमिक परीक्षा उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। इसके साथ दो वर्ष का प्रारंभिक शिक्षा प्रमाणपत्र या उसका अंतिम चरण पूरा कर रहे होना आवश्यक है। चार वर्ष का प्राथमिक शिक्षा स्नातक पाठ्यक्रम भी मान्य है। जिनके वरिष्ठ माध्यमिक में 45 प्रतिशत अंक हैं, उन्हें भी दो वर्ष का प्रारंभिक शिक्षा प्रमाणपत्र आवश्यक है।

पेपर-2 के लिए अभ्यर्थी का स्नातक उत्तीर्ण होना चाहिए। इसके साथ दो वर्ष का प्रारंभिक शिक्षा प्रमाणपत्र अथवा एक वर्ष का शिक्षण प्रशिक्षण प्रमाणपत्र पूरा होना चाहिए या अंतिम वर्ष में अध्ययनरत होना चाहिए। स्नातक में पचास फीसद अंक होने पर शिक्षण प्रशिक्षण अनिवार्य है।

#### परीक्षा का समय

कक्षा 6 से 8 के लिए पेपर-2 सुबह 9:30 से 12 बजे तक होगा। कक्षा 1 से 5 के लिए पेपर-1 दोपहर 2:30 से 5 बजे तक होगा। दोनों की अवधि ढाई घंटे होगी और परीक्षा कलम कागज पद्धति से आयोजित की जाएगी। सामान्य तथा अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए एक पेपर का शुल्क 1000 रुपए तथा दोनों पेपरों का 1200 रुपए है। अनुसूचित जाति, जनजाति और दिव्यांग अभ्यर्थियों के लिए एक पेपर 500 रुपए तथा दोनों 600 रुपए निर्धारित हैं। बैंक द्वारा लगने वाला कर अलग से लिया जाएगा।

## अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों के लिए छात्रवृत्ति के नए नियम

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय ने 2024-25 शैक्षणिक वर्ष के लिए 'अनुसूचित जाति के छात्रों के लिए शीर्ष श्रेणी छात्रवृत्ति योजना' के लिए अद्यतन दिशानिर्देश जारी किए हैं, जिसमें वित्तीय सहायता का विस्तार किया गया है और संस्थागत जवाबदेही को कड़ा किया गया है। इस योजना का उद्देश्य भारत के प्रमुख संस्थानों में अनुसूचित जाति के छात्रों के लिए पूर्ण ट्यूशन फीस को कवर करने और शैक्षणिक भत्ते प्रदान करके गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा को बढ़ावा देना है। संशोधित वित्तीय मानदंडों के तहत, केंद्र डीबीटी के माध्यम से छात्रों को पूरी ट्यूशन फीस और गैर-वापसी योग्य शुल्क सीधे हस्तांतरित करेगा, जो निजी संस्थानों के लिए प्रति वर्ष 2 लाख रुपए तक सीमित है।

छात्रों को पहले वर्ष में 86,000 रुपए और बाद के वर्षों में 41,000 रुपए का शैक्षणिक भत्ता भी मिलेगा, जिससे उन्हें रहने-खाने, किताबें और लैपटाप खरीदने में मदद मिलेगी। लाभार्थियों को अन्य केंद्रीय या राज्य योजनाओं के तहत इसी तरह की छात्रवृत्ति प्राप्त करने से रोक दिया जाएगा। यह छात्रवृत्ति 8 लाख रुपए तक की वार्षिक पारिवारिक आय वाले अनुसूचित जाति के छात्रों को मिलेगी, जो आइआइटी, आइआइएम, एम्स, एनआइटी, राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, निफ्ट, एनआइडी, आइएचएम और अन्य मान्यता प्राप्त कालेजों सहित अधिसूचित संस्थानों में प्रवेश प्राप्त करते हैं।

**सिरसा धमाका** • एसआईटी ने आरोपियों को अमृतसर ले जाकर करवाई निशानदेही

# पाक गैंगस्टर का नेटवर्क बेंगलुरु तक, धीरज संग वहीं रची धमाके की साजिश

कुलदीप शर्मा | सिरसा

सिरसा में 25 नवंबर को महिला थाने के पास हुए हैंड ग्रेनेड विस्फोट के चारों आरोपी पुलिस रिमांड में एक के बाद एक राज खोल रहे हैं। एसआईटी ने आरोपियों को अमृतसर ले जाकर निशानदेही कराई तो साफ हुआ कि ग्रेनेड व 20 हजार रुपए अमृतसर में ही मिले थे।

अब पुलिस मुख्य आरोपी धीरज को बेंगलुरु ले जाने की तैयारी कर रही है, क्योंकि पूरा प्लान वहीं बना था। आरोपी धीरज, विकास धारीवाल, सुशील और विकास कुमार को एसआईटी ने बुधवार को अमृतसर ले गई। यहां डीपीएस स्कूल के पास नकाबपोश पगड़ीधारी व्यक्ति बाइक पर आया, ग्रेनेड के साथ 20 हजार रुपए थमा गया। आरोपियों ने एस रेजीडेंसी होटल में रात रुकने के बाद ट्रेन से बठिंडा और फिर पिकअप गाड़ी से सिरसा पहुंचकर वारदात को अंजाम दिया था। ग्रेनेड धीरज ने खुद अपने पास छुपाया था। नशे की हालत में महिला थाना के बाहर फेंककर धमाका किया गया। सिरसा के एसपी दीपक सहारण ने बताया कि देखिए यह मामला राष्ट्रहित एवं सुरक्षा से जुड़ा हुआ है। इसमें हमारी टीमें जांच कर रही है। जांच सार्वजनिक करने से आरोपी पक्ष को लाभ मिलता है। इसलिए जांच पूरी होने के बाद बता दिया जाएगा। अभी आरोपी रिमांड पर हैं। अमृतसर निशानदेही के लिए लेकर गए हैं।

## एसटीएफ ने पहले मामला पंजाब का बताकर टाल दिया था

आरोपियों को निशानदेही के लिए अमृतसर लेकर जाती पुलिस।

### स्वामी गुरसिमरन सिंह मंड ने डीजीपी को लिखा पत्र

स्वामी गुरसिमरन सिंह मंड ने हरियाणा डीजीपी को पत्र लिखकर बताया कि उन्होंने धीरज की धमकियों की शिकायत पहले हिसार एसटीएफ से फोन पर की थी, एसटीएफ ने इसे पंजाब का केस बताकर टाल दिया। उसने कहा कि इसमें सिरसा का कोई व्यक्ति उसे धमकी दे रहा है। मंड का कहना है कि अगर समय रहते कार्रवाई होती तो सिरसा में धमाका नहीं होता।

### बेंगलुरु से शुरू हुआ था धीरज के साथ पाक गैंगस्टर का कनेक्शन

धीरज साढ़े 3 साल से बेंगलुरु में पत्थर काटने का काम करता था। वहीं सोशल मीडिया पर पाकिस्तान बेस्ड गैंगस्टर शहजाद भट्टी की वीडियो लाइक करने के बाद संपर्क में आया था। फिर धीरज को भट्टी के गुर्गों ने हथियार व टारगेट मुहैया कराना शुरू कर दिया। धमकी देने से लेकर विस्फोट की पूरी प्लानिंग बेंगलुरु में ही बनी। पुलिस को शक है कि धीरज जहां रहता था, वहां भट्टी गैंग के और लोग भी हो सकते हैं। एसआईटी इसलिए धीरज को बेंगलुरु ले जाने की तैयारी कर रही है।

### पंजाब पुलिस ने भी धीरज से पूछताछ के लिए एसपी सिरसा से संपर्क साधा

धीरज ने बेंगलुरु से ही इंटरनेशनल एंटी खालिस्तानी टेररिस्ट फ्रंट के राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वामी गुरसिमरन सिंह मंड को पंजाबी, बगड़ी और उर्दू मिलाकर गंदी-गंदी गालियां देकर जान से मारने की धमकियां दी थीं। लुधियाना में इसकी एफआईआर दर्ज है। पंजाब पुलिस को शक है कि गदासपुर विस्फोट का तार भी सिरसा कांड से जुड़ा हो सकता है। पंजाब पुलिस सिरसा एसपी दीपक के संपर्क में है और धीरज को अपने पास लेकर पूछताछ करना चाहती है। फिलहाल वे 8 दिन के रिमांड पर चल रहे हैं।

### विस्फोट के बाद जानकारी रखने वाले तीन युवक बने सरकारी गवाह

एसआईटी ने गांव खारिया के दो और बुढ़ाभाणा के एक युवक को सरकारी गवाह बना लिया है। नशे की महफिल में आरोपियों ने इनके सामने ग्रेनेड से धमाका करने की पूरी बात लीक कर दी थी। तीनों ने एसआईटी के सामने बयान दर्ज करवा दिए हैं। अब ये केस को और मजबूत बनाएंगे। यह मामला पाकिस्तान बेस्ड गैंगस्टर्स के उस नए तरीके का उदाहरण है, जिसमें सोशल मीडिया से छोटे-मोटे अपराधियों को रिक्रूट कर कम पैसों में बड़े टारगेट अटैक करवाए जा रहे हैं।

**घरौंडा में हाईवे पर हादसा** • ड्राइवर को झपकी आने पर का अंदेशा, रॉन्ग साइड जा पहुंचा ट्रक

# ट्रक ने बस, बाइक व कार को मारी टक्कर, एडीसी ऑफिस के दो कर्मियों समेत 4 की मौत

**मरने वालों में दो युवा करनाल जिले के और पिता-पुत्र अलीगढ़ के रहने वाले थे**

भास्कर न्यूज | घरौंडा (करनाल)

नेशनल हाईवे-44 पर घरौंडा में बसताड़ा फ्लाईओवर के पास एक ट्रक ड्राइवर ने डिवाइडर तोड़ते हुए रॉन्ग साइड जाकर पंजाब रोडवेज की बस, फिर बाइक और एक कार को जोरदार टक्कर मारी। इसके बाद पलट गया। हादसे में बाइक सवार एडीसी ऑफिस के दो कर्मचारियों व कार सवार पिता-पुत्र की मौत हो गई। यूपी के बदायू निवासी ट्रक ड्राइवर हरि बाबू को अस्पताल में भर्ती कराया है। मृतकों की पहचान करनाल के कोहंड गांव के संजीव (45), घरौंडा के विशाल (41), मूलरूप से अलीगढ़ हाल में पूर्वी दिल्ली के मयुर विहार में रहने वाले बलबीर सिंह (55) और उनके बेटे भुवन सिंह (20) के रूप में हुई है। ट्रक ड्राइवर सुबह 9 बजे अम्बाला से बहालगढ़ जा रहा था।

## अम्बाला में सामान उतारकर बहालगढ़ लौट रहा था ट्रक ड्राइवर

घरौंडा में हुए हादसे में कार के परखच्चे उड़ गए। बाइक भी क्षतिग्रस्त है।

विशाल

संजीव

**हाईवे पर जाम की समस्या बनी, ड्राइवर पर केस...** हाईवे पर 1 घंटे तक जाम की समस्या बनी रही। पुलिस ने मशक्कत के बाद यातायात को सुचारु करवाया। क्षतिग्रस्त वाहनों को हटाया गया। घरौंडा थाना प्रभारी दीपक कुमार ने बताया कि हादसा ट्रक ड्राइवर की तेज रफ्तार और लापरवाही के कारण हुआ है। उसने 3 वाहनों में जोरदार टक्कर मारी। ट्रक ड्राइवर के खिलाफ केस दर्ज किया है।

संजीव करनाल एडीसी ऑफिस में क्रीड शाखा में जोनल मैनेजर और विशाल करनाल एडीसी ऑफिस में क्रीड शाखा में डेटा एंट्री ऑपरेटर थे। दोनों दोनों संजीव की बाइक पर करनाल ड्यूटी पर जा रहे थे। भुवन सिंह व बलबीर सिंह दोनों दिल्ली से लुधियाना जा रहे थे।

हादसे का कारण तेज रफ्तार ट्रक ड्राइवर को नींद की झपकी आना माना जा रहा है। पुलिस ने क्षतिग्रस्त चारों वाहनों को कब्जे में लिया है। ट्रक ड्राइवर पर केस दर्ज कर लिया है।

# मोगा में कारोबारी से वाट्सएप पर 1 करोड़ फिरौती मांगी, गैंगस्टर प्रभ ने धमकाया, फैमिली फोटो भेजी

भास्कर न्यूज | मोगा

शहर में कारोबारी से 1 करोड़ रुपए की फिरौती मांगने का मामला सामने आया है। आरोपी ने खुद को प्रभ दासूवाल बताया है और वाट्सएप कॉल व मैसेज के जरिए पीड़ित को धमकाया। यही नहीं कारोबारी को फैमिली फोटो भेजी है। पुलिस ने प्रभ दासूवाल के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। कारोबारी साहिल मित्तल (34) अमृतसर रोड पर सैनिटरी की दुकान चलाते हैं। उन्हें 2 नवंबर रात 8 बजे नंबर +351924317590 से वाट्सएप कॉल आया। मित्तल ने पहले 2 कॉल नहीं उठाए, पर तीसरी बार कॉल उठाने पर सामने वाले व्यक्ति ने खुद को गैंगस्टर प्रभ बताकर 1 करोड़ की मांग की। साहिल ने फोन काट दिया तो आरोपी ने वाट्सएप पर परिवार की फोटो भेजी दीं। उधर, थाना सिटी-1 इंस्पेक्टर वरुण ने बताया कि विदेश में बैठे गैंगस्टर प्रभु के व्यापारी से फिरौती मांगने के मामले में कुछ दिनों पहले पुलिस ने गैंगस्टर प्रभ के 3 शूटरों को गिरफ्तार किया है।

## कानून व्यवस्था ध्वस्त, लोगों में खौफ : भाजपा

**चंडीगढ़** | पंजाब भाजपा के कार्यकारी अध्यक्ष अश्विनी शर्मा ने 2 दिसंबर शाम 5 बजे फिरोजपुर से श्रीगंगानगर जा रही रोडवेज बस पर बाइक सवार 3 हमलावरों द्वारा की गई फायरिंग की घटना बेहद चिंताजनक और निंदनीय है। यह वारदात न केवल यात्रियों की जान को खतरे में डालती है, बल्कि सरकार की कानून-व्यवस्था संबंधी नाकामी को भी उजागर करती है।

# मांगों के लिए ओबीसी संघर्ष समिति ने जोरावर स्टेडियम में किया प्रदर्शन

## बोले- 21 मुद्दों का जल्द समाधान करे सरकार

जरोबार स्टेडियम में प्रदर्शन करते ओबीसी संघर्ष समिति के सदस्य।

भास्कर न्यूज | धर्मशाला

धर्मशाला में विधानसभा सत्र के दौरान बुधवार को ओबीसी संघर्ष समिति ने अपनी मांगों को लेकर जोरावर स्टेडियम में प्रदर्शन किया। समिति का आरोप है कि सरकार 21 प्रमुख मांगों पर चर्चा से बच रही है और अब स्थिति गंभीर होती जा रही है। ओबीसी संघर्ष समिति ने साफ चेतावनी दी है कि अगर इस शीतकालीन विधानसभा सत्र में उनकी मांगों पर चर्चा नहीं हुई तो वे बड़े स्तर पर आंदोलन करेंगे। समिति के प्रमुख नेताओं ने कहा कि उनकी मांगों में शिक्षा, सरकारी नौकरियों में आरक्षण, जमीन संबंधी अधिकार, और सामाजिक न्याय से जुड़े अन्य मुद्दे शामिल हैं।

उन्होंने बताया कि कई बार स्थानीय और राज्य सरकार से मुलाकात के प्रयास हुए, पर सरकार ने गंभीरता नहीं दिखाई।इस दौरान प्रशासन ने शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस बल तैनात किया था।

## 'द पंजाब प्रोटेक्शन ऑफ ट्रीज एक्ट-2025' को वित्त विभाग की मंजूरी

**चंडीगढ़** | वित्तमंत्री हरपाल चीमा ने कहा, वित्त विभाग ने 'द पंजाब प्रोटेक्शन ऑफ ट्रीज एक्ट-2025 (वृक्ष संरक्षण अधिनियम) बनाने संबंधित वन एवं वन्यजीव संरक्षण विभाग के प्रस्ताव को मंजूर कर लिया है। वित्तमंत्री ने कहा कि यह अधिनियम शहरी हरियाली और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में अहम कदम है।

उन्होंने कहा कि इसमें अवैध रूप से पेड़ों की कटाई के लिए कड़े प्रावधान और जुर्माने शामिल हैं। पंजाब वित्त विभाग ने प्रस्ताव की विस्तृत समीक्षा की है। वित्तमंत्री ने बताया कि यह अधिनियम जुर्मानों के जरिए एक विशेष फंड स्थापित करने के लिए तैयार किया गया है। यह फंड रणनीतिक रूप से केवल शहरी क्षेत्रों में हरियाली परियोजनाओं के लिए इस्तेमाल किया जाएगा, जिससे पंजाबभर में पर्यावरण संरक्षण और विकास के लिए आत्मनिर्भर प्रणाली स्थापित होगी।

# रेरा को लेकर हंगामा, विधेयक के विरोध में विपक्ष ने किया वॉकआउट

**धर्मशाला** | विधानसभा में रेरा (रियल एस्टेट रेगुलेटरी अथॉरिटी) को लेकर सत्तारूढ़ और विपक्ष के बीच तीखी बहस हुई। नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू की टिप्पणियों को 'दुर्भाग्यपूर्ण' बताया और सरकार पर गोपनीयता और पारदर्शिता की कमी का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार रेरा को अपने नियंत्रण में लेने की कोशिश क्यों कर रही है, जबकि केंद्र सरकार पहले से इसपर कानून लागू कर चुकी है।विधायक त्रिलोक जम्वाल ने भी सवाल उठाए कि हाईकोर्ट को इस मामले से बाहर रखने का क्या औचित्य है, जबकि 2016 में बनाए गए कानून में हाईकोर्ट की भी इन्वोल्वमेंट है। भाजपा विधायक रणधीर शर्मा ने कहा कि सरकार की मंशा स्पष्ट नहीं है और यह बिल केंद्र सरकार और न्यायालयों की ताकत को चुनौती देने जैसा है।मुख्यमंत्री के जवाब में कहा गया कि विपक्ष

न्यायपालिका का सम्मान करने के बजाय केवल कटाक्ष कर रहा है। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट में भाजपा पर हुई आलोचना का जिक्र करते हुए कहा कि हिमाचल सरकार न्यायपालिका के प्रति सम्मानपूर्ण है। विपक्ष ने इसे सांकेतिक राजनीति बताया और विधेयक के विरोध में सदन से वॉक आउट कर दिया। सदन में विपक्ष के गैरमौजूदगी में ही भू संपदा विनियमन और विकास हिमाचल प्रदेश संशोधन विधेयक 2025 को पारित कर दिया। इस मौके विभिन्न विधेयकों पर सदन ने मंजूरी दी। सदन ने हिमाचल प्रदेश दुकान और वाणिज्यिक स्थापना अधिनियम तथा कर्मचारी भर्ती व सेवा संशोधन विधेयकों को भी मंजूरी दी।

## फायरिंग केस में गैंगस्टर काला राणा को प्रोडक्शन वारंट पर लाई फगवाड़ा पुलिस

**फगवाड़ा** | आप नेता एवं नशामुक्त अभियान को-ऑर्डिनेटर दलजीत राजू दरवेश के घर पर 26 नवंबर रात को 23 राउंड फायर करने के मामले में नया मोड़ आया है। अब हरियाणा के कुख्यात गैंगस्टर काला राणा गैंग का मुखिया वरिंद्र प्रताप उर्फ काला राणा फगवाड़ा पुलिस की गिरफ्त में है।

पुलिस ने उसे गुरुग्राम की भोंडसी जेल से प्रोडक्शन वारंट पर लाई और कोर्ट में पेश किया। अदालत ने उसे 2 दिन के रिमांड पर भेज दिया है। एसपी माधवी शर्मा ने मामले की पुष्टि की। एसपी फगवाड़ा ने बताया कि काला राणा को कोर्ट में पेश कर रिमांड हासिल किया गया है। विशेष जांच टीमें उससे लगातार पूछताछ कर रही हैं। शुरुआती जांच में सामने आया कि फायरिंग की पूरी साजिश गैंग के टॉप शार्प शूटर शुभम पंडित के इशारे पर रची थी।गोलीकांड में अब तक 4 लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है।

# अमनदीप पर भ्रष्टाचार के आरोप तय जांच में 29% अधिक प्रॉपर्टी निकली

भास्कर न्यूज | बठिंडा

नशा तस्करी मामले में पंजाब पुलिस की बर्खास्त सीनियर हैड कांस्टेबल अमनदीप कौर की मुश्किलें बढ़ गई हैं। मंगलवार को बठिंडा की सत्र अदालत ने अमनदीप कौर के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोप तय कर दिए। अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश सुरिंदरपाल कौर की अदालत ने मामले की सुनवाई के बाद अगली सुनवाई के लिए 21 जनवरी की तारीख तय की है।

विजिलेंस ब्यूरो अब आरोपी के खिलाफ अदालत में सबूत पेश करेगी। अमनदीप कौर को सोशल मीडिया पर थार वाली कांस्टेबल और इंस्टाग्राम क्वीन के नाम से भी जाना जाता है। 14 नवंबर को विजिलेंस ब्यूरो ने अमनदीप कौर के खिलाफ दूसरा आरोप पत्र (चार्जशीट) दाखिल किया था। विजिलेंस की जांच में पता चला कि 2018 से 2025 के बीच अमनदीप कौर की कुल आय 1 करोड़ 08 लाख 37 हजार रुपए थी, जबकि उसका खर्च 1 करोड़ 39 लाख 64 हजार 802.97 रहा है। यह खर्च अमनदीप की आय से 31 लाख 27 हजार (28.85%) अधिक है। विजिलेंस ब्यूरो ने जांच में अमनदीप की चल-अचल संपत्ति, वेतन रिकॉर्ड, बैंक खाते और लोन की पड़ताल की है। अधिक खर्च का यह खुलासा ही भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत दर्ज मामले का आधार बना है। अमनदीप कौर को इसी साल 2 अप्रैल को बठिंडा पुलिस ने शहर के बाहरी इलाके बादल रोड से नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस एक्ट के तहत गिरफ्तार किया था। उनकी काले रंग की थार से 17.71 ग्राम हेरोइन बरामद हुई थी। इस घटना के तुरंत बाद 3 अप्रैल को उसे सेवा से बर्खास्त कर दिया गया था। बाद में 26 मई को विजिलेंस ब्यूरो ने भी उसके खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया।

# एचकेआरएन ने विश्वस्तरीय कौशल विकास, रोजगार सृजन पर जोर दिया

भास्कर न्यूज | चंडीगढ़

हरियाणा के युवाओं को वैश्विक स्तर पर रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में बुधवार को महत्वपूर्ण कदम उठाया गया। हरियाणा कौशल रोजगार निगम (एचकेआरएन) के निदेशक मंडल द्वारा मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी की अध्यक्षता में हुई बोर्ड की 12वीं बैठक में कई परिवर्तनकारी प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। बैठक में बोर्ड के राज्य में विश्वस्तरीय कौशल विकास, रोजगार सृजन और कार्यबल के आधुनिकीकरण पर विशेष जोर दिया गया।

मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि एचकेआरएन की सभी नियुक्तियों का डेटाबेस आधार से जोड़कर पारदर्शिता, सटीकता व दक्षता सुनिश्चित की जाए। प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय अवसरों के अनुरूप कार्यबल विकसित करने के लिए बोर्ड द्वारा "विदेशी भाषा सहायता एवं प्रतिपूर्ति योजना (फॉरेन लैंग्वेज सपोर्ट एंड रीइंबर्समेंट स्कीम) को स्वीकृति दी गई। इस योजना का उद्देश्य जर्मन, जापानी और इतालवी जैसी विदेशी भाषाओं के प्रशिक्षण और प्रमाणन शुल्क की प्रतिपूर्ति करके विदेशी रोजगार की क्षमता बढ़ाना है। यह पहल बजट भाषण 2023-24 की उस घोषणा के अनुरूप है, जिसमें हरियाणा के युवाओं को विदेशों में नियुक्तियों के लिए तैयार करने पर बल दिया गया था। जैसे-जैसे वैश्विक गतिशीलता भाषा प्रवीणता पर निर्भर हो रही है, यह योजना प्रमाणित उम्मीदवारों का एक तैयार पूल बनाने में मदद करेगी, जिन्हें अंतरराष्ट्रीय नौकरी की आवश्यकताएं उत्पन्न होते ही तैनात किया जा सकता है। एचकेआरएन, जो अब विदेशों से जनशक्ति मांग प्राप्त करने वाली एक पंजीकृत भर्ती एजेंसी है, का मानना है कि यह योजना अंतरराष्ट्रीय उद्योग की अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।

## आज और कल हरियाणा-पंजाब में धुंध की संभावना

**चंडीगढ़** | प्रदेश में दिन-रात का तापमान कम होने से ठंडक घुल गई है। गुरुग्राम में सबसे कम 3.5 डिग्री तापमान दर्ज हुआ। पिछले 24 घंटे में प्रदेश में न्यूनतम तापमान में 1.7 डिग्री व अधिकतम तापमान में 1.3 डिग्री की कमी आई है। अब न्यूनतम तापमान 3.2 डिग्री व अधिकतम 2 डिग्री तक सामान्य से कम है। गुरुग्राम में सबसे कम 3.5 डिग्री तापमान रहा। हिसार में चार डिग्री तापमान रहा। यहां रात का तापमान अब सामान्य से 5.3 डिग्री तक कम हो गया है। सिरसा में सबसे कम 21.9 डिग्री तापमान रहा, जबकि भिवानी में सबसे अधिक 24.9 डिग्री अधिकतम तापमान दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने चार दिसंबर को भी शीत लहर का अलर्ट जारी किया है। कुछ इलाकों में दो दिन धुंध भी पड़ सकती है। पांच दिसंबर को पश्चिम विक्षोभ भी असर दिखा सकता है, इसका ज्यादा असर पहाड़ी इलाकों में देखने को मिल सकता है।

## घर में आया सांभर हिरण, वन विभाग समेत 3 टीमों ने डेढ़ घंटे में किया रेस्क्यू

**अम्बाला** | नारायणगढ़ के डेरा गांव में बुधवार शाम एक घर में सांभर हिरण आने से क्षेत्र में हलचल मच गई। लोगों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची व वन विभाग की टीमों को बुलाया। साथ ही वाइल्ड लाइफ टीम भी मौके पर पहुंची। करीब डेढ़ घंटे की मशक्कत के बाद टीम ने सांभर को झाल के जरिए रेस्क्यू किया व उसे मोरनी के पहाड़ी क्षेत्र में छोड़ा।

बीपीएल परिवारों को हर साल नवंबर से मार्च तक मिलता रहा है बाजरा

# 1. 59 करोड़ बीपीएल लाभपात्रों को नहीं मिलेगा बाजरा, सरकार ने खरीदा ही नहीं

रवि दलाल | रोहतक

प्रदेश में बाजरे के सरकारी भंडार खाली हो चुके हैं। इसके कारण इस सीजन में बीपीएल परिवारों को बाजरा नहीं मिलेगा। प्रदेश के लगभग 40 लाख 66 हजार बीपीएल परिवारों के 1 करोड़ 59 लाख सदस्यों को बाजरे से वंचित रहना पड़ेगा। इसका असर उनके पोषण पर पड़ेगा, क्योंकि मोटा अनाज स्वास्थ्य के लिए अच्छा माना जाता है।

सरकार भी बीपीएल परिवार के प्रत्येक सदस्य को नवंबर से मार्च तक महीने में दो किलोग्राम बाजरा व तीन किलो गेहूं देती रही है, लेकिन इस बार ज्यादा बारिश के कारण अधिकतर बाजरे की फसल खराब हो गई थी। जो बाजरा मंडियों में पहुंचा उसकी गुणवत्ता अच्छी नहीं थी। इसके कारण बाजरे की सरकारी खरीद नहीं की गई। बाजरे का भंडार खाली हो चुका है। इसके कारण लोगों को इस सीजन में बाजरे की जगह गेहूं वितरित किया जाएगा।

रोहतक के डीएफएससी विरेंद्र सिंह ने बताया कि ज्यादा बारिश के कारण बाजरे की फसल खराब हो गई थी। इसके कारण बाजरे की सरकारी खरीद नहीं की गई। विभाग से बीपीएल परिवारों को बाजरे के वितरण के लिए कोई आदेश नहीं है। बीपीएल लाभार्थियों को बाजरे की जगह गेहूं दिया जा रहा है।

**बाजरे का सेवन स्वास्थ्य के लिए लाभदायकः** सर्दियों में बाजरा सबसे पौष्टिक और फायदेमंद होता है। इसमें फाइबर, प्रोटीन, आयरन और कैल्शियम की मात्रा अधिक होती है। इससे पाचन क्रिया में सुधार होता है और लंबे समय शरीर को तक गर्माहट व ऊर्जा देता है। बाजरे के मिनरल्स हड्डियों को भी मजबूत बनाते हैं।

**भास्कर खास** एमडीयू के सेंटर फॉर मेडिकल बायोटेक्नोलॉजी ने तैयार की तकनीक

# स्वाइन फ्लू एच-1, एन-1 की जांच अब 30 मिनट में, सैंपल लैब भेजने की जरूरत नहीं, स्वैब के जरिए बायो सेंसर से होगी जांच

यशपाल सिंह | हिसार

स्वाइन फ्लू एच-1, एन-1 के लिए अब लैब टेस्ट करके रिपोर्ट का इंतजार नहीं करना होगा। अब 30 मिनट में ही मरीज के नाक से लिए स्वैब या मुंह से लिए स्लाइवा के जरिए बीमारी का तुरंत पता लगाया जाएगा। सैंपल लैब में ले जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

लुवास में सोसाइटी फॉर वेटरनरी साइंसेज एंड बायोटेक्नोलॉजी एसवीएसबीटी के 12वें वार्षिक अधिवेशन एवं अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में बायो सेंसर विकसित करने वाले एमडीयू रोहतक के सेंटर फॉर मेडिकल बायोटेक्नोलॉजी के निदेशक एवं एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. हरिमोहन ने अपना शोधपत्र प्रस्तुत किया। यह शोधपत्र प्रकाशित हो चुका है और तकनीक को पेंटेंट के लिए आवेवेदन किया है।

बायो सेंसर के जरिए डायबिटीज की ही तरह कुछ ही मिनट में स्वाइन फ्लू के बारे में रिपोर्ट मिल सकेगी। ग्लूकोज की तरह रीडिंग भी मिलेगी। बायो सेंसर के जरिए टेस्टिंग की कीमत भी कम ही होगी। महज 100 रुपए में स्वाइन फ्लू टेस्ट किया जा सकेगा। ऐसे में महामारी फैलती है तो एक साथ कई सैंपल जल्दी किए जा सकेंगे। इस तकनीक को एआई से जोड़ने पर भी काम चल रहा है। इसके बाद मोबाइल नंबर पर ही मरीज को तुरंत रिपोर्ट मिल सकेगी।

पीजीआई, रोहतक की लैब से मरीजों के सैंपल लेकर भी यह टेस्ट किया गया है। 3 साल तक चले इस शोध में 100 मरीजों के भी सैंपल लिए गए, जिनमें से 40 पॉजिटिव मिले। इन मरीजों का रियल टाइम लैब टेस्ट भी किया गया, जिसमें सभी परिणाम ठीक मिले। बायोसेंसर में चिप लगी होगी, जिस पर स्लाइवा या स्वैब डालने पर ग्लूकोज की ही तरह रीडिंग मिलेगी, जिससे स्वाइन फ्लू का पता लगाया जा सकता है।

### कोविड व डेंगू की जांच के लिए भी ट्रायल होंगे

बायो सेंसर के जरिए डेंगू, कोविड, जापानी बुखार जैसी दूसरी बीमारियों के वायरस डिटेक्ट करने को लेकर भी ट्रायल करवाए जा रहे हैं। इंसानों के अलावा जानवरों की गलघोंटू, एफएमडी आदि के लिए भी वायरस डिटेक्ट हो सकते हैं, इस पर अभी ट्रायल किए जाएंगे। अफ्रीकन स्वाइन फीवर वायरस आरंभ में सुअरों में आया था, जिससे हरियाणा में भी कई सुअरों की मौत हुई थी, इसलिए अभी इस वायरस के डिटेक्सन को लेकर भी ट्रायल शुरू कर दिया है।

### मौके पर ही दी जा सकेगी बीमारी के टेस्ट की रिपोर्ट

*स्वाइन फ्लू एच-1, एन-1 की जांच के लिए बायोसेंसर तैयार किया है। इसके पेंटेंट के लिए आवेदन किया है। अब मरीजों को लैब रिपोर्ट का इंतजार करने की आवश्यका नहीं है। अब मौके पर ही बायोसेंसर के जरिए 30 मिनट में मौके पर ही टेस्ट कर रिपोर्ट दी जा सकेगी।*

**- डॉ. हरिमोहन,** निदेशक, सेंटर फॉर मेडिकल बायोटेक्नोलॉजी, एमडीयू, रोहतक

# हरियाणा : एनएचएम कर्मियों के वेतन लाभ फ्रीज करने का फैसला खारिज

## कर्मचारी की गलती बिना रिकवरी करना मनमानाः हाई कोर्ट

ललित कुमार | चंडीगढ़

पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने हरियाणा सरकार के उस आदेश को रद्द कर दिया है जिसके तहत नेशनल हेल्थ मिशन (एनएचएम) और स्टेट हेल्थ मिशन के अनुबंधित कर्मचारियों के वेतन लाभ को फ्रीज कर दिया गया था। जस्टिस संदीप मोदगिल ने राज्य सरकार की कार्रवाई को मनमानी करार देते हुए इस संबंध में सभी 79 याचिकाओं को स्वीकार कर लिया। हाई कोर्ट ने कहा कि कर्मचारी की कोई गलती न हो तो वर्षों बाद भुगतान की रिकवरी करना मनमाना व अन्यायपूर्ण है। कोर्ट ने इस संबंध में 27 जून 2024 का आदेश रद्द कर दिया, सभी वेतन लाभ बहाल करने के आदेश दिए। पहले से की गई रिकवरी भी 6% ब्याज सहित लौटाने के आदेश दिए हैं।

### वेतन, भत्ते लाभ फ्रीज करने का मामला

- **क्या था मामला?:** याचिकाकर्ता राज्य एनएचएम के तहत कार्यरत कॉन्ट्रैक्ट आधार पर नियुक्त कर्मचारी हैं। 2018 में मुख्य सचिव की अध्यक्षता वाली राज्य स्वास्थ्य सोसायटी की गवर्निंग बॉडी ने सर्विस बाइलॉज 2018 को मंजूरी दी थी। इन्हीं बाइलॉज के तहत कर्मचारियों को छठे पे कमीशन पैटर्न पर वेतन निर्धारण, भत्ते जैसे लाभ मिल रहे थे। फाइनेंस डिपार्टमेंट ने जून 2024 में एक आदेश जारी कर इन लाभों को फ्रीज कर दिया था। 27 जून 2024 के बाद दिए गए लाभ वापिस लेने और रिकवरी शुरू करने के निर्देश दे दिए। इसी को याचिकाओं में चुनौती दी गई।
- **कर्मचारियों की दलीलः** याचिकाकर्ताओं ने कहा कि सर्विस बाइलॉज 2018 को मुख्य सचिव की अध्यक्षता वाली गवर्निंग बॉडी ने मंजूर किया था। वित्त विभाग ने वर्षों तक वेतन वृद्धि व 60 करोड़ रुपये तक के अतिरिक्त फंड भी जारी किए इसलिए बाद में यह कहना कि कनकरेंस नहीं ली गई, पूरी तरह बाद की सोची समझी दलील है। लाभ वर्षों तक मिलने के बाद उसे बिना सुनवाई समाप्त करना कानून और प्राकृतिक न्याय दोनों के खिलाफ है।

करी रोड पुलाच्या लालबाग दिशेला असलेले दुभाजक (डिव्हायडर) अपघातांना निमंत्रण देत आहेत. प्रभादेवी पूल बंद केल्यामुळे वाहतूक नियमनाचा भाग म्हणून हे डिव्हायडर बसवल्याचे वाहतूक पोलिसांनी सांगितले. - ३

# भोर घाटात दरडींसाठी 'ड्रेनेज' मार्ग

## कर्जत-खोपोली ट्रॅकच्या सुरक्षेसाठी मध्य रेल्वेची तयारी; दरडप्रवण भागाची आयआयटीकडून पाहणी

लोकमत न्यूज नेटवर्क

**मुंबई :** कर्जत-खोपोली रेल्वे मार्गावरील भोर घाटामध्ये वारंवार कोसळणारी दरड रोखण्यासाठी मध्य रेल्वेकडून ड्रेनेज लाईन टाकण्याबाबत चाचपणी सुरू आहे. मध्य रेल्वेच्या अभियांत्रिकी विभागातील अधिकारी आणि आयआयटी मुंबईच्या तज्ज्ञांनी नुकतीच या मार्गाची पाहणी केली असून, लवकरच ड्रेनेजचे काम सुरू होणार असल्याचे रेल्वेच्या अधिकाऱ्यांनी दिली. पावसाळ्यात भोर घाटातील मंकी हिल परिसरात दगड, गाळ अनेकदा रुळांवर येतो. सुमारे ८ ते १० चौ. किमी क्षेत्रफळाच्या या दरडप्रवण भागात एका बाजूला रेल्वे रूळ, तर दुसऱ्या बाजूला उतार, धबधबे आहेत. मुसळधार पावसामुळे दगड आणि गाळ वाहत रुळांवर येऊन अपघाताचा धोका असतो.

भोर घाटामधील ड्रेनेज लाईन प्रकल्पासाठी वन विभागाची परवानगी मागण्यात आली आहे.

### असा असेल आराखडा...

प्राथमिक आराखड्यानुसार, रेल्वे लाईनला समांतर ६०० ते ८०० मीटर लांबीच्या ड्रेनेज लाईन्स उभारण्यात येणार आहेत. या ड्रेनेजची खोली दोन ते तीन मीटर असेल. याशिवाय, मुख्य ड्रेनेजशी जोडलेल्या छोट्या लाईन्समार्फत पावसाचे पाणी पर्वत उताराच्या बाजूला सुरक्षितपणे वळविता येईल. या प्रकल्पासाठी वन विभागाची परवानगी मागण्यात आली असून, आयआयटी मुंबई तांत्रिक बाबी तपासत आहे.

### धो-धो पावसात दिलासा

डोंगरावरच दोन ते तीन मीटर खोल ड्रेनेज लाईन उभारण्याचा विचार रेल्वेकडून सुरू आहे. यामुळे धो धो पावसात पाणी व गाळ रुळांवर कोसळण्यापासून रोखता येणार आहे.

### गेल्या चार वर्षांत ३० वेळा दरडी कोसळण्याच्या घटना

१ गेल्या चार वर्षांत कर्जत-खोपोली लोणावळा मार्गावर दगड कोसळण्याच्या सुमारे ३० घटना नोंदल्या गेल्या आहेत.

२ यासाठी मध्य रेल्वेने कल्याण कसारा/कर्जत घाट परिसरात मोठ्या प्रमाणावर जाळी टाकणे, ६०,००० चौ.मी. परिसरात कॅनेडियन कुंपण उभारणे यांसारखी कामे केली आहेत. तसेच, बोगद्यांसह २०० मीटरपर्यंत स्टील पोर्टल/छतासारख्या संरचना बसविण्यात आल्या आहेत.

## ६० हजार मुलींना सॅनिटरी पॅड्सचे वितरण

लोकमत न्यूज नेटवर्क

**मुंबई :** केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल यांनी मुंबईतील सर्व महापालिका शाळांमधील सुमारे ६० हजार विद्यार्थिनींना दर महिन्याला मोफत सॅनिटरी पॅड्स देण्याच्या महा-उपक्रमाचा शुभारंभ केला.

या उपक्रमांतर्गत दर महिन्याला ४ लाख २० हजार सॅनिटरी पॅड्सचे वितरण करण्यात येणार आहे. यामुळे मुलींचे शिक्षण किंवा सन्मान मासिक पाळीविषयक स्वच्छता साधनांच्या अभावामुळे कोणत्याही प्रकारे शिक्षण खंडित होणार नाही, याची खात्री गोयल यांच्या पुढाकारातून करण्यात आली आहे. मंत्री पीयूष गोयल यांनी नुकेतच उद्घाटन केलेल्या मुंबई पब्लिक स्कूल, मंडपेश्वर या महापालिका शाळेतील विद्यार्थिनींना मोफत सॅनिटरी पॅड्स वाटप करून या उपक्रमाची सुरुवात केली. याप्रसंगी त्यांनी सांगितले की, शाळांमध्ये सॅनिटरी उत्पादने उपलब्ध करून देणे हे मुलींच्या आत्मविश्वास, आरोग्य आणि अखंडित शिक्षणासाठी महत्त्वाचे आहे.

## आजचे भविष्य

विजय देशपांडे (ज्योतिषविशारद)

**गुरुवार, दि. ४ डिसेंबर २०२५**

राष्ट्रीय भारतीय सौर दिनांक अग्रहायन १३, १९४७. **तिथी :** मार्गशीर्ष शुक्ल चतुर्दशी / पौर्णिमा (सकाळी ८:३८ पर्यंत चतुर्दशी. त्यानंतर दुसऱ्या दिवशी उत्तर रात्री पहाटे ४:४४ वाजेपर्यंत पौर्णिमा) शालिवाहन शके १९४७. विश्वावसू नाम संवत्सर. **नक्षत्र :** दुपारी २:५४ पर्यंत कृत्तिका. त्यानंतर रोहिणी. **रास :** वृषभ. **आज :** चांगला दिवस. दत्त जयंती. **राहू काळ :** सकाळी १०:३० ते १२. (राहू काळात महत्त्वाची कामे टाळा.)

**मेष** — **धनलक्ष्मीची तुमच्यावर कृपा राहील.** अचानकपणे हाती पैसा येईल. महत्त्वाच्या कामात सोप्या पद्धतीने सफलता मिळेल. कुणाची तरी अनपेक्षितपणे मदत मिळेल आणि काम यशस्वीपणे पूर्ण होईल. आवडत्या भोजनाचा आस्वाद घेता येईल.

**वृषभ** — **अनेक अडचणी दूर होतील.** त्यामुळे तुम्हाला मोकळा वेळ मिळेल. आवडते छंद जोपासण्यासाठी वेळ देता येईल. मनात आनंदी विचार राहतील. विवाहेच्छूंसाठी अनुकूल काळ आहे. चांगल्या स्थळांचे प्रस्ताव समोर येतील. विचारपूर्वक निर्णय घेतला पाहिजे.

**मिथुन** — **महत्त्वाच्या कामात अडथळा येईल.** लोक तुम्हाला चुकीचा सल्ला देतील. फार दगदग होईल, अशी कामे करू नका. कायद्याची बंधने पाळण्यात हयगय करू नका. प्रवासात सतर्क राहा. अनावश्यक खर्चावर नियंत्रण ठेवा. बाजारपेठेचा अंदाज चुकू शकतो.

**कर्क** — **महत्त्वाच्या कामात सोप्या पद्धतीने यश मिळेल.** लोकांच्या सहकार्यामुळे अडलेली कामे मार्गी लागतील. धनलक्ष्मीची तुमच्यावर कृपा राहील. नवनवीन प्रयोग करून पाहिले जातील. मनात प्रसन्न विचार राहतील. नोकरीत तुमचा प्रभाव पडेल.

**सिंह** — **कार्यक्षेत्रात अनुकूल वातावरण राहील.** नवीन संधी मिळेल. सोयी-सुविधा वाढवून मिळतील. मात्र, सहकारी वर्गाशी गोडीत बोलून आपली कामे करून घ्या. आर्थिक प्राप्तीचे प्रमाण चांगले राहील. घरातील कामांसाठी वेळ द्यावा लागेल.

**कन्या** — **भाग्याची चांगली साथ तुम्हाला मिळेल.** मौजमजा करण्यासाठी वेळ मिळेल. काहींचे पर्यटनाच्या माध्यमातून फिरणे होईल. एखाद्या सार्वजनिक कार्यात सहभागी व्हाल. लोकांकडून तुमच्या कामाची प्रशंसा केली जाईल. तुमचा सल्ला लोकांना पटेल.

**तूळ** — **संमिश्र ग्रहमानाचा अनुभव येईल.** महत्त्वाच्या कामात अडथळा येऊ शकतो. वाहनाच्या वेगावर नियंत्रण ठेवा. घाईघाईत कामे उरकण्याचा प्रयत्न करू नका. अचानक धनलाभ होऊ शकतो. काहींना भेटवस्तू मिळतील. तुमचे बोलणे प्रभावी ठरेल.

**वृश्चिक** — **ग्रहमान अनुकूल राहील.** मनात सकारात्मक विचार राहतील. तुमची कामे पटापट होतील. तरुण वर्गाला प्रेमात अपेक्षित प्रतिसाद मिळेल. भेटवस्तू व विविध लाभ होतील. मात्र, आपल्या बोलण्याने कुणाचे गैरसमज होणार नाहीत, याची काळजी घ्या.

**धनू** — **अति उत्साहात लोकांना अवास्तव आश्वासने देऊ नका.** आरोग्याच्या तक्रारींकडे दुर्लक्ष करू नका. खाण्यापिण्याचे पथ्य पाळा. महत्त्वाच्या कामात अडचणी येतील. संयमाने वागण्याची गरज आहे. चांगल्या लोकांच्या सहवासात राहा.

**मकर** — **हाती घेतलेले कार्य यशस्वीपणे पूर्ण कराल.** एखाद्या सार्वजनिक कार्यात सहभागी व्हाल. विद्यार्थ्यांना अनुकूल काळ आहे. नोकरीत तुमचे पारडे जड राहील. तुमच्या शब्दाला मान दिला जाईल. गृहसौख्य चांगले राहील. प्रेमात सफलता मिळेल.

**कुंभ** — **नोकरीत तुमचे वर्चस्व प्रस्थापित करण्यात यश मिळेल.** एखाद्या नवीन जबाबदारीत गुंतलेले राहाल. प्रयत्नपूर्वक यश मिळवाल. मात्र, सहकारी वर्गाशी गोडीत वागा. घरात किरकोळ कारणावरून गैरसमज होऊ शकतात. थोडा संयम राखा.

**मीन** — **व्यवसायात चहल पहल राहील.** नावीन्यपूर्ण कल्पना विकसित होतील. ग्राहकांचा प्रतिसाद चांगला राहील. मात्र, आर्थिक गुंतवणूक करताना खबरदारी घ्या. काहींना अचानक प्रवास करावा लागेल. भावंडांशी गैरसमज होऊ शकतात.

# महापालिकेचा अधिकारी भासवत खंडणीची वसुली

## धारावीत टोळीचा पर्दाफाश, एका आरोपीला अटक

लोकमत न्यूज नेटवर्क

**मुंबई :** मुंबई महापालिकेचे कर्मचारी असल्याची बतावणी करून बालकामगार कायद्याअंतर्गत कारवाईची भीती दाखवत कारखाना मालकाकडून चौघांनी खंडणी उकळण्याची धक्कादायक प्रकार धारावीमध्ये घडला. याप्रकरणी दोन महिलांसह चार संशयितांवर धारावी पोलिसांनी गुन्हा दाखल करून हनुमंता नागप्पा कुंचीकुर्वे (३६) याला अटक केली.

तक्रारदार अबिद बिगन शेख (३५) हे ३० ऑक्टोबर रोजी कारखान्यात काम करत असताना त्यांच्या कुटुंबातील मुले कारखान्यात खेळत होती. त्याच वेळी आरोपी दीपाली दळवी (२४) आणि मेघा सोनवणे (४२) यांनी आपण महापालिका कर्मचारी असल्याचे बतावणी केली.

### बालकामगार कायद्याची भीती

शेख यांना त्यांनी बालकामगार कायद्याअंतर्गत कारवाई धमकी देऊन त्यांच्याकडून २५ हजार रुपयांची खंडणी घेतली.

तसेच, त्याच दिवशी परिसरातील बऱ्याच जणांवरून अशा प्रकारे बालकामगारांची भीती घालून खंडणी गोळा केली. त्यानंतर १ डिसेंबर रोजी दीपाली आणि तिचा साथीदार हनुमंता कुंचीकुर्वे हे त्यांच्या कारखान्यात येऊन खंडणीची मागणी करू लागले.

### चौघांविरोधात पोलिसांत गुन्हा

शेख यांच्यावर बालकामगाराचा गुन्हा दाखल करण्याची धमकी दिली. शेख यांना संशय आल्याने त्यांनी परिसरातील दुकानदारांना बोलावून त्या कथित बीएमसी कर्मचाऱ्यांना पकडले. त्यातील दीपाली व तिच्यासोबतचा अनोळखी व्यक्ती पळून गेले. तर कुंचीकुर्वे हा सापडला. पोलिसांनी शेख यांची फिर्याद नोंदवून घेत याप्रकरणी दीपाली, मेघा सोनवणे, हनुमंता कुंचीकुर्वे व एक अनोळखी व्यक्तीविरोधात गुन्हा दाखल केला आहे.

## घाटकोपरमध्ये उसळला आगडोंब

घाटकोपर (पूर्व) येथील अमृत नगरातील न्यू वसंत व्हिला इमारतीला बुधवारी भीषण आग लागली. घटनास्थळी मुंबई अग्निशमन दलाचे बंब तत्काळ दाखल झाले. जवानांनी इमारतीत अडकलेल्या रहिवाशांना सुरक्षितपणे बाहेर काढले. उशिरापर्यंत आगीचे कारण स्पष्ट झाले नव्हते. छाया : सुशील कदम

## शब्दकोडे क्र. १६०५

**आडवे शब्द :** १) द्वितीय पारितोषिक मिळवणारा, ५) कौतुक करण्याजोगे, ९) किंमत, १२) बुद्धिबळात राजाला नमवणे, १३) वस्त्र, १५) घाण, १६) स्वामी स्वरूपानंदांचे गाव, १७) सोळावं "_____" धोक्याच गं, १८) चांगले आचरण, १९) जलप्रवासाचे एक साधन, २१) भिंतीवर सरपटणारा एक जीव, २२) एक वार, २४) शूर, २५) पाषाण, २७) विक्रीच्या वस्तू, २८) पतीची दुसरी पत्नी, २९) विष, ३१) पुस्तक, ग्रंथ यांचे पठण, ३३) ओंजळ, ३४) विष्ठा, ३५) आणि, ३६) जंगल, ३७) पाहुण्यांचा आदर सत्कार करणे, ३९) सत्त्व, ४१) वस्तू बनवण्यासाठी केलेली घडण, मूस, ४२) निसटण्याचा मार्ग, ४४) वितरण, ४५) स्त्रियांचे एक वस्त्र, ४७) औषध, ४८) गजानन महाराजांचे समाधी गाव, ५० टणक, मजबूत, ५२) फक्त लांबी व रुंदी असलेला पृष्ठभाग, ५४) शंकराचे वाद्य, ५६) जुन्या काळातील एक वाहन, ५७) पती, ५८) ठिकाण, जागा, ६०) ग्रामीण भागातील एक चवदार पदार्थ, ६२) सर्वांप्रती सारखी भावना, ६४) भरभराट, ६६) मऊ वस्त्र, ६८) एक उभयचर ६९) पदार्थ शिजतानाचा आवाज, ७१) लोक, ७२) समवेत, ७३) एक पंजाबी पदार्थ, ७४) "आज"चा भूतकाळ.

**उभे शब्द :** १) शंकर भगवान, २) पैसे फेडण्याची क्षमता, ३) भोजन, ४) साठ मिनिटे, ६) भंडारा जिल्ह्यातील तालुका, ७) '.......' आला होता पण; वेळ आली नव्हती, ८) शक्तिशाली, ९) खबदड, १०) पहाटे पानांवर पडणारे जलबिंदू, ११) रसाळ, १४) आश्चर्य, १८) प्रश्न, २०) वडील (इं.), २१) एक सण, २३) विमाने उतरण्याची जागा, २४) जैन धर्मातील एक देवता, २६) जंगल, २८) एक भित्रा प्राणी, २९) बस्तान बसणे, ३०) नीच, अधम, ३२) कसेही वागणारी स्त्री, ३३) खूप सकाळची मोकळी हवा, ३७) पुण्यातील एक भाग, ३८) तमाशात काम करणारा, ४०) निखालस, पूर्णपणे, ४१) आचार्य अत्रे यांचे जन्मगाव, ४२) पंख, ४३) भांडण, ४४) हिंदू धर्मातील चार आश्रमांपैकी एक, ४६) गायीचे पुरुष लिंगी पिलू, ४९) टोळीचा प्रमुख, ५१) अंदाज, ५३) शरीर, ५५) हळद, कुंकू, तांदूळ यांचा कपाळी लेप, ५७) पिता, ५९) पैसा, ६०) पराभव करणे, ६१) देश, ६२) श्रेष्ठ, ६३) हिंदुस्थान, ६४) अनेक कप्पे असलेली पिशवी, ६५) केर, ६७) टेंभा, ७०) मग्न.

**शब्दकोडे क्र. १६०४ चे उत्तर**

| | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| कुं | भ | मे | ळा | | चा | क | र | मा | ना | | द | शा | न | न |
| ती | ट | | | | त | र | स | | य | शो | दा | | | टी |
| पु | | स्व | यं | पा | क | | दा | द | र | | त | म | स | |
| त्र | य | स्थ | | च | | वा | र | स | | आ | | ग | व | त |
| | श | | बा | र | से | | | रा | ज | क | न्या | | ल | |
| गा | वं | ढ | ळ | | ना | क | | | | स | य | | त | ह |
| ल | त | | | गा | | व | र | मा | य | | दा | त | | र |
| फु | | ज | ग | र | हा | टी | | | म | हा | न | | स | ह |
| गी | त | का | र | | दिं | | | वा | न | र | | आ | भा | र |
| | र | त | | ता | क | द | | चा | क | | आ | रा | स | |
| म | त | | | श्कं | | हा | र | | ल्या | | | म | द | न |
| द | री | | ग | द | र | | स | हा | ण | | मा | शी | | र्त |
| र | | दा | र | | ग | नी | म | | | वा | | र | ज | क |
| सा | म | दा | म | दं | ड | | ला | | बा | य | को | | न | |
| | न | | | श | | सा | ई | बा | बा | | प | द | क | |

# लग्नसराईत हुंड्याला फाटा, दागिन्यांचा सोस मात्र कायम

अनंत पाटील
लोकमत न्यूज नेटवर्क

**नवी मुंबई :** सध्या लग्नसराईचा हंगाम सुरू आहे. आगरी-कोळी समाजात हुंडा पद्धतीला विरोध कायम आहे. हा समाज पारंपरिक मूल्यांवर चालतो. समाजात लग्नात हुंडा देण्याची किंवा घेण्याची पद्धत नाही. मात्र, चहापाणी अर्थात साखरपुडा ते लग्न सोहळ्यापर्यंत वधू-वरांच्या माता-पित्यांकडून वर-वधूंना सोन्याचे लाखो रुपये किमतीचे दागिने घालण्याची पद्धत कायम आहे.

आगरी-कोळी समाजात लग्नाआधी वधूच्या घरी नवरदेवाकडील काही नातेवाईक, ज्यांना 'करवल्या' म्हणतात, ते वधूला सजवण्यासाठी उंची साडी, सोन्याचे दागिने घेऊन जातात.

वधूला तिच्या सासरी येताना कौटुंबिक परंपरेचा एक भाग म्हणून दागिने दिले जातात. ज्यामुळे तिला आर्थिक संरक्षण मिळते. या दागिन्यांची नक्षी सुंदर, आकर्षक आणि पारंपरिक असते.

### समृद्धीचे प्रतीक असल्याने दागिन्यांवर भरघोस खर्च

आगरी-कोळी स्त्रिया अंगभर सोन्याचे दागिने घालतात, ज्यात करवल्या महिलांच्या गळ्यात कंठहार, लक्ष्मीहार, ५ ते ५० तोळ्यांचे मंगळसूत्र, लखपक हार, सोन्याची साखळी, कानात कुड्या, वेली, हातात सोन्याचे तोडे, बांगड्या, पाटल्या, इत्यादींचा समावेश असतो. हे दागिने समृद्धीचे प्रतीक मानले जातात. हुंडा पद्धत नसल्यामुळे लग्नानंतर १०० टक्के नववधू-वरांचा संसार सुखाचा होतो.

## जाब विचारणाऱ्या तरुणाची हत्या

लोकमत न्यूज नेटवर्क

**मुंब्रा :** मित्राला मारहाण का केली याचा जाब विचारणाऱ्या तीन तरुणांवर केलेल्या जीवघेण्या हल्ल्यात एकाचा मृत्यू, तर दोनजण गंभीर जखमी झाले.

या घटनेत अभिजित याचा मृत्यू झाला. सुमित आणि युवराज जखमी झाले. दिवा शहरातील गणेश नगर परिसरातील सलूनमध्ये साहिल सणस (वय १६) हा केस कापण्यासाठी जात होता. त्याचे पूर्वी वरुण सपकाळ याच्याबरोबर भांडण झाले होते. यातून त्याने तसेच प्रतीक सपकाळ आणि रुतिक दुबे ऊर्फ पंडित याने त्याला मारहाण केली. याचा जाब अभिजित पाटील, सुमित गावडे आणि युवराज घुले यांनी विचारल्याने वाद झाला.

लोकमत CLASSIFIEDS classified online — क्लिक करा बुक करा http://online.lokmatclassified.com

**शैक्षणिक**

**DEVI MAHALAXMI COLLEGE**
Recog. By Govt. of Maharashtra, MSBTE, MSVBE
Special Batch for 2025-26
• Adv. Dip. in Fire Safety Engineering - FS
• Adv. Dip. In Industrial Safety- ADIS
• (ADMLT) • B. Voc (3 Years)
• Post Diploma in Fire Engg. - FI (Any Graduate)
• Advance Diploma in Environmental Engg - EZ
• Fire Service Engg.- FR (12th Pass)
• Advance Diploma in Industrial Safety & Security Management - FF (Any Graduate)
• D.M.L.T. • X-RAY-ECG-CT SCAN
Address : - 6th Floor, Varsha Nagar BMC School, Vikroli-Powai Link Road, Vikhroli West, Mumbai 400079
Tel. 9321121625 / 9321948752 SUNDAY ALSO OPEN

**पर्यटन**

**सहल यात्रा**

**श्रीराम यात्रातर्फे-** अष्टविनायक, नेपाळ, पोखरा, गंगासागर-पुरी, दक्षिण भारत, तिरूपती, रामेश्वर, केरळ दर्शन, उत्तराखंड, काश्मिर, कुल्लुमनाली द्वारका, राज. खाटुश्याम, नर्मदा परिक्रमा. मुंबई- 9326044911 (695868)

**नोकरीविषयक**

**पाहिजेत**

**Telecom 5G कंपनीत** (CALL, SMS SENDING) करून मुले, मुली, गृहिणी घरीबसून कमवा (21,500 - 45,000) प्रति महिना कमवा, लॅपटॉप मोबाइल फ्री. WATSAPP करा. 7480927528, 9296762908. (697388)

**मुंबईत घरकाम, स्वयंपाक,** मुलांची काळजी, रुग्णसेवा, यासाठी मुली/महिलांची आवश्यकता. मोफत राहणे- खाणेची व्यवस्था, पूर्णवेळ/अर्धवेळ, चांगला पगार. 9819047796 (697408)

**विवाहविषयक**

**वर पाहिजे**

**वधु वय 53 शिक्षण B.SC.** गव्हर्नमेंट जॉब सॅलरी 88000/- मिस्टर पेन्शन 25000/- स्वतःच घर, शेती आंतरजातीय लग्न रिलेशन शिप चालेल - 8624027720 / 9209539963 (696919)

**वधू वय-28, शिक्षण-12वी पास** (जात-९६कुळी मराठा) मुलगी शेतकरी कुटुंबातील आहे. वडील शेती व भाजीपाला व्यवसाय करतात. शेतकरी मुलगा चालेल. कुठलीही अट नाही. मो.8237949579 (697509)

**व्यवसाय/धंदा**

**व्यवसाय/धंदा**

**नो मार्केटिंग, नो टेन्शन-** प्रॉडक्ट्स तयार करा व घरातूनच कमाई करा. मो. 9271800900 (696682)

**जागा विषयक**

**फ्लॅट विक्री**

**BKC INSIGNIA.** Large 5 BHK, 6 Balcony, 6 Bathrooms, 2 Covered Car Parks. 1706 sqft carpet. Fully furnished, available for sale by owner. Contact: 9004344049. (697446)

**लोकमत**

**वाचकांना विनम्र सूचना**

लोकमत वृत्तपत्रातून प्रसिद्ध होणाऱ्या विविध जाहिरातीतील मजकुराची शहानिशा करूनच वाचकांनी त्यासंबंधी आर्थिक व्यवहार करावा. जाहिरातीत आपल्या उत्पादनाच्या संदर्भात वा सेवेच्या संदर्भात जाहिरातदार जे दावे करतात त्याची लोकमत वृत्तपत्र समूह कोणतीही हमी घेत नाही. जाहिरातीत करण्यात आलेल्या दाव्यांची पूर्तता जाहिरातदारांकडून न झाल्यास त्याच्या परिणामाबद्दल लोकमत वृत्तपत्र समूहाचे मुद्रक, प्रकाशक, संपादक व मालक हे जबाबदार राहणार नाहीत, याची कृपया वाचकांनी नोंद घ्यावी.

विदेश नीति लागत और लाभ का मामला है, धर्मशास्त्र का नहीं। - फरीद जकारिया

**मोबाइल निर्माताओं को स्मार्टफोन में संचार साथी एप को प्री-इंस्टॉल करने के आदेश के बाद छिड़ा विवाद बेशक सरकार के फैसला वापस लेने के बाद समाप्त हो जाए, लेकिन ऑनलाइन दुनिया में डिजिटल सुरक्षा व नागरिकों की निजता का व्यापक प्रश्न अब भी अनुत्तरित ही है।**

## निजता का सवाल

मोबाइल निर्माताओं को भारत के लिए बनने वाले स्मार्टफोन में संचार साथी एप को अनिवार्य रूप से प्री-इंस्टॉल करने के आदेश पर छिड़े विवाद के बाद सरकार ने पहले इसके अनिवार्य न होने और फिर अपना फैसला वापस लेते हुए एप के प्री-इंस्टॉलेशन के जरूरी न होने की घोषणा कर सभी तरह के विवादों को विराम देने की कोशिश की है। उल्लेखनीय है कि संचार मंत्रालय ने 28 नवंबर के अपने शुरुआती आदेश में सभी स्मार्टफोन विनिर्माताओं और आयातकों के लिए नए फोन पर सरकार द्वारा संचालित साइबर सुरक्षा एप संचार साथी को प्री-इंस्टॉल करना और पुराने फोन में सॉफ्टवेयर अपडेट के जरिये इंस्टॉल करना जरूरी बताया था। विपक्ष के जासूसी एप के आरोपों के बीच गूगल और एपल जैसी कंपनियां भी लोगों की निजता और सिस्टम की सुरक्षा के नाम पर सरकार के इस आदेश के विरोध में जाती दिख रही थीं। सवाल उठता है कि इसकी क्या गारंटी है कि इन निजी कंपनियों के मोबाइल फोनों में जो पहले से इंस्टॉल एप होते हैं, उनमें उपभोक्ता की निजी जानकारियां सुरक्षित होती हैं। इसके अतिरिक्त, ऑनलाइन दुनिया में जब व्यक्ति सब्जी-फल से लेकर हर तरह की खरीदारी के लिए मोबाइल एप पर निर्भर है, तब उपभोक्ता को भी शायद याद न आता हो कि उसने अपनी निजी जानकारियां कहां-कहां साझा की हैं। इस स्थिति में उसकी निजता व सुरक्षा की जिम्मेदारी और भी जरूरी हो जाती है। यह तब तो और भी ज्यादा महत्वपूर्ण है, जब पिछले चार वर्षों में साइबर धोखाधड़ी के मामलों में करीब 900 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। गौरतलब है कि शीर्ष न्यायालय की नौ न्यायाधीशों की पीठ ने भी 2017 के केएस पुट्टास्वामी मामले में अपने फैसले में एकमत से निजता के अधिकार को भारत के संविधान के तहत एक मौलिक अधिकार के तौर पर मान्यता दी थी। इस परिदृश्य में एक सही मंशा के साथ सरकार ने हर व्यक्ति की निजता की रक्षा और ऑनलाइन ठगी से उसके बचाव के

लिए 2023 में संचार साथी पोर्टल और इस वर्ष की शुरुआत में इसका एप भी जारी किया। इस एप की मदद से अब तक सात लाख से अधिक गुमशुदा फोन मिले हैं और करीब 40 लाख से अधिक फर्जी कनेक्शन बंद किए गए हैं। इतने कम समय में 1.4 करोड़ से अधिक उपभोक्ताओं का इसे डाउनलोड कर लेना इसकी जरूरत और लोकप्रियता की कहानी को ही दर्शाता है। बहरहाल, सरकार ने आदेश भले ही वापस ले लिया हो, पर यह जरूर कहा जा सकता है कि तेजी से ऑनलाइन हो रही दुनिया में डिजिटल सुरक्षा व नागरिकों की निजता का व्यापक प्रश्न अब भी अनुत्तरित ही है।

# अनिश्चित दुनिया और भरोसेमंद साथी

**पुतिन की भारत यात्रा को पूरी दुनिया की मीडिया अलग-अलग दृष्टि से देख रही है। लेकिन, भारत के लिए इस सम्मेलन की सफलता 'सामरिक स्वायत्तता' के विचार को मजबूत करेगी, यानी अमेरिका या नए साझेदारों के साथ रिश्तों को कमजोर किए बिना रूस के साथ गहरे रिश्ते बनाए रखना।**

भारत-रूस के बीच होने वाला 23वां वार्षिक शिखर सम्मेलन आज से शुरू हो रहा है, जिसमें रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शामिल होंगे। इस शिखर सम्मेलन का माहौल तो चार दिन पहले ही विदेश मंत्री एस जयशंकर की इस टिप्पणी से बन गया था कि वर्तमान अनिश्चित दुनिया में राजनीति काफी तेजी से अर्थव्यवस्था पर भारी पड़ती दिख रही है। अंग्रेजी में की गई इस टिप्पणी में उनका स्पष्ट इशारा अमेरिकी राष्ट्रपति की ओर था, पर उन्होंने जोर देकर कहा कि 'यह कोई मजाक नहीं है।' ट्रंप की वजह से टैरिफ युद्ध से परेशान भारत अपने हितों की रक्षा के लिए आपूर्ति स्रोतों में विविधता लाने का पक्का इरादा कर चुका है।

**महेंद्र वेद**
*वरिष्ठ पत्रकार*

इस शिखर सम्मेलन के लिए जो एजेंडा तैयार किया गया है, वह बहुत बड़ा है। हालांकि, मुख्य ध्यान रक्षा मुद्दों पर होगा, लेकिन कुछ भी नाटकीय होने की उम्मीद नहीं है। भारतीय रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह ने हाल ही में कहा कि वे (रूसी) अच्छे और बुरे, दोनों मौसम में हमारे दोस्त रहे हैं, और हम उनके साथ अपना रक्षा सहयोग जल्द बंद नहीं करने वाले हैं। लेकिन भारत सामरिक स्वायत्तता की नीति का पालन करता है।

यह शिखर सम्मेलन ऐसे समय में हो रहा है, जब दोनों देश लंबे समय से चली आ रही रणनीतिक भागीदारी को और मजबूत करना चाहते हैं। उम्मीद है कि भारत राजनीतिक, रक्षा, परमाणु और उच्च तकनीक सहयोग को आगे बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करेगा। ये ऐसे क्षेत्र हैं, जो ऐतिहासिक रूप से द्विपक्षीय रिश्तों को मजबूती देते रहे हैं। वैश्विक तनाव से जूझ रही दुनिया में ये बहुत जरूरी हो गए हैं। परस्पर लाभ वाले क्षेत्र पर काम करने के लिए काफी तैयारी की गई है। लेकिन आपसी तौर पर भी, दोनों पक्षों को सावधान रहना होगा, ताकि वे अपने साथियों को नाराज न करें।

रूस ने मिसाइल, हवाई रक्षा और भारी बख्तरबंद में अपना दबदबा बनाए रखा है, लेकिन उसके ज्यादातर नए बड़े सौदे फ्रांस, इस्राइल, यूरोपीय संघ या घरेलू उत्पादन से हुए हैं। अमेरिका ने भी जोरदार तरीके से भारत को तकनीक बेची है, जिसमें सबसे नया पिछले महीने एफएमजी-148 जैवलिन एंटी-टैंक मिसाइल और एम982ए1 एक्सकैलिबर सटीक-निर्देशित तोपखाने के गोले के सौदे हैं, जिनकी कीमत 9.3 करोड़ डॉलर है।

हालांकि, रूस एक मुख्य आपूर्तिकर्ता बना हुआ है, लेकिन रूसी आयात में भारत का हिस्सा कम हो गया है। हाल के आंकड़ों के अनुसार, यह एक दशक पहले के 76 फीसदी से घटकर 2020-24 में 36 फीसदी हो गया है। भारत राजनीतिक स्तर पर सावधानी से और धीरे-धीरे आगे बढ़ रहा है। सबसे ऊपर एस-400 ट्रायम्फ एयर डिफेंस सिस्टम है, जो ऑपरेशन सिंदूर के दौरान असरदार साबित हुआ था। जरूरी पांच रेजिमेंट में से, वह प्रौद्योगिकी हस्तांतरण के साथ 2027-28 तक एक या दो खरीद सकता है।

भारतीय अधिकारियों ने बताया है कि सुखोई-57 कॉम्बैट जेट्स पर कोई फैसला नहीं लिया गया है। जब तक विश्वसनीयता और कीमत में सुधार नहीं होता, तब तक यह बातचीत जारी रहेगी और दूसरे आपूर्तिकर्ताओं पर भी विचार किया जाएगा। स्पेयर-पार्ट्स की आपूर्ति पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। निम्नलिखित क्षेत्रों में मौजूदा सहयोग को और गहरा करने के लिए संयुक्त उत्पादन को बढ़ाना फायदेमंद हो सकता है-ब्रह्मोस के और संस्करण, हेलिकॉप्टर सह-उत्पादन की संभावित वापसी, और रूसी यूएवी या एयर-डिफेंस सबसिस्टम विनिर्माण में भारत की हिस्सेदारी। राजनीतिक तौर पर, इससे भारत-अमेरिका के बीच लगातार चल रहे टकराव पर काबू पाया जा सकेगा।

कुल मिलाकर, दोनों पक्षों का मकसद प्रगति की समीक्षा करना और 'विशेष और विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी' के लिए एक रोडमैप बनाना है। रक्षा सहयोग में कोई बड़ी बढ़ोतरी नहीं होगी। भारत रूस और पश्चिम, दोनों के साथ संबंध बनाए रखेगा। रूस के लिए इस सौदे का मतलब है एक बड़े आयातक (भारत) को बनाए रखना, एक स्थिर रक्षा निर्यात मार्ग और पश्चिमी अलगाव के बावजूद भूराजनीतिक अहमियत बनाए रखना। पश्चिमी देशों की आलोचना के बावजूद, भारत रूस के तेल आयात पर निर्भर है, भले ही यह कम हो गया हो।

बदलती वैश्विक ऊर्जा गतिशीलता और यूक्रेन युद्ध के दुर्लभ, लेकिन मुमकिन अंत के बीच रूस अब भी भारत को एक स्थिर आयातक के तौर पर बनाए रखने की उम्मीद कर सकता है। असैन्य परमाणु सहयोग पर भी चर्चा हो सकती है-यह एक ऐसा विषय है, जिस पर अक्सर भारत-रूस शिखर सम्मेलन में कम ही बात होती है। व्यापार, वित्त और व्यवसाय पर दोनों पक्ष उम्मीद करते हैं कि वे द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ाने और शायद व्यापार-वित्त एवं भुगतान प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए समझौते पर सहमत होंगे-कुछ हद तक रूस पर पश्चिमी देशों के प्रतिबंध और वैश्विक वित्तीय अनिश्चितताओं की वजह से।

कुल मिलाकर, यह दौरा वैश्विक प्रतिबंध और यूक्रेन युद्ध की वजह से आई रुकावटों के बाद भारत-रूस सामरिक सहयोग को फिर से मजबूत करने का काम कर सकता है। रक्षा, ऊर्जा और व्यापार सहयोग बातचीत के केंद्र में बने रहेंगे, लेकिन बड़े अनुबंध के बजाय धीरे-धीरे आगे बढ़ने वाले तरीके से। भारत की विदेश नीति के लिए इस सम्मेलन की सफलता 'सामरिक स्वायत्तता' के विचार को मजबूत करेगी, यानी अमेरिका या नए साझेदारों के साथ रिश्तों को कमजोर किए बिना रूस के साथ गहरे रिश्ते बनाए रखना।

पुतिन के दौरे ने बेवजह दुनिया भर का ध्यान खींचा है। दौरे से पहले ग्लोबल मीडिया रिपोर्ट्स पर *बीबीसी* के सर्वे में भारत के लिए 'चिंताएं' दिखीं, जो 'चेतावनी' ज्यादा थीं। छद्म युद्ध, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का गलत इस्तेमाल, व्यापार और वाणिज्य को हथियार बनाना और यहां तक कि जलवायु परिवर्तन एवं आप्रवासन के मुद्दों के चलते दुनिया मुश्किल जगह बन गई है। तारीफ करना तो दूर, करीब या दूर का कोई दोस्त या दुश्मन भारत और रूस पर हमला कर सकता है। इसलिए, दोनों का हाथ में हाथ डालकर चलना खतरनाक हो सकता है। द्विपक्षीय रिश्तों को मजबूत बनाने के लिए उन्हें राजनीतिक झटकों, बहिष्कार और प्रतिबंधों से सावधान रहने की जरूरत है। edit@amarujala.com

## जीवन धारा

**नेपोलियन हिल**

**प्रकृति बताती है कि मजबूत वृक्ष वे नहीं हैं, जिन्हें सुरक्षा मिली हो, बल्कि वे हैं, जिन्होंने खुले मैदान में तूफानों का सामना किया हो। बेशक संघर्ष पीड़ा देता है, लेकिन इन्सान को बेहतरीन प्रतिफल भी उसी से मिलता है।**

## तूफानों से लड़ने वाले वृक्ष ही मजबूत बनते हैं

*प्रकृति ने मनुष्य के भीतर जो सबसे चतुर तंत्र रचा है, उसका नाम है संघर्ष। यह वही शक्ति है, जो इन्सान को आगे बढ़ने, विकसित होने और अंततः महान बनने के लिए प्रेरित करती है। संघर्ष कभी दर्द बनकर सामने आता है और कभी किसी अद्भुत अनुभव का रूप लेकर, परंतु हर रूप में वह मनुष्य को आगे बढ़ने के लिए प्रेरणा ही देता है। जन्म से लेकर अंतिम सांस तक का जीवन चुनौतियों व परीक्षाओं से भरी एक निरंतर यात्रा है, जिसे कोई भी टाल नहीं सकता। ऐसे में, लक्ष्य की ओर बढ़ने के लिए संघर्ष जरूरी है।*

*हर सीख, हर समझ और हर अनुभव एक नई चुनौती के द्वार से होकर गुजरता है। ठीक उसी प्रकार जैसे सोना आग में तपकर चमकता है, व्यक्ति भी संघर्ष के ताप से निखरता है। धन-संपत्ति का निर्माण हो या कॅरिअर की ऊंचाई, कोई भी लक्ष्य संघर्ष के बिना नहीं मिलता। कई लोग तो आवश्यकता से अधिक धन कमाने की बेचैनी में, अत्यधिक परिश्रम और चिंता के कारण जीवन के शुरुआती पड़ाव में ही खुद को थका देते हैं। परंतु संघर्ष केवल धन या पद तक सीमित नहीं है। बेहतर सेहत बनाए रखना अपने आप में एक निरंतर युद्ध है-आलस्य, अस्वास्थ्यकर आदतें, रोगों और तनाव से लड़ने का युद्ध। इसी प्रकार भोजन, आश्रय, नौकरी की सुरक्षा, पेशे में पहचान, और व्यवसाय को संकट से बचाने जैसे हर मोड़ पर संघर्ष मिलता ही है। जीवन का ऐसा शायद ही कोई क्षेत्र हो, जहां संघर्ष का हाथ थामे बिना आगे बढ़ना संभव हो पाए।*

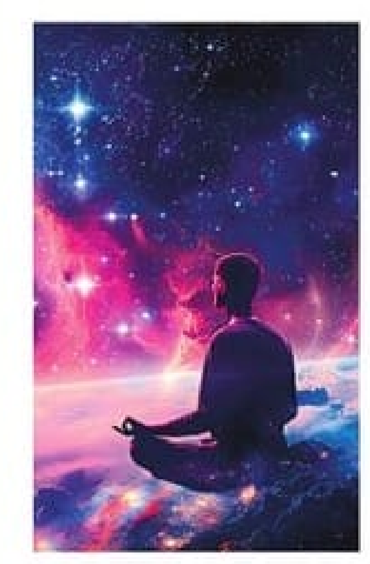

*संघर्ष मनुष्य को तोड़ता नहीं, बल्कि उसे और बेहतर ढंग से गढ़ता है। वह बुद्धि को पैना करता है, उत्साह को जगाता है, विश्वास को मजबूत करता है और कल्पनाशक्ति को बढ़ाता है। यही वह चीज है, जो मनुष्य को अपने भीतर छिपे उस उद्देश्य की खोज करने के लिए प्रेरित करता है, जिसके लिए वह इस धरती पर आया है। यह आत्मसंतोष और आलस्य की नींद से बाहर निकालकर उसे जीवन की अनवरत गति में बनाए रखता है। मनुष्य की सबसे बड़ी शक्ति वही है, जो उसे सबसे बड़ी चुनौती देती है। और यही सत्य है। शक्ति, चाहे शारीरिक हो या मानसिक, संघर्ष की ही उपज है। जो व्यक्ति चुनौतियों का सामना करता है, वह अंततः वही शक्ति प्राप्त करता है, जिसकी उसे अपनी विजय के लिए आवश्यकता होती है।*

*जीवन की राह स्पष्ट है-गतिशील रहो या फिर समाप्त हो जाओ। यहां कोई अपवाद नहीं, कोई समझौता नहीं। प्रकृति बताती है कि सबसे मजबूत वृक्ष वे नहीं हैं, जिन्हें सुरक्षा मिली हो, बल्कि वे हैं, जिन्होंने खुले मैदान में तूफानों का सीधे सामना किया हो। हर संघर्ष कुछ पीड़ा देता है, लेकिन यही पीड़ा मनुष्य को उसका सबसे बड़ा प्रतिफल भी देती है। इतिहास के हर सफल व्यक्तित्व ने अपना नेतृत्व संघर्षों की भट्टी में तपा है। इसलिए, संघर्ष से भागिए मत।*

### खुद को तराशते रहें

सूत्र

*जीवन में हर कदम पर खुद को गढ़ना पड़ता है। संघर्ष ही वह जादू है, जो क्षमताओं को तराशता तथा हौसले को और मजबूत बनाता है। जो व्यक्ति चुनौतियों से नहीं डरता, वही अपनी वास्तविक क्षमता को पहचान पाता है। तूफानों से जूझकर खड़े रहने वाले वृक्षों की तरह, इन्सान भी विपरीत परिस्थितियों का सामना करके ही महान बनता है।*

**दूसरा पहलू**

डर्बीशायर के राष्ट्रीय उद्यान में खड़ा फीनेडॉक ओक का पेड़ दूर से ही ऐसा दिखता है, मानो आपको पुकार रहा हो।

## सरकार को कटघरे में खड़ा करने वाला पेड़

**डर्बीशायर** के राष्ट्रीय उद्यान में खड़ा फीनेडॉक ओक का पेड़ दूर से ही ऐसा दिखता है, मानो आपको पुकार रहा हो। खुले खेतों, नागफनी की झाड़ियों व छोटे जंगल से घिरा, यह शानदार पुराना वृक्ष इंग्लैंड के ग्रामीण इलाकों की पहचान है। इस पेड़ के नीचे पक्षियों, गिलहरियों, कीड़ों और छोटे जीवों की भरमार दिखाई देती है। दो सदियों से भी अधिक समय से यह पेड़ मनुष्यों सहित कई प्रजातियों का घर रहा है। हाल के वर्षों में, गर्मी और सूखे से इसकी दो बड़ी शाखाएं टूट चुकी हैं।

**एस्ट्रेला लूना-डीज**

2023 में करीब 120 फीट ऊंचा हो चुका यह वृक्ष 'रिंग ऑफ ट्रुथ' नामक एक अनोखे वैज्ञानिक व कलात्मक कार्यक्रम का केंद्र बना।

डेंड्रोक्रॉनोलॉजिस्ट्स, जो वृक्ष-वर्षों का अध्ययन करके पेड़ों की आयु व इतिहास का पता लगाते हैं, ने पाया कि पेड़ की आयु कम से कम 195 वृक्ष-वर्ष है, यानी इसका जन्म 19वीं सदी की शुरुआत में हुआ होगा। दो सौ साल बाद, जुलाई 2023 में, करीब 120 फीट ऊंचा हो चुका यह वृक्ष 'रिंग ऑफ ट्रुथ' नामक एक अनोखे वैज्ञानिक व कलात्मक कार्यक्रम का केंद्र बना। इसमें एक मुकदमे की कल्पना की गई, जिसमें वादी खुद यही पेड़ था और प्रतिवादी थी यूके सरकार। वादी के वकील *नेचर राइट्स* के पॉल पॉल्सलैंड ने तर्क दिया कि सरकार ने 2008 के क्लाइमेट चेंज एक्ट का उल्लंघन किया है, जबकि अन्य वैज्ञानिकों ने गर्मी, कार्बन डाइऑक्साइड, मृदा क्षरण और बीमारी से पेड़ को होने वाले नुकसान के प्रमाण दिए। दर्शकों, जो जूरी बने थे, ने सरकार को आदेश दिया कि उसे पेड़ों की सुरक्षा के कानूनी दायित्वों का उल्लंघन तुरंत बंद करना होगा। इस घटना ने एक गहरा सवाल उठाया कि आखिर पेड़ याद कैसे रखते हैं? मेंब्रा परियोजना ने कई वृक्षों पर शोध किया, जिससे पता चला कि पेड़ अपने आसपास के माहौल में होने वाले तनाव, जैसे सूखा या तापमान में बदलाव को याद रखते हैं और उसी अनुसार अपना व्यवहार बदलते हैं। यह प्रक्रिया डीएनए मिथाइलेशन के जरिये होती है, जिसमें समय के साथ पेड़ के डीएनए पर छोटे-छोटे टैग (मिथाइल समूह) जुड़ते हैं। ये टैग यह तय करते हैं कि पेड़ कितनी तेजी से बढ़ेगा, कैसे अनुकूल होगा और बीमारियों से कितना बच पाएगा। ओक में दशकों के सूखे से मिथाइलेशन बदलाव दिखे।

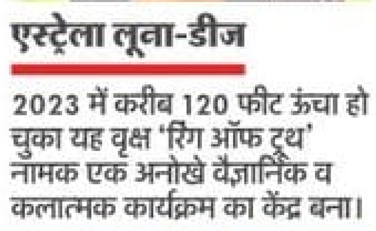

मेंब्रा परियोजना के शोध के अनुसार, पेड़ अपने आसपास के माहौल में होने वाले तनाव, जैसे सूखा या तापमान में बदलाव को याद रखते हैं और उसी अनुसार अपना व्यवहार बदलते हैं।

शोध बताते हैं कि बढ़ता कार्बन डाइऑक्साइड पेड़ों की वृद्धि तेज करता है, लेकिन उनके जीवनकाल को कम भी कर सकता है। स्कॉटलैंड और इंग्लैंड में पेड़ों के लिए हुए विरोध प्रदर्शन दिखाते हैं कि जनता के लिए पेड़ों का मूल्य भावनात्मक, सांस्कृतिक और पर्यावरणीय है। ओक का यह पेड़ हमें याद दिलाता है कि लोगों को भी खुद को संभालने के तरीकों की जरूरत है, क्योंकि हम मुश्किल समय से गुजर रहे हैं।

*-साथ में, ऐनी-मैरी कुलहेन व ब्रूनो बारकांटे लाडवोकैट सिंट्रा (द कन्वर्सेशन से)*

**आंकड़े**

### भविष्य की चिंता

दुनिया भर में महिलाएं वित्तीय भविष्य को लेकर पुरुषों से अधिक चिंतित हैं। भारत में ऐसी 28 फीसदी महिलाएं हैं। वैश्विक स्थिति इस प्रकार है :

| | |
|---|---|
| फिनलैंड | 51 |
| मेक्सिको | 39 |
| अमेरिका | 39 |
| जर्मनी | 39 |
| कोलंबिया | 35 |

आंकड़े 18-64 साल की महिलाओं के, प्रतिशत में | स्रोत : स्टैटिस्टा कंज्यूमर इनसाइट्स

**ब्रह्मा, विष्णु और महेश माता अनसूया की परीक्षा लेने उनके आश्रम पहुंचे। माता ने तीनों को शिशु बना दिया। अंत में त्रिदेव प्रसन्न हुए।**

## ईश्वर की परीक्षा

**आज** दत्तात्रेय जयंती है। इसके पीछे एक बेहद रोचक कथा है। माता अनसूया अपने पातिव्रत्य के लिए जानी जाती थीं। एक दिन देवर्षि नारद ने सरस्वती, लक्ष्मी व पार्वती जी से माता अनसूया के तेज, सतीत्व तथा त्याग का बखान किया। यह सुनकर तीनों देवियों के मन में जिज्ञासा एवं थोड़ी ईर्ष्या पैदा हुई। वे अपने-अपने पतियों से माता अनसूया की परीक्षा लेने का आग्रह करने लगीं।

देवियों के आग्रह पर त्रिदेव (ब्रह्मा, विष्णु व महेश) साधु रूप धारण कर माता अनसूया के आश्रम पहुंचे। माता ने उनका आदर-सत्कार किया, किंतु वे बोले कि वे तभी भिक्षा ग्रहण करेंगे, जब माता उन्हें गोद में बैठाकर भोजन कराएंगी। माता ने अपने पातिव्रत्य के प्रभाव से जल छिड़का और तीनों देवों को शिशु बना दिया। माता ने मातृत्व भाव से उन बालकों को दूध पिलाया और पालने में झुलाया। उधर, जब त्रिदेव देर तक नहीं लौटे, तो देवियां चिंतित होकर आश्रम पहुंचीं। उन्होंने माता अनसूया से क्षमा मांगी और देवों को पूर्व रूप देने की विनती की।

**अंतर्यात्रा**
संकलित

माता अनसूया ने शिशु रूपी देवों को पुनः उनके दिव्य रूप में स्थापित कर दिया। त्रिदेव अत्यंत प्रसन्न हुए और वर मांगने को कहा। माता ने कहा, 'आप तीनों ही मेरे पुत्र के रूप में जन्म लें।' उसी वरदान से उनके गर्भ से चंद्रमा, दुर्वासा और दत्तात्रेय का जन्म हुआ। इसी दिव्य अवतार के प्राकट्य दिवस को दत्तात्रेय जयंती के रूप में मनाया जाता है।

**अमर उजाला**
**पुराने पन्नों से** — 4 दिसंबर, 1950

### चाहे जो फैसले करो चीन उन्हें नहीं मानेगा

जो मन चाहे फैसले करो
चीन उन्हें नहीं मानेगा

**सुरक्षा परिषद में ब्रिटेन के प्रतिनिधि सर ग्लैडविन को जवाब देते हुए चीन ने कहा कि हम अमेरिका या आपकी धमकियों से डरने वाले नहीं हैं। आप कोरिया के बारे में चाहे जो निर्णय कीजिए, हम उसे मानने को तैयार नहीं।**

# संविधान, सपने और आशंकाएं

**डॉ. आंबेडकर जितना इतिहास से वाकिफ थे, उससे अधिक उन्हें भविष्य का भी अनुमान था। संविधान में उनके सपने थे, तो आशंकाएं भी थीं।**

**श्यौराज सिंह बेचैन** | **पुण्यतिथि**

राष्ट्र के नव निर्माण में अपनी संपूर्ण मेधा लगाने, संविधान बनाने में सेहत की ऊर्जा खपा देने और वंचित व उपेक्षित समाज को सामाजिक न्याय के माध्यम से मुख्य धारा में लाने की प्राण-पण से कोशिशें करने वाले बाबा साहब डॉ. बीआर आंबेडकर का इसी हफ्ते छह दिसंबर को 69वां महापरिनिर्वाण दिवस है। साल 1956 में इसी दिन 26, अलीपुर रोड पर उन्होंने अंतिम सांस ली थी।

अंतिम दिनों में 14 अक्तूबर, 1956 को उन्होंने नागपुर दीक्षा भूमि में पांच लाख अनुयायियों के साथ हिंदू धर्म त्यागकर बौद्ध धर्म अंगीकार किया था। इसी वर्ष उन्होंने अपनी आत्मकथा (*अम्ही कसोझाला*) 'मैं कैसे बना?' भी लिखनी शुरू की थी। इसी वर्ष उन्होंने *मूकनायक*, *बहिष्कृत-भारत*, *समता* और *जनता* समाचार पत्रों की निरंतरता में अपने पांचवें और अंतिम अखबार *प्रबुद्ध भारत* की शुरुआत की। जिस रात उनका परिनिर्वाण हुआ, उन्होंने अपने अंतिम ग्रंथ *बुद्धा एंड हिज धम्मा* की भूमिका लिख कर उसे पूरा किया था।

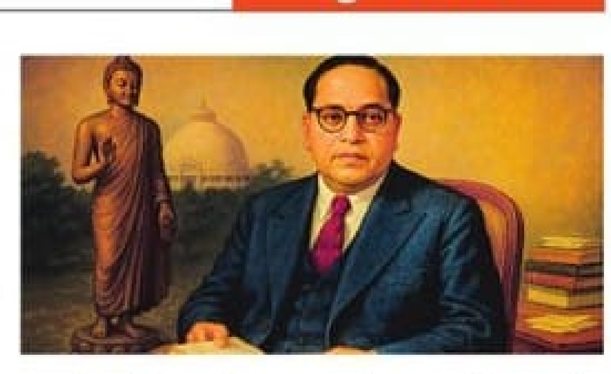

डॉ. आंबेडकर ने बहुत जल्दी पहचान लिया था कि हजारों साल से बहिष्कृत-अछूतों की मुक्ति का मार्ग विद्या से ही निकलेगा, सो उसके लिए उन्होंने बड़ौदा नरेश से सेवा शर्त पर छात्रवृत्ति ली, कोल्हापुर नरेश, छत्रपति शाहू महाराज की आंशिक मदद से लंदन स्कूल ऑफ इकनॉमिक्स तथा कोलंबिया यूनिवर्सिटी से पढ़ाई की। ज्ञान के जरिये ही भारत की सामाजिक, आर्थिक व राजनीतिक दशा सुधारने में उन्होंने अपना अप्रतिम योगदान दिया। संविधान, जो उनकी सबसे बड़ी राष्ट्र सेवा थी, के लागू होने के बाद लोकतंत्र की यात्रा ने कई पड़ाव पार कर लिए हैं। वह जितना इतिहास से वाकिफ थे, उससे अधिक उन्हें भविष्य का भी अनुमान था। उसमें उनके सपने थे, तो आशंकाएं भी थीं। वह सांविधानिक कानूनों को लागू करने के प्रति उदासीनता और वर्ण-जाति भेदभाव वाली परंपराएं हावी होते देख रहे थे। उनका ख्वाब था कि राजकाज की ताकत मतदाताओं के हाथों में आए। भक्तिकाल के संत साहित्य का संरक्षण करने का उन्होंने खुला आह्वान किया था। अपने साप्ताहिक पत्र *जनता* के 02 अगस्त, 1952 के अंक में 'पुराने साहित्य का पुनरुद्धार' शीर्षक से संपादकीय में उन्होंने *चोखोबा (चोखा मेला) की शिकायत* यह काव्य पुनः प्रकाशित किया जाना चाहिए, लिखा था। यशवंत टिपणीस द्वारा लिखित *सच्चा ब्राह्मण* नाटक की समीक्षा स्वयं उन्होंने लिखी थी। समाज सुधार में 'संत एकनाथ की भूमिका' शीर्षक उनका साहित्यिक लेख *जनता* के 29 मार्च, 1933 अंक में प्रकाशित हुआ था। उन्होंने कहा था कि मैं साहित्य सामाजिक-सांस्कृतिक ज्ञान प्राप्त करने के लिए पढ़ता हूं, न कि मनोरंजन या समय बिताने के लिए। मुल्कराज आनंद का अंग्रेजी उपन्यास *अनटचेबल* 1935 में प्रकाशित हुआ था और डॉ. आंबेडकर की *अनटचेबल* पुस्तक 1948 में, जिसे उन्होंने चोखामेला, नंदनार और संत रैदास को समर्पित किया था। मुल्कराज ने प्रश्नाकुलता के साथ डॉ. आंबेडकर से मई 1950 में मुंबई में मुलाकात की थी।

आशंकाओं की ओर मुड़कर देखें, तो उनका संविधान समर्पण के समय दिया गया वक्तव्य पढ़ना चाहिए। आशंकाएं वहीं से शुरू हो जाती हैं, जब वह कहते हैं कि 26 जनवरी को हम जिस जीवन का आरंभ कर रहे हैं, वह विरोधाभासों से भरा है। आज हर दिन अस्पृश्यता की कोई न कोई घटना मीडिया में आती है, जो डॉ. आंबेडकर की उस आशंका की पुष्टि करती है। उनकी आशंका कि 'स्वराज का हमारे ऊपर राज होगा' हमारी नींद उड़ा ले जाती है। संविधान के अस्तित्व में आने और कांग्रेस का चुनाव जीतने के बाद डॉ. आंबेडकर ने 1953 व 1955 में भारत के मुल्कराज आनंद और प्रो. सत्यबोध हुदलीकर के बाद कई ब्रिटिश पत्रकारों को बहुत से साक्षात्कार दिए। उनमें से कई *बीबीसी* की आर्काइव में सुरक्षित हैं। मोरिस-ब्राउन और फ्रांसीसी वैसरन, एचएन ब्रेल्सफोर्ड, व्हेरियर एल्विन द्वारा लिया गया साक्षात्कार उनकी भविष्य दृष्टि पर प्रकाश डालता है। उनसे पूछा गया था कि भारत में लोकतंत्र के असफल होने से आपको क्या खतरा लगता है? वह कहते हैं, 'जब कोई बहुमंजिला इमारत गिरती है, तो सबसे निचले तल की इमारत, यानी अस्पृश्य, जमींदोज होती है।' पत्रकार अगला प्रश्न दाग देता है कि क्या अमेरिकी विकास का मॉडल विकल्प हो सकता है? वह जवाब देते हैं कि हो सकता है, पर मुझे नहीं लगता अमेरिका में कभी साम्यवाद आएगा।

साम्यवाद न आने की बात भारत के संदर्भ में और अधिक विश्वास से कही जा सकती है, क्योंकि वामपंथी सवर्णों के जाति आग्रहों ने साम्यवाद की सारी संभावनाएं पहले ही नष्ट कर दी हैं। परंतु प्रत्येक व्यक्ति की आय व मूलभूत जरूरतें पूरी कर भारत सामूहिक विकास का लक्ष्य प्राप्त कर सकता है। जिस प्रकार डायवर्सिटी अफर्मेटिव एक्शन के द्वारा अमेरिका ने हर क्षेत्र में अश्वेतों की भागीदारी सुनिश्चित की, सभी को कार्य करने के अवसर देकर उनको न्याय दिया और संतोष की वजह पैदा कर देश को विकसित बनाया, उसी प्रकार भारत उससे भी बेहतर कर सकता है। *- लेखक, दिल्ली विश्वविद्यालय में पूर्व हिंदी विभागाध्यक्ष तथा वरिष्ठ प्रोफेसर हैं।*

# एजुकेशन & कॅरिअर

कामयाबी और नाकामयाबी दोनों जिंदगी के हिस्से हैं, लेकिन दोनों ही स्थायी नहीं हैं।

## अमर उजाला Job Alert

Real-time job alerts
amarujala.com/jobs

### स्टेट बैंक ऑफ इंडिया में निकली भर्ती

स्पेशलिस्ट कैडर ऑफिसर के पदों पर रिक्तियां

996 पद

आवेदन की अंतिम तिथि : 23 दिसंबर, 2025
योग्यताएं : ग्रेजुएशन, एमबीए व अन्य निर्धारित पात्रताएं
यहां आवेदन करें : sbi.bank.in

### सीबीएसई ने जारी किया विज्ञापन ■ 124 पद

ग्रुप-ए, बी व सी के पदों पर रिक्तियां
आवेदन की अंतिम तिथि
22 दिसंबर, 2025
आयु-सीमा
न्यूनतम आयु 18 वर्ष व अधिकतम आयु 35 वर्ष
यहां आवेदन करें
cbse.gov.in

### आरजीएसएसएच में करें आवेदन ■ 33 पद

सीनियर रेजिडेंट के पदों पर अवसर
आवेदन की अंतिम तिथि
08 दिसंबर, 2025
योग्यताएं
एमबीबीएस डिग्री व अन्य निर्धारित पात्रताएं
यहां आवेदन करें
rgssh.delhi.gov.in

### डीआरडीओ सेप्टम में अवसर ■ 764 पद

सीनियर टेक्निकल असिस्टेंट-बी व टेक्नीशियन-ए के पद खाली
आवेदन की अंतिम तिथि : 25 दिसंबर, 2025
वेतनमान : रुपये 19,900 से लेकर रुपये 1,12,400 प्रतिमाह
यहां आवेदन करें : drdo.gov.in

### एम्स, भोपाल में आवेदन आमंत्रित ■ 77 पद

प्रोफेसर, एडिशनल प्रोफेसर व अन्य पद खाली
आवेदन की अंतिम तिथि
31 दिसंबर, 2025
योग्यताएं
ग्रेजुएशन, पोस्ट-ग्रेजुएशन व अन्य निर्धारित पात्रताएं
यहां आवेदन करें
aiimsbhopal.edu.in

### एलिम्को में रोजगार की संभावनाएं ■ 10 पद

अप्रेंटिसशिप के लिए करें अप्लाई
आवेदन की अंतिम तिथि
12 दिसंबर, 2025
पात्रताएं
दसवीं, बारहवीं, आईटीआई व अन्य निर्धारित योग्यताएं
यहां आवेदन करें
alimco.in

### विभिन्न पदों के लिए विज्ञापन जारी..

- भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, जोधपुर : रजिस्ट्रार के पदों पर मौके।
  आवेदन की अंतिम तिथि : 08 दिसंबर, 2025
- iitj.ac.in
- राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, वारंगल : सहायक प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर व अन्य पद खाली।
  आवेदन की अंतिम तिथि : 12 दिसंबर, 2025
- recruit.nitw.ac.in

अपनी प्रतिक्रियाओं और सुझावों के लिए हमें udaan@amarujala.com पर ई-मेल करें।

# जब हालात नियंत्रण से बाहर हों

*जब धाराएं प्रतिकूल हों, तभी तो एक लीडर उभरता है और अपनी टीम को स्थिरता और भरोसा दिलाता है*

अनूप श्रीवास्तव
हार्वर्ड बिजनेस रिव्यू

तेजी से बदलती दुनिया में कार्यस्थल का माहौल भी बदल रहा है। ऐसे में अनुभवी लीडर भी कभी-कभी उलझन महसूस करते हैं और उन्हें यह चिंता सताती है कि कहीं एआई उनकी भूमिका को कमजोर न कर दे। इसलिए लीडर्स को अपनी रणनीति और रोडमैप बार-बार अपडेट करना पड़ता है। लेकिन कई बार निर्णय लेना कठिन हो जाता है और दिशा धुंधली लगने लगती है। लगातार तनाव में दिमाग खतरे पर अधिक ध्यान देता है, जिससे लीडर नए प्रयोग करने से बचते हैं और कई फैसले टालते जाते हैं। इसका परिणाम माइक्रोमैनेजमेंट के रूप में निकलता है और टीम अपने बड़े लक्ष्य से भटकने लगती है। जब विजन अस्पष्ट हो जाता है, तो टीमें वही काम चुनती हैं जो उन्हें सुरक्षित लगता है। डर सिर्फ भावनाओं को नहीं, सोच को भी सीमित कर देता है। ठीक ऐसे समय में असली नेतृत्व दिखाई देता है, जब लीडर डर को आगे बढ़ने की ऊर्जा में बदलकर टीम को भरोसा देता है।

**■ छोटे-छोटे फैसले लेने से शुरुआत करें**

अनिश्चित में बड़े-बड़े योजनाओं को एक बार में लागू करने की बजाय उन्हें छोटे-छोटे चरणों में बांटना सबसे बेहतर रणनीति होती है। हर चरण में 'पहले सीखो, फिर प्रयोग करो' का तरीका अपनाना चाहिए, यानी पहले कदम के नतीजे को समझे बिना अगले कदम में अधिक समय या संसाधन खर्च न करें। इसके साथ ही हर स्टेप पर यह विचार करना ज़रूरी है कि आगे बढ़ना वर्तमान स्थिति में फायदेमंद है या कुछ समय रुककर परिस्थितियों का अवलोकन करना बेहतर रहेगा। इस तरह, योजना लचीली और परिणामोन्मुखी बनती है।

**■ एआई को साथी समझें**

एआई को अपनाना अब हर लीडर की जरूरत बन गया है। सबसे पहले उन क्षेत्रों की पहचानें जहां एआई इंसानों की तुलना में तेज और बेहतर काम कर सकता है। कर्मचारियों को स्पष्ट रूप से बताएं कि एआई से क्या बदलाव आएंगे, किन भूमिकाओं पर असर पड़ेगा और उन्हें किस तरह का समर्थन मिलेगा। कंपनी एक एआई चैंपियन भी नियुक्त कर सकती है, जो सुरक्षित प्रयोगों पर काम करे और सभी टीमों में आवश्यक मानक बनाए रखे। इसके अलावा, कार्यस्थल पर डाटा सुरक्षा, मॉडल चयन, टेस्टिंग प्रक्रिया और कब मानवीय निगरानी जरूरी होगी, इन सभी नियमों को पहले से स्पष्ट रूप से तय करना आवश्यक है, ताकि एआई का उपयोग सुरक्षित और प्रभावी तरीके से हो सके।

Harvard Business Review

**■ आगे की दिशा पर काम करें**

कठिन दिनों में रणनीति पर ध्यान देना सबसे मुश्किल लगता है, लेकिन नेतृत्व का असली काम यही है। रोजमर्रा की दौड़ से ऊपर उठकर भविष्य के बारे में सोचने का समय निकालना। इसके लिए अपने कैलेंडर में तय 'विजन टाइम' रखें, जिसमें सिर्फ लंबे फैसलों, नए विकल्पों और आगे की दिशा पर काम करें। छोटी समस्याओं पर ज्यादा ध्यान न दें। थका दिमाग बड़ा विजन नहीं बना पाता, इसलिए पढ़ने, सीखने और शांत सोच के लिए समय निकालना एक जरूरी जिम्मेदारी है।

## खुद को परखें

1. प्रोटोस्टिक्टा सूर्यप्रकाशी नामक डैमसेल्फाई की एक नई प्रजाति भारत के किस क्षेत्र में खोजी गई है?
   (a) पश्चिमी घाट (b) पूर्वी घाट
   (c) हिमालय (d) छोटानागपुर पठार
2. रामबन सुलई शहद मुख्य रूप से भारत के किस क्षेत्र में उत्पादित होता है?
   (a) हिमाचल प्रदेश
   (b) जम्मू और कश्मीर
   (c) मिजोरम
   (d) त्रिपुरा
3. खियामनिउंगन जनजाति मुख्य रूप से किस राज्य में पाई जाती है?
   (a) नगालैंड (b) मिजोरम
   (c) त्रिपुरा (d) असम

उत्तर : 1.a, 2.b, 3.a

## आवेदन आमंत्रित

### आईआईटी, गुवाहाटी का सुपरकंडक्टिविटी कोर्स

आईआईटी गुवाहाटी की ओर से सुपरकंडक्टिविटी पर एक संक्षिप्त कोर्स की पेशकश की जा रही है। चार सप्ताह के इस कोर्स में सुपरकंडक्टिविटी की बेसिक बातें व माइक्रोस्कोपिक थ्योरी पर डिटेल में चर्चा की जाएगी, ताकि सुपरकंडक्टिंग ट्रांजिशन टेम्परेचर और पेयरिंग गैप से इसके संबंध को समझा जा सके। इसके अलावा गिन्जबर्ग लैंडौ थ्योरी के बारे में भी बताया जाएगा, जो एक फेनोमेनोलॉजिकल थ्योरी है। साथ ही सुपरकंडक्टिंग गैप को समझने के लिए कुछ एक्सपेरिमेंटल तरीकों आदि पर भी बात की जाएगी। इस कोर्स का निर्माण बीटेक, एमएससी, पीएचडी शोधार्थी व इस क्षेत्र से संबंधित लेक्चरर्स को ध्यान में रखकर किया गया है। इसकी शुरुआत 19 जनवरी, 2026 से की जाएगी, जो कि 13 फरवरी, 2026 तक चलेगी। आप आधिकारिक लिंक tinyurl.com/459ejhma पर जाकर 26 जनवरी, 2026 तक इस कोर्स में दाखिला ले सकते हैं।

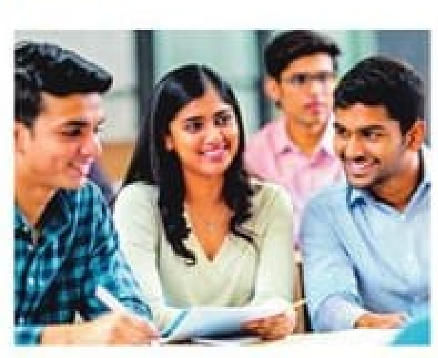

## इंटर्नशिप प्रोग्राम

### मेडएंगेज इंटर्नशिप रिसर्च प्रोग्राम

मेट्रोपोलिस मेडएंगेज इंटर्नशिप रिसर्च प्रोग्राम के लिए आवेदन शुरू हो गए हैं। यह मेट्रोपोलिस हेल्थकेयर लिमिटेड द्वारा मेडिकल और रिसर्च के छात्रों तथा मेडिकल कम्युनिटी के सदस्यों को दिया जाने वाला एक अवसर है। यह छह महीने की इंटर्नशिप स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में भविष्य के लीडर्स तैयार करने के लिए बनाई गई है। इसके लिए वही लोग आवेदन कर सकते हैं, जो मेडिकल या रिसर्च पृष्ठभूमि से हों। उम्मीदवारों के पास एमबीबीएस, एमडी, डीएनबी, पीएचडी व अन्य निर्धारित पात्रताएं होनी चाहिए। चयनित प्रतिभागियों को प्रयोगशाला में रिसर्च करने के लिए सहायता दी जाएगी, जो गैर-लाभकारी (नॉन-प्रॉफिट) होगी। योग्य उम्मीदवार आधिकारिक लिंक med-engage.com/internship-program पर जाकर 31 दिसंबर, 2025 तक ऑनलाइन माध्यम से इस इंटर्नशिप प्रोग्राम में आवेदन कर सकते हैं।

## प्रवेश अलर्ट हमारे की परीक्षाएं

### आरपीएससी असिस्टेंट प्रोफेसर परीक्षा

- **परीक्षा की तिथि :**
  07 से 20 दिसंबर, 2025
- इस परीक्षा में राजस्थान से संबंधित 50 अंकों के प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनके लिए दो घंटे का समय निर्धारित है। वहीं, पेपर-I और पेपर-II में संबंधित पद से जुड़े 75-75 अंकों के प्रश्न होंगे, जिनके लिए तीन-तीन घंटे का समय दिया जाएगा।
- **यहां से प्रवेश-पत्र डाउनलोड करें**
  rpsc.rajasthan.gov.in

### डीएसएसएसबी वरिष्ठ प्रयोगशाला सहायक परीक्षा

- **परीक्षा की तिथि :**
  10 दिसंबर, 2025
- इस परीक्षा में भाग-ए से सामान्य जागरूकता, सामान्य बुद्धि एवं तर्कशक्ति, अंकगणितीय और संख्यात्मक योग्यता से संबंधित 100 अंकों के 100 प्रश्न पूछे जाएंगे, जबकि भाग-बी में विषय से जुड़े 100 अंकों के 100 प्रश्न शामिल होंगे।
- **यहां से प्रवेश-पत्र डाउनलोड करें**
  dsssb.delhi.gov.in

## सामान्य ज्ञान

### बांस झींगा

**■ क्या है**
एटिओप्सिस मोलुकेन्सिस, जिसे बांस झींगा (वैम्बु श्रिम्प) के नाम से जाना जाता है। यह एशिया का एक मीठे पानी का झींगा है।

**■ चर्चा में क्यों**
शोधकर्ताओं ने 72 साल बाद कर्नाटक और ओडिशा में इसकी खोज की है।

**■ मनोदशा के अनुसार बदलते हैं रंग**
इनके शरीर का रंग मनोदशा के अनुसार बदलता है, खुश होने पर चमकीला और खराब होने पर हल्का। यह उभयचर प्रजाति है, जिसके लार्वा पहले खारे पानी में बढ़ते हैं और फिर मीठे पानी में आते हैं। ये ज्यादातर रात में सक्रिय रहते हैं और दिन में चट्टानों या लकड़ी के नीचे छिपते हैं।

**■ पंखे जैसी बनावट वाले**
ये आमतौर पर तेज बहने वाली नदियों में रहते हैं। ये सामाजिक अकशेरुकी हैं और जलीय शैवाल व छोटे जीव खाकर जीते हैं। इनके पास पंखे जैसी बनावट होती है, जिससे ये बहते पानी से खाने के कण छान लेते हैं।

## कल्पवृक्ष FAITH & WISDOM

# मार्गशीर्ष पूर्णिमा का बत्तीस गुना फल

**मार्गशीर्ष श्रीहरि का प्रिय मास है। इस माह की पूर्णिमा तिथि पर पूजा-पाठ और उपवास रखने से प्रभु की असीम कृपा मिलती है। साथ ही साधक के बड़े से बड़े दुखों का अंत भी होता है।**

मार्गशीर्ष पूर्णिमा अपने विशिष्ट प्रभावों के कारण ऐसे पर्वों में गिनी जाती है, जो मनुष्य के जीवन में चल रहे दुर्भाग्य को सौभाग्य में परिवर्तित करने की क्षमता रखते हैं। जिन लोगों के जीवन में लंबे समय से कष्ट या बाधाएं बनी रहती हैं, वे इस दिन व्रत रखकर, पवित्र स्नान, ध्यान और पूजा द्वारा अपने जीवन में शुभता बढ़ा सकते हैं।

मार्गशीर्ष पूर्णिमा तक देवगुरु बृहस्पति अपनी उच्च कर्क राशि में स्थित रहते हैं। पूर्णिमा तिथि के समाप्त होने के बाद वे वक्री होकर मिथुन राशि में प्रवेश करते हैं, जिससे जनमानस पर विशेष प्रभाव पड़ता है। ग्रह-नक्षत्रों का यह परिवर्तन और पूर्णिमा की दिव्यता मिलकर मनुष्य के मानसिक एवं भौतिक जीवन पर गहरा असर डालते हैं। इस वर्ष बृहस्पति का राशि परिवर्तन पूर्णिमा के अगले दिन से ही प्रभाव दिखाना शुरू कर देगा।

आशुतोष वार्ष्णेय
ज्योतिषाचार्य

वृष, सिंह, तुला, धनु और कुंभ राशि के जातकों को कार्यक्षेत्र, आर्थिक स्थितियों तथा सम्मान में लाभ की प्राप्ति होगी। वहीं कर्क, वृश्चिक और मीन राशि के जातकों के लिए यह समय चुनौतीपूर्ण रह सकता है। अतः उन्हें पूर्णिमा के दिन ग्रह और राशि स्वामी से संबंधित दान करने, मंत्र जाप और पूजा-पाठ द्वारा दुष्प्रभाव कम करने तथा शुभ फल बढ़ाने की सलाह दी जाती है। अन्य राशियों के लिए यह परिवर्तन सामान्य फल देने वाला होगा।

**संकल्प सहित दान-पुण्य :** पुण्य को इस दिन विशेष फलदायी माना गया है। यद्यपि मनुष्य का सुख-दुःख उसके अपने कर्मों पर आधारित होता है, फिर भी मार्गशीर्ष पूर्णिमा का व्रत, पूजा, दान और पवित्र नदी में स्नान दुर्भाग्य को दूर कर सौभाग्य की वृद्धि करता है।

मार्गशीर्ष मास में श्रीकृष्ण भक्ति का विशेष महत्व बताया गया है। स्वयं भगवान श्रीकृष्ण ने श्रीमद्भगवद्गीता में कहा है- 'मासों में मैं मार्गशीर्ष हूं', इसलिए यह मास भगवान श्रीकृष्ण का प्रत्यक्ष स्वरूप माना जाता है। मार्गशीर्ष पूर्णिमा मनोकामनाओं को पूर्ण करने वाली, संतान प्राप्ति और सुख-समृद्धि देने वाली मानी गई है। मान्यता है कि देवताओं ने सतयुग में वर्षारंभ भी मार्गशीर्ष मास की प्रथम तिथि से किया था। इस दिन सत्यनारायण भगवान की कथा, लक्ष्मी पूजा, शंख पूजन तथा श्रीकृष्ण और चंद्रदेव की उपासना करने से मन के विकार दूर होते हैं और शुभ इच्छाएं पूर्ण होती हैं।

इस पूर्णिमा को 'मार्गशीर्ष पूर्णिमा', 'अगहन पूर्णिमा' और 'बत्तीसी पूर्णिमा' भी कहा जाता है, क्योंकि धर्मशास्त्रों में उल्लेख है कि इस दिन किए गए शुभ कर्मों का फल सामान्य पूर्णिमा से बत्तीस गुना अधिक मिलता है। मार्गशीर्ष पूर्णिमा पर पवित्र नदियों में स्नान से रोगों का निवारण होता है, दान से दोष मिटते हैं और ग्रह पीड़ा कम होती है।

इस दिन शंख में तीर्थजल भरकर विष्णुसहस्रनाम या गजेन्द्र मोक्ष का पाठ कर, उस जल को घर-कार्यालय में छिड़कने से नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है और धन-सौभाग्य के मार्ग प्रशस्त होते हैं। लक्ष्मी पूजन में दक्षिणावर्ती शंख की पूजा विशेष फलदायी है। उसमें साबुत चावल भरकर रखने से घर का भंडार भरापूरा रहता है।

**पूजन विधि :** इस दिन के शुभ संयोग में भगवान विष्णु, लक्ष्मीजी, श्रीकृष्ण और चंद्रदेव की आराधना करनी चाहिए। सायंकाल में ब्रह्मा, विष्णु, महेश के अंशावतार श्री दत्तात्रेय का बालरूप में पूजन होता है। देवगुरु बृहस्पति के राशि परिवर्तन के शुभ प्रभाव की प्राप्ति एवं दुष्प्रभाव की निवृत्ति के लिए इस दिन अपनी राशि के अनुसार मंत्र जाप, स्नान और ब्राह्मणों को दान अवश्य करें।

## पापों का नाश कर जीवन में समृद्धि लाने का दिन

**भगवान** गणेश को समर्पित अखुरथ संकष्टी चतुर्थी, हिंदू धर्म में एक अत्यंत पवित्र और महत्वपूर्ण दिन माना जाता है। यह हर माह कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि को मनाया जाता है। मार्गशीर्ष (अगहन) माह में पड़ने वाली संकष्टी चतुर्थी को विशेष रूप से 'अखुरथ' के नाम से जाना जाता है। भगवान गणेश को 'अखुरथ' इसलिए कहा जाता है, क्योंकि वे बिना रथ के भी अपने भक्तों तक पहुंच सकते हैं। यह व्रत और पूजा जीवन में बाधाओं को दूर करने, सुख-समृद्धि लाने और कष्टों को दूर करने के लिए किया जाता है। 'संकष्टी' का अर्थ है कठिनाइयों को दूर करने वाला और भगवान गणेश को सभी प्रकार की बाधाओं और कष्टों को दूर करने वाले देवता के रूप में पूजा जाता है। इस दिन व्रत रखने से निम्नलिखित लाभ होते हैं-

अखुरथ संकष्टी चतुर्थी 07 दिसंबर

**कठिनाइयों से मुक्ति :** ऐसा माना जाता है कि यह व्रत भक्तों को कठिन समय से उबरने में मदद करता है। भगवान गणेश भक्तों को नई ऊर्जा और सकारात्मकता का आशीर्वाद देते हैं।

**पापों का नाश :** व्रत रखने और अनुष्ठान करने से भक्त को पिछले और वर्तमान पापों से शुद्धि मिलती है, जिससे जीवन में सुधार का अवसर मिलता है।

**समृद्धि और प्रसन्नता :** भगवान गणेश की पूजा करने से जीवन में शांति, समृद्धि और स्थिरता आती है।

## सप्ताह का मंत्र

वरं वरेण्यं वरदं वरदानां च कारणम्।
कारणं सर्वभूतानां तेजोरूपं नमाम्यहम्।।
मङ्गलं मङ्गलानां च मङ्गलं मङ्गलप्रदम्।
समस्तमङ्गलाधारं तेजोरूपं नमाम्यहम्।।
स्थितं सर्वत्र निर्लिप्तमात्मरूपं परात्परम्।
निरीहमवितर्यं च तेजोरूपं नमाम्यहम्।।
सगुणं निर्गुणं ब्रह्म ज्योतीरूपं सनातनम्।
साकारं च निराकारं तेजोरूपं नमाम्यहम्।।
तमनिर्वचनीयं च व्यक्तमव्यक्तमेककम्।
स्वेच्छामयं सर्वरूपं तेजोरूपं नमाम्यहम्।।
गुणत्रयविभागाय रूपत्रयधरं परम्।
कलया ते कृताः सर्वे किं जानन्ति श्रुतेः परम्।।

स्रोत : ब्रह्मवैवर्त पुराण

### करोड़ों सूर्य के तेजपुंज हैं श्रीकृष्ण

**संकेत :** प्रस्तुत मंत्र ब्रह्मवैवर्त पुराण श्रीकृष्ण जन्म खंड के पांचवें अध्याय से लिया गया है, जिनमें बताया गया है कि जब ब्रह्मादि समस्त देवगण गोलोक का दर्शन कर श्रीराधा के प्रधान द्वार पर पहुंचे और उनके हीरे-जवाहरात से सुशोभित महल का अवलोकन किया, तो वहां करोड़ों सूर्य के समान श्रीनारायण के तेजपुंज को देखकर भाव विभोर हो गए। उन्होंने इस तेज को प्रणाम किया तो उनका सर्वांग रोमांचित हो उठा। उस समय श्रीब्रह्मा जी ने अपने दाहिनी ओर महादेव और बाईं ओर धर्म को खड़ा किया, फिर हाथ जोड़कर ध्यानमग्न होकर परात्पर, परमात्मा गुणातीत ईश्वर का स्तवन करने लगे।

**मंत्रार्थ :** करोड़ों सूर्य के सदृश श्रीकृष्ण के तेजपुंज का दर्शन कर भक्ति भाव में डूबे श्रीब्रह्मा जी कहते हैं, हे प्रभो! आप वर, वरेण्य एवं वरप्रदाता लोगों तथा सभी प्राणीगण के कारण हैं। आपके तेजरूप को मैं प्रणाम करता हूं! आप मंगलों के भी मंगल, सर्वमंगलाधार तेजरूप हैं। आप सर्वत्र स्थित, निर्लिप्त, आत्मरूप, परात्पर हैं। आप निरीह, तर्कादि से परे हैं। आपको मैं प्रणाम करता हूं। आप सगुण-निर्गुण ब्रह्म, ज्योतिरूप, सनातन, साकार, निराकार हैं। आप अनिर्वचनीय, व्यक्त-अव्यक्त, एकमात्र, स्वेच्छामय सर्वरूप हैं। आपके तेजोमय रूप को प्रणाम करता हूं! गुणत्रय के विभागार्थ आपने रूपत्रय धारण किया है। आपने अपनी कला से ही सबकुछ प्रकट किया है। आपको कौन जान सकने में समर्थ है?

**तात्पर्य :** हीरे-जवाहरात से जड़ित श्रीराधा जी के अद्भुत महल में श्रीकृष्ण के तेजपुंज का दर्शन करके समस्त देवगणों ने उन्हें प्रणाम किया। उनके द्वारा किया गया यह श्रेष्ठतम स्तवन प्रतिदिन प्रातःकाल करके प्राणी समस्त पापों से मुक्त होकर श्रीनारायण की निश्चल भक्ति प्राप्त करता है। - पं. जयगोविंद शास्त्री

## आज का दिन

4 दिसंबर, 1918

अमेरिकी राष्ट्रपति वुडरो विल्सन पेरिस शांति सम्मेलन में भाग लेने के लिए फ्रांस रवाना हुए थे। यहां प्रथम विश्व युद्ध की समाप्ति के बाद राष्ट्र संघ की स्थापना की गई और वर्साय की संधि का मसौदा तैयार हुआ था।

- 1154 : निकोलस ब्रेकस्पीयर को पोप एड्रियन चतुर्थ के रूप में चुना गया था।
- 1969 : अमेरिकी रैपर और उद्यमी जे-जेड का जन्म हुआ था।
- 1996 : अंतरिक्ष यान मार्स पाथफाइंडर को फ्लोरिडा से प्रक्षेपित किया गया था।
- 2000 : सूरीनाम के राजनेता हेनक एरॉन का निधन हुआ था।

## व्रत त्योहार

आज : मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष चतुर्दशी/पूर्णिमा।
कल : हेमंत ऋतु, सूर्य दक्षिणायने, दक्षिण गोले।
राहुकाल : प्रातः 10.30 से 12.00 तक

■ सूर्योदय : 07.03
■ सूर्यास्त : 17.20
(भारतीय मानक समयानुसार)

## कल का पंचांग

विक्रमी संवत 2082, 14 मार्गशीर्ष मास शक 1947, मार्गशीर्ष मास 20 प्रविष्टे, 13 जमादिउस्सानी हिजरी 1447, पौष कृष्ण पक्ष प्रतिपदा 24.55 तक उपरांत द्वितीया, रोहिणी नक्षत्र 11.45 तक उपरांत मृगशिरा नक्षत्र, सिद्ध योग 08.07 तक उपरांत साध्य योग 27.48 तक तदोपरांत शुभ योग, बालव करण 14.49 तक उपरांत कौलव करण, चंद्रमा मिथुन राशि में 22.16 बजे।

amarujala.com/astrology

## राशिफल

■ पं. विनोद त्यागी

**मेष :** स्वजनों से वाद-विवाद से बचें। नौकरी में स्थिति सामान्य रहेगी। अजनबी पर भरोसा करने से बचें।

**वृष :** किसी परेशानी से मुक्ति मिलेगी। नौकरी में मान-सम्मान बढ़ेगा। व्यवसाय में आशातीत धन लाभ होगा।

**मिथुन :** नौकरी में स्थिति अनुकूल रहेगी। आर्थिक दबाव में कमी आएगी। व्यावसायिक स्थिति से मन चिंतित रहेगा।

**कर्क :** समाज में सम्मान बना रहेगा। मित्र सहायक रहेंगे। अचानक अर्थ प्राप्ति संभव है। व्यवसाय में लाभ बढ़ेगा।

**सिंह :** राजकाज में व्यस्त रहेंगे। नौकरी में कार्य कुशलता का लाभ मिल सकता है। धन प्राप्ति संभव है।

**कन्या :** नई योजना कार्यान्वित करने में व्यस्त रहेंगे। संतान से निराशा होगी। व्यवसाय में उत्तम लाभ होगा।

**तुला :** मानसिक उत्तेजना से बचें। नौकरी में कार्य कुशलता बनी रहेगी। व्यवसाय में सावधानी से कदम उठाएं।

**वृश्चिक :** पूर्व नियोजित कार्य में निजी उद्यम से सफलता मिलेगी। व्यवसाय में लाभ होगा। घर में आनंद रहेगा।

**धनु :** आरोग्य सुख मिलेगा। नौकरी प्राप्ति संभव है। कोर्ट-कचहरी में सफलता मिलेगी। व्यवसाय में धन लाभ होगा।

**मकर :** धैर्य रखने पर योजना सफल होगी। नौकरी में वर्चस्व बना रहेगा। व्यवसाय में लाभ होगा। सेहत नरम रहेगी।

**कुंभ :** किसी परेशानी का समाधान होगा। नौकरी में कार्यभार बढ़ सकता है। व्यवसाय में लाभ कम होगा।

**मीन :** लोकप्रियता में वृद्धि होगी। अटके कार्य बनेंगे। राजकाज में अनुकूलता रहेगी। घर में आनंद रहेगा।

## जन्मदिन

जावेद जाफरी, अभिनेता

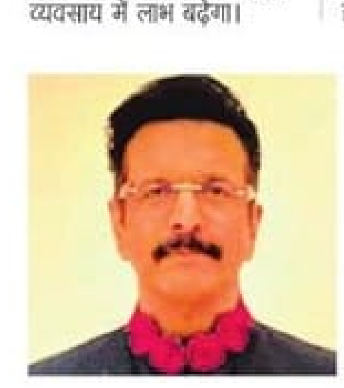

इस वर्ष शुभचिंतकों का सहयोग उत्साह वृद्धि करेगा। विकास कार्यों में अनुकूल सफलता मिलेगी। किसी राजनीतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति का अवसर मिलेगा। आर्थिक दृष्टि से वर्ष अनुकूल रहेगा। भू-संपत्ति में वृद्धि हो सकती है। व्यावसायिक विस्तार एवं लाभ से मन प्रसन्न रहेगा। आरोग्य सुख सामान्य रहेगा।

## सुडोकू

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 4 | | | | 1 | | | 9 | |
| | 2 | | | 3 | 5 | | | |
| 7 | 1 | | | | 9 | 4 | | |
| | 9 | | | | | 5 | 7 | |
| 1 | | | | | | | | 2 |
| | 6 | 7 | | | | | 1 | |
| | | 2 | 5 | | | | 3 | 6 |
| | | | 6 | 8 | | | 2 | |
| | 7 | | | 4 | | | | 1 |

सुडोकू 81 वर्गों का ग्रिड है, जो 9 वर्गों के ब्लॉक में बंटा हुआ होता है। कुछ वर्गों के अंक लिखे हैं और खाली वर्गों में 1 से लेकर 9 तक के अंक लिखने होते हैं। कोई नंबर 1 पंक्ति, कॉलम या 9 वर्ग वाले छोटे ब्लॉक में दोबारा नहीं आ सकता है।

उत्तर

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 4 | 5 | 6 | 7 | 1 | 8 | 2 | 9 | 3 |
| 9 | 2 | 8 | 4 | 3 | 5 | 1 | 6 | 7 |
| 7 | 1 | 3 | 2 | 6 | 9 | 4 | 8 | 5 |
| 3 | 9 | 4 | 1 | 2 | 6 | 5 | 7 | 8 |
| 1 | 8 | 5 | 9 | 7 | 3 | 6 | 4 | 2 |
| 2 | 6 | 7 | 8 | 5 | 4 | 3 | 1 | 9 |
| 8 | 4 | 2 | 5 | 9 | 1 | 7 | 3 | 6 |
| 5 | 3 | 1 | 6 | 8 | 7 | 9 | 2 | 4 |
| 6 | 7 | 9 | 3 | 4 | 2 | 8 | 5 | 1 |

## डेली हेल्थ कैप्सूल

### खून बढ़ाने के लिए गुड़-मूंगफली

*मूंगफली और गुड़ का सेवन खून की कमी दूर करता है। हड्डियों और दांतों को मजबूत और इम्युनिटी को भी बढ़ाता है।*

**मूंगफली** के साथ गुड़ का सेवन करने से शरीर में खून की कमी नहीं होती है। गुड़ खून को साफ करता है और आयरन बढ़ाता है। इससे शरीर में ऑक्सीजन की आपूर्ति बेहतर होती है। इसकी वजह से मांसपेशियों को ज्यादा शक्ति मिलती है। साथ ही इससे कई बीमारियों से निजात भी मिलती है। मूंगफली में प्रोटीन, विटामिन-बी, थियामिन, विटामिन

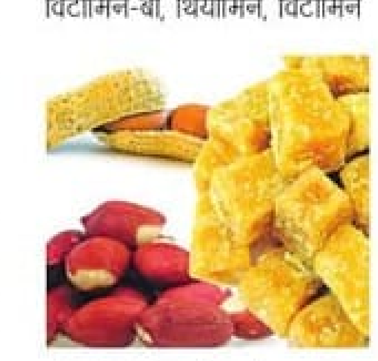

बी6, विटामिन बी9 और पैंटोथेनिक एसिड, मिनरल्स, और एंटीऑक्सिडेंट्स होते हैं। गुड़ में कैल्शियम, फॉस्फोरस, आयरन, पोटैशियम, जिंक, प्रोटीन, विटामिन बी होते हैं। मूंगफली भिगोकर गुड़ के साथ खाने से इसके फायदे बढ़ जाते हैं। इन दोनों में ही फाइबर और आयरन होता है, जो शरीर में हीमोग्लोबिन को बढ़ाने में मदद करता है। इनमें मौजूद फाइबर पेट की बीमारियों से छुटकारा दिलाता है। मूंगफली और गुड़ में पाए जाने वाले एंटीऑक्सिडेंट्स मेटाबॉलिज्म को तेज कर वजन को नियंत्रित करते हैं। इनमें कैल्शियम होता है, जो दांतों और हड्डियों को मजबूत बनाता है। मूंगफली में मौजूद हेल्दी फैट्स, प्रोटीन और विटामिन ई मसल्स की सूजन और थकान को कम करते हैं।

### क्या कहते हैं विशेषज्ञ

मूंगफली में सैचुरेटेड फैट अधिक मात्रा में होता है, जो स्ट्रोक, हार्ट अटैक और हाई ब्लड प्रेशर जैसी समस्याओं का कारण बन सकता है। इसके अलावा गुड़ भी सीमित मात्रा में ही खाएं।

-डॉ. नम्रता भट्ट
आयुर्वेद एवं पंचकर्म विशेषज्ञ